राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 280 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, मंगलवार ,13 अप्रैल 2021, मूल्य रु. 1.50

राफेल फिर सुप्रीम कोर्ट में

नई दिल्ली, (संवाददाता)। देश में लड़ाकू विमान राफेल की खरीद में भ्रष्टाचार को लेकर एक बार फिर बवाल शुरू हो गया है। फ्रांसीसी पोर्टल के दावे को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है, जिस पर कोर्ट दो हफ्ते बाद सुनवाई करेगा। चीफ जस्टिस एसए बोबडे ने कहा कि अदालत इस मामले पर अर्जेंट सुनवाई करेगी। हालांकि, उन्होंने इसके लिए किसी तारीख का जिक्र नहीं किया। अधिवक्ता एमएल शर्मा ने फ्रांसीसी पोर्टल के दावे पर याचिका दायर कर सुप्रीम कोर्ट से स्वतंत्र जांच की मांग की है। याचिका में सौदे को रद्द करने और जुमार्ना के साथ सारी रकम वसूलने की मांग की गई है साथ ही मामले की कोर्ट की निगरानी में स्वतंत्र जांच के आदेश मांग की गई है। बता दें कि पोर्टल ने दावा किया कि राफेल बनाने वाली फ्रांसीसी कंपनी दसॉल्ट को भारत में एक बिचौलिये को करीब 8 करोड़ 62 लाख रुपये बतौर गिफ्टइ देने पड़े थे। याचिका में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्र और सीबीआई को भी पक्षकार बनाया है। दसॉल्ट एविएशन ने पहले ही आरोपों का खंडन किया है। कंपनी ने कहा कि सौदे में कोई भ्रष्टाचार या अनियमितता नहीं थी।

राफेल खरीद में भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर देश में जमकर बवाल हुआ था। सुप्रीम कोर्ट ने दो साल पहले अदालत की निगरानी में राफेल डील की जांच की मांग से जुड़ी सभी याचिकाएं खारिज कर दी थीं।

14 दिसंबर, 2018 को सुप्रीम कोर्ट ने इस सौदे की प्रॉसेस और पार्टनर चुनाव में किसी तरह के फेवर के आरोपों को बेबुनियाद बताया था।

फ्रांसीसी रिपोर्ट के सामने आने के बाद विपक्षी दलों ने राफेल खरीद में भ्रष्टाचार को लेकर मोदी सरकार पर हमला बोला। कांग्रेस के प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा था कि इस पूरे लेन-देन को गिफ्ट टू क्लाइंट की संज्ञा दी गई। अगर ये मॉडल बनाने के पैसे थे, तो इसे गिफ्ट क्यों कहा गया क्या ये छिपे हुए ट्रांजेक्शन का हिस्सा था। सच्चाई सबके सामने आ गई। ये हम नहीं, फ्रांस की एक एजेंसी कह रही है।

ममता पर चुनाव आयोग ने 24 घंटे का लगाया बैन

कोलकाता। चुनावी आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर चुनाव आयोग ने 24 घंटे का लगाया बैन लगा दिया है। इस दौरान वह चुनाव प्रचार नहीं कर पाएंगी। मुस्लिम वोटर्स से वोट बंटने ना देने की अपील और महिलाओं से सुरक्षाबलों का घेराव करने की सलाह को लेकर ममता बनर्जी को चुनाव आयोग ने दो नोटिस जारी किए थे। ममता के जवाब से असंतुष्ट चुनाव आयोग ने उनपर यह कार्रवाई की है। ममता बनर्जी पर बैन का आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। सोमवार रात 8 बजे से मंगलवार रात 8 बजे तक वह किसी भी तरह से प्रचार नहीं कर सकती हैं। चुनाव आयोग ने उन्हें आगे से इस तरह का बयान ना देने की सख्त हिदायत दी है। चुनाव आयोग ने ममता बनर्जी के बयानों की निंदा करते हुए कहा है कि इस तरह के बातों से कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ सकती है। चुनाव आयोग ने कहा है कि ममता बनर्जी, जोकि राज्य की मुख्यमंत्री भी हैं, ने चुनाव आचार संहिता के साथ ही जनप्रतिनिधित्व कानून, 1951 की धारा 123 (3) और 3ए और आईपीसी, 1860 की धारा 186, 189 और 505 का भी उल्लंघन किया है।

पीएम मोदी का ममता पर फिर हमला

कोलकाता, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी ने बंगाल के बर्धमान में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए टीएमसी प्रत्याशी द्वारा अनुसूचित जाति का अपमान किए जाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि बंगाल के लोगों से दीदी की नफरत बढ़ती ही जा रही है। दीदी के लोग बंगाल के अनुसूचित जाति के लोगों को गाली देने लगे हैं। उन्हें भिखारी कहने लगे हैं। दीदी की पार्टी ने बाबा साहेब का अपमान किया है।

उन्होंने यह बात टीएमसी नेता सुजाता मंडल के उस बयान पर कही, जिसमें सुजाता मंडल ने अनुसूचित जाति के लेगों को भिखारी कहा था। आरामबाग विधानसभा सीट से टीएमसी प्रत्याशी सुजाता मंडल ने कहा था कि अनुसूचित जाति के लोग स्वभाव से भिखारी होते हैं। बंगाल में ममता बनर्जी ने उनके लिए कितना कुछ किया, लेकिन फिर भी कुछ पैसों के लिए वे भाजपा का साथ दे रहे हैं।

उन्होंने पूछा कि अनुसूचित जाति के मेरे भाई-बहनों के खिलाफ इतना भद्दा बयान दीदी की सहमति के बिना कोई दे सकता है क्या दलित समाज के लोगों को इतना कुछ कहा गया, लेकिन दीदी ने अब तक माफी नहीं मांगी। भारत के कई दल दीदी के साथ-साथ खड़े हो जाते हैं, लेकिन किसी ने भी दलितों के अपमान के खिलाफ एक शब्द नहीं कहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने ममता बनर्जी पर तंज कसते हुए कहा कि दीदी ओ दीदी। आपको और आपके करीबियों को क्या हो गया है वे कहने लगें हैं कि भाजपा को वोट देने वालों को उठाकर बाहर फेंक देंगे। आपको ये अहंकार मंजूर नहीं होना चाहिए। दलितों का अपमान कर आपने सबसे बड़ी भूल की है। बंगाल इसे भूलेगा नहीं। ममता दीदी आपको गाली देना है, तो मोदी को दीजिए, लेकिन बंगाल की गरिमा का अपमान मत कीजिए। बंगाल अब कटमनी, तोलाबाजी और सिंडिकेट को बर्दाश्त नहीं करेगा।

मोदी ने बंगाल में हुई बिहार के पुलिसकर्मी की मॉब लिंचिंग का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एक वीर जवान, दो दिन पहले अपने कर्तव्य का पालन करने बंगाल की धरती पर आया था. लेकिन यहां बंगाल में पीट-पीट कर उस पुलिस अफसर की हत्या कर दी गई। मां ने जब अपने वीर जवान बेटे का शव देखा, तो उसने भी दम तोड़ दिया। पीएम मोदी ने कहा कि दीदी की नीतियों ने न जाने कितनी मांओं से उनके बेटे छीन लिए हैं। उन्होंने कहा कूच बिहार में 2 दिन पहले जिन लोगों की मौत हुई, वो भी किसी मां के बेटे थे।

पीएम मोदी ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में तीन चुनावी रैलियों को संबोधित किया। पीएम मोदी की पहली चुनावी रैली दोपहर 12 बजे बर्धमान में हुई। बर्धमान के बाद पीएम मोदी 1.45 बजे कल्याणी में जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी की तीसरी रैली 3.15 बजे बारासात में हुई। पीएम मोदी के अलावा गृह मंत्री अमित शाह भी सोमवार को बंगाल में रहे। गृहमंत्री शाह ने उत्तर बंगाल के कालिम्पोंग में रोड शो किया। उन्होंने धूपगुड़ी में चुनावी जनसभा को भी संबोधित किया।

पश्चिम बंगाल की 294 सीटों पर इस बार 8 चरणों में मतदान हो रहा है। इसमें पहले चरण के लिए 27 मार्च को 30 सीटों, 1 अप्रैल को दूसरे फेज में 30 सीटों और तीसरे फेज में 6 अप्रैल को 31 सीटों पर और 10 अप्रैल को 44 सीटों पर मतदान हो चुका है। 17 अप्रैल को पांचवे चरण के तहत 45 सीट, 22 अप्रैल को छठवें चरण में 43 सीट, सातवें चरण में 26 अप्रैल को 36 सीट और 29 अप्रैल को आठवें चरण में 35 सीटों पर मतदान होना है। मतगणना 2 मई को होगी।

कूच बिहार घटना पर बीजेपी नेता के विवादित बोल

नई दिल्ली, (संवाददाता) ।पश्चिम बंगाल में बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष के बाद बीजेपी नेता राहुल सिन्हा ने भी कूच बिहार की घटना को लेकर विवादित बयान दिया है। चौथे चरण में मतदान के दौरान सीआईएसएफ की गोलीबारी में 4 लोगों के मारे जाने की घटना को लेकर राहुल सिन्हा ने सोमवार को कहा कि केंद्रीय बलों को सितलकूची में 4 नहीं 8 लोगों को मारना चाहिए था। हावड़ा विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी के प्रत्याशी राहुल सिन्हा ने कहा 4 नहीं 8 लोगों को सितलकुची में मार देना चाहिए था। इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के मुताबिक, राहुल सिन्हा ने एक चुनावी रैली के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा, सितलकूची में केंद्रीय बलों को 4 की जगह 8 लोगों को मारना चाहिए था। एक बूथ पर 18 साल के एक लड़के को मार दिया गया क्योंकि वह बीजेपी का समर्थक था और उनकी नेता ममता बनर्जी हैं।

कुरान की 26 आयतों पर रोक लगाने वाली याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने किया खारिज

नई दिल्ली। कुरान की 26 आयतों को आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला बताने वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। मामले में सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता और यूपी शिया वक्फ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष वसीम रिजवी पर 50 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। रिजवी ने अपनी दलील में कहा था कि कुरान की ये 26 आयतों में गैर मुस्लिमों के खिलाफ हिंसा और उनकी हत्या को प्रेरित करने वाली बातें लिखी हैं। जस्टिस रोहिंटन एफ नरीमन की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि यह याचिका विचार करने लायक नहीं है। पीठ में जस्टिस बीआर गवई और ऋषिकेष रॉय भी शामिल थे। रिजवी ने अपनी याचिका में कहा था कि कुरान की ये 26 आयतें आतंक को बढ़ावा देने वाली हैं और उन्हें हटाया जाना चाहिए ताकि आतंकी गतिविधियों से मुस्लिम समुदाय का नाम न जुड़ सके। रिजवी ने अपनी याचिका में यह भी कहा था कि इन आयतों से देश की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरा है। पिछले महीने रिजवी की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दायर करने के बाद राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग ने उन्हें नोटिस जारी किया था। आयोग ने अपने भेजे नोटिस में भी वसीम रिजवी द्वारा कुरान को लेकर डाली गई पीआईएल पर नाराजगी जाहिर की थी। आयोग ने वसीम रिजवी की विवादित टिप्पणियों और धार्मिक भावनाओं को आहत करने पर उन्हें नोटिस जारी किया था। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग ने वसीम रिजवी को बिना शर्त माफी मांगने और अपना बयान वापस लेने की बात कही थी। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग ने कहा था कि अगर वसीम ऐसा नहीं करते तो उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

बाजार में गिरावट, 8 लाख करोड़ डूबे

मुंबई, (एजेंसी)। कोरोना और लॉकडाउन के चलते मार्केट में सोमवार को भारी गिरावट देखने को मिल रही है। शुरूआती दौर में ही सेंसेक्स 1700 पॉइंट गिरकर 48 हजार के नीचे आ गया। इससे निवेशकों के 9 लाख करोड़ रुपए डूब गए। इससे पहले 1 फरवरी को इंडेक्स 48 हजार के नीचे आया था। सोमवार सुबह सेंसेक्स 634.67 अंक नीचे 48,956.65 पर खुला। अभी यह 1,747 अंकों की भारी गिरावट के साथ 47,843 पर कारोबार कर रहा है। सेंसेक्स में शामिल 30 में से 29 शेयरों में गिरावट है। इंडेक्स में इंडसइंड बैंक का शेयर सबसे ज्यादा 8.1 फीसदी नीचे आ गया है। वहीं, डॉ. रेड्डीज का शेयर 3.3 फीसदी ऊपर चढ़ गया है। निफ्टी भी 525 अंकों की गिरावट के साथ 14,308 पर आ गया है।

शेयर बाजार में गिरावट की 3 वजह

देश में लगातार कोरोना के नए केस बढ़ रहे हैं। पिछले 24 घंटे में एक लाख 69 हजार 914 मामले सामने आए। यह देश में एक दिन में मिलने वाले संक्रमितों का सबसे बड़ा आंकड़ा है। एशियाई शेयर बाजारों में गिरावट है। इनमें चीन का शंघाई कंपोजिट, हॉन्गकॉन्ग का हेंगसेंग शामिल हैं। इसी तरह जापान का निक्केई इंडेक्स भी गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है। चौथी तिमाही के नतीजों से पहले निवेशक नर्वस हैं। लगातार दो तिमाहियों में अच्छे रिजल्ट के बाद चौथी तिमाही के दौरान कोरोना का असर देखने को मिल सकता है इसीलिए निवेशक निवेश से पहले सतर्क हैं।

बैंकिंग शेयरों में 13 फीसदी तक की गिरावट

आज की भारी गिरावट में बैंकिंग सेक्टर के शेयर सबसे आगे हैं। निफ्टी बैंक इंडेक्स 1,754 पॉइंट यानी 5.4 फीसदी नीचे 30,693 पर आ गया है। आरबीएल बैंक का शेयर 10 फीसदी नीचे कारोबार कर रहा है। सरकारी बैंकों के शेयरों में 11 फीसदी की गिरावट आई तो प्राइवेट बैंक के शेयर भी 10 फीसदी तक टूटे हैं। बैंकिंग शेयरों में गिरावट की मुख्य वजह लॉकडाउन है, क्योंकि इससे बैंकिंग कारोबार पर असर पड़ रहा है। ऑटो और मेटल शेयरों में भी भारी गिरावट रही। कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए कई राज्यों में जगह-जगह लॉकडाउन लगाया जा रहा है। इससे इकोनॉमिकल एक्टिविटीज पर बुरा असर पड़ रहा है। नतीया यह है कि बाजार में चौतरफा गिरावट है।

रूसी वैक्सीन स्पुतनिक-वी के इमरजेंसी यूज को मंजूरी

नई दिल्ली, (संवाददाता)। कोरोनावायरस इन्फेक्शन की दूसरी लहर तेज हो चली है। इस बीच सोमवार को एक्सपर्ट कमेटी ने रूसी वैक्सीन स्पुतनिक-वी के इमरजेंसी यूज को मंजूरी दे दी है। अब डीजीसीआई इस पर फैसला लेगा। मंजूरी मिलने पर यह भारतीय कोरोना टीकाकरण अभियान में शामिल होने वाली तीसरी वैक्सीन बन जाएगी। भारत में 16 जनवरी को टीकाकरण शुरू हुआ था और इसके लिए इसी साल की शुरूआत में कोवीशील्ड और कोवैक्सिन को मंजूर किया गया था। कोवीशील्ड को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और एस्ट्राजेनेका ने मिलकर बनाया है। भारत में पुणे का सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया इसका प्रोडक्शन कर रहा है। कोवैक्सिन को भारत बायोटेक ने इंडियन काउंसिल फॉर मेडिकल रिसर्च (ढ्ढष्टरूक्र) और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरलॉजी के साथ मिलकर बनाया है। पिछले हफ्ते रिपोर्ट आई थी कि ज्यादातर बड़े राज्यों में वैक्सीन डोज खत्म हो गए हैं। जिस रफ्तार से टीके लगाए जा रहे हैं, उस रफ्तार से बन नहीं रहे। इस वजह से तीसरी वैक्सीन को मंजूरी देना बेहद जरूरी हो गया था। मॉर्डना और फाइजर की वैक्सीन ही 90 फीसदी अधिक इफेक्टिव साबित हुई हैं। इसके बाद स्पुतनिक-वी ही सबसे अधिक 91.6त्न इफेक्टिव रही है। इसे रूस के गामालेया इंस्टीट्यूट ने रशियन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट फंड की फंडिंग से बनाया है। यह दो एडेनोवायरस वेक्टर से बनी है यानी कोवीशील्ड जैसी है। कोवीशील्ड में चिम्पांजी में मिलने वाले एडेनोवायरस का इस्तेमाल किया है। वहीं, रूसी वैक्सीन में दो अलग-अलग वेक्टरों को मिलाकर इस्तेमाल किया है।

कोरोना को लेकर हाईकोर्ट की गुजरात सरकार को फटकार

अहमदाबाद, (एजेंसी)। गुजरात में रॉकेट गति से बढ़ रहे कोरोना संक्रमण को लेकर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि एक साल में उसने इस रोग की रोकथाम के लिए कोई ठोस योजना नहीं बनाई। राज्य में कोरोना के लगातार बढ़ते केस, इंजेक्शन और अस्पतालों में बैड की कमी, स्मशान गृह में लगातार चिताओं के जलने की घटना को हाईकोर्ट ने गंभीरता से लेते हुए कहा कि लोगों का सरकार से भरोसा खत्म हो चुका है। सरकार ऐसा काम करे जिससे लोगों को उस पर भरोसा कायम हो। गुजरात हाईकोर्ट के मुख्य न्यायधीश विक्रमनाथ और न्यायधीश भार्गव कारिया की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को सार्वजनिक कार्यक्रमों पर प्रतिबंध लगाने, विवाह कार्यक्रम में केवल 50 लोगों को और मृत्यु प्रसंग में 20 लोगों को एकत्र होने की मंजूरी दे। राज्य में रात्रिकालीन कर्फ्यू का कडाई से अमल नहीं हो रहा है। मास्क और सोशल डिस्टेंस का लोग पालन नहीं कर रहे हैं। हाईकोर्ट ने से कहा कि वार्ड वार और सोसायटी वार एक जिम्मेदारी व्यक्ति को नियुक्ति करे, जो लोगों की समस्या सीधे प्रशासन तक पहुंचाए। अक्टूबर तक कोरोना की स्थिति नियंत्रित थी, लेकिन दिवाली के बाद संक्रमण बढ़ने के बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाने पर हाईकोर्ट ने सवाल किया। आखिर सरकार ने कैसे मान लिया कि कोरोना खत्म हो चुका है और निजी अस्पताल के बैड उन्हें वापस सौंप दिए गए। दूसरी काफी खतरनाक साबित हो रही है और संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। हाईकोर्ट ने आरटीपीसीआर टेस्ट के विलंब पर भी सवाल उठाए और कहा कि इस अवधि में यदि अन्य लोग संक्रमित होते हैं तो उसका जिम्मेदार कौन होगा राज्यभर में इंजेक्शन की जरूरत है और एक जगह इंजेक्शन की उपलब्धता हितावह नहीं है। इसके लिए अन्य व्यवस्था भी सरकार को करनी चाहिए। इंजेक्शन का पर्याप्त स्टाक होने के सरकार दावे पर सवाल करते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि यदि पर्याप्त स्टाक है तो लोगों तक क्यों नहीं पहुंच रहा इंजेक्शन की कमी नहीं है तो अस्पतालों में उपलब्ध क्यों नहीं है हाईकोर्ट ने सरकार को आदेश दिया है कि वह इंजेक्शन सरलता से लोगों को उपलब्ध हों, इसकी व्यवस्था करे। साथ ही टेस्टिंग बढ़ाने और तेज करने का भी हाईकोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया है। हाईकोर्ट ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में आरटीपीसीआर टेस्ट की कोई व्यवस्था नहीं है। हाईकोर्ट ने इस बात को लेकर भी सवाल किया कि सामान्य लोगों की आरटीपीसीआर टेस्ट रिपोर्ट आने में काफी विलंब लगता है। जबकि अधिकारी या नेताओं की रिपोर्ट में विलंब नहीं होता। रिपोर्ट में देरी होना भी संक्रमण बढ़ने का एक कारण हो सकता है। हाईकोर्ट ने कहा कि टीके कोई खास असर नहीं हो रहा है। वैक्सीनेशन जरूरी है, लेकिन वह इतना असरदार साबित नहीं हो रहा है। सरकार की पैरवी करते हुए एडवोकेट जनरल कमल त्रिवेदी ने पेशकश की कि यह लड़ाई सरकार और कोरोना के बीच नहीं बल्कि लोग और कोरोना के बीच है। रेमडेसिवीर इंजेक्शन की आवश्यकता सामान्य स्थिति में नहीं होती।

रांची में श्मशान में कम पड़ने लगी जगह

रांची, (एजेंसी)। रांची में कोरोना संक्रमण की वजह से होने वाली मौतों ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। पिछले 10 दिनों में रांची के श्मशान और कब्रिस्तान में अचानक शव आने की संख्या में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। रविवार को रिकॉर्ड 60 शवों का अंतिम संस्कार किया गया। इनमें 12 शव कोरोना संक्रमितों के थे, जिनका दाह संस्कार घाघरा में सामूहिक चिता सजाकर किया गया। इसके अलावा 35 शव पांच श्मशान घाटों पर जलाए गए और 13 शवों को रातू रोड और कांटाटोली कब्रिस्तान में दफन किया गया। सबसे अधिक शवों का दाह संस्कार हरमू मुक्ति धाम में हुआ।

मृतकों की संख्या इतनी अधिक हो गई कि मुक्तिधाम में चिता जलाने की जगह कम पड़ गई। लोगों ने घंटों इंतजार किया फिर भी जगह नहीं मिली तो लोग खुले में ही चिता सजाकर शव जलाने लगे।

उत्तर प्रदेश में नहीं लगेगा लॉकडाउन : योगी

लखनऊ, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में बढ़ते कोरोना संक्रमण को लेकर सोमवार को जिलों के अफसरों को काफी सख्त लहजे में चेताया है। उन्होंने कहा कि गलतफहमी में न रहें, लॉकडाउन नहीं लगेगा। हम जनता को मरने नहीं देंगे, बेड की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। पहले से पूरी तैयारी करें। आवश्यकतानुसार निजी हॉस्पिटलों और मेडिकल कॉलेजों का टेकओवर करें। उन्होंने जिलों में टेस्टिंग, ट्रेसिंग और ट्रीटमेंट पर जोर दिया। सीएम योगी हाल ही में एक उच्च स्तरीय बैठक में कोरोना के बढ़ते संक्रमण को लेकर समीक्षा बैठक की थी। सीएम योगी कोरोना संक्रमण के प्रभावी रोकथाम के लिए रणनीति से लेकर क्रियान्वयन को तरजीह दे रहे हैं। उनका पूरा जोर कोरोना संक्रमण और बढे से पहले तैयारियों को लेकर है। उन्होंने इसे तस्दीक भी किया कि कोरोना के खिलाफ संघर्ष को पूरी तैयारी के साथ मजबूती से लडा होगा। इस संघर्ष में लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं है। पिछले वर्ष कोरोना संक्रमण को नियंत्रण करने में सफलता मिली है। उसी प्रकार से इस बार भी हम मजबूती से लड़ाई लड़ते हुए हम सफल होंगे। इसके लिए उन्होंने एल 2 और एल 3 के बेड्स पर्याप्त मात्रा में बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए उन्होंने निजी हॉस्पिटल और मेडिकल कॉलेज का टेकओवर करने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने निजी अस्पतालों और लैब में निर्धारित दरों से अधिक वसूली पर नाराजगी जाहिर की और कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि किसी की मजबूरी का फायदा नहीं उठाने दिया जाएगा। इसे सख्ती के साथ रोकें। गलत जानकारी देने पर कठोर कार्यवाही होगी। सीएम ने 108 एंबुलेंस सेवा को आधी कोविड, आधी बिना कोविड के लिए और एंबुलेंस का रेस्पांस टाईम 15 मिनट रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पूरी लड़ाई का केंद्र बिंदु इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर को बनाने और उसकी एक-एक गतिविधि की निगरानी पर जोर दिया है। सीएम योगी ने जांच और उसकी रिपोर्ट में देरी पर अधिकारियों को निर्देशित किया है कि इस बारे में निजी लैब्स का भी सहयोग लिया जाए और जरूरी हो तो टेकओवर कर इसके बदले में पेमेंट किया जाए, लेकिन किसी सूरत में जांच रिपोर्ट में देरी नहीं होनी चाहिए।

दुनिया में बीते दिन 6.31 लाख केस आए

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। दुनियाभर कोरोना का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले 24 घंटे में दुनिया में 6.31 लाख नए केस सामने आए। इस दौरान 7,991 लोगों की मौत भी हुई। मौजूदा वक्त में भारत में कोरोना की लहर सबसे तेज है। यहां रोजाना 1.5 लाख से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। भारत एक बार फिर ब्राजील को पीछे छोड़कर दुनिया का दूसरा सबसे संक्रमित देश बन गया है। भारत में 1.35 करोड़ लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। वहीं, ब्राजील में यह आंकड़ा 1.34 करोड़ है। अमेरिका 3.19 करोड़ संक्रमितों के साथ टॉप पर है। उधर, तुर्की में भी कोरोना अपना कहर बरपा रहा है। यहां पिछले 5 दिनों से 50 हजार से ज्यादा संक्रमित मिले हैं। रविवार को यहां 50,678 लोगों में कोरोना की पुष्टि हुई और 237 लोगों की मौत हुई। यहां अब तक 38.49 लाख लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं और 33,939 लोगों की मौत भी हुई है। भारत में अब भी रोजाना दुनिया में सबसे ज्यादा संक्रमित मिल रहे हैं। बीते दिन यहां 1.69 लाख लोगों में कोरोना की पुष्टि हुई। वहीं, तुर्की में 50,678, अमेरिका में 47,864, ब्राजील में 37,537 और फ्रांस में 34,895 लोगों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई। बीते दिन 24 घंटों में दुनिया में हुई मौतों में सबसे ज्यादा मौतें ब्राजील में हुईं। यहां रविवार को 1,824 लोगों की जानें गईं। ब्राजील के बाद सबसे ज्यादा मौतें भारत (904), रूस (337) और इटली (331) में रिकॉर्ड की गईं।

बांग्लादेश के बाद ईरान ने भी लॉकडाउन का ऐलान कर दिया है। कोरोना की चौथी लहर की चपेट में आए तेहरान में 10 अप्रैल से 10 दिन का लॉकडाउन लगा दिया गया। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता अलीरेजा रेसी ने कहा कि देश के 31 प्रांतों में से 23 में लॉकडाउन लगाया गया है। लॉकडाउन के दौरान ईरान में सभी स्कूल-कॉलेज, बिजनेस, कंपनियां और दफ्तर बंद रहेंगे। थिएटर्स, खेल परिसरों को भी बंद रखने का फैसला किया गया है। बुधवार से शुरू हो रहे रमजान को देखते हुए भीड़ के जुटने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है।

दुनिया में अब तक 13.66 करोड़ से ज्यादा लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 29.49 लाख मरीजों की मौत हो चुकी है, जबकि 10.98 करोड़ लोग ठीक हो गए। 2.38 करोड़ मरीजों का अभी इलाज चल रहा है। इनमें 2.37 करोड़ मरीजों में संक्रमण का हल्का लक्षण है, जबकि 1.03 लाख मरीजों की हालत गंभीर बनी हुई है।

नासा ने जारी की मंगल ग्रह की तस्वीर

वाशिंगटन, (एजेंसी)। दुनिया भर के वैज्ञानिकों में मंगल ग्रह को लेकर काफी उत्सुकता है। इसी के चलते दुनिया का हर देश जल्द से मंगल यानी लाल ग्रह पर पहुंचना चाहता है। इस बीच अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मंगल ग्रह की एक ऐसी तस्वीरे जारी की है, जिसे देखकर लोगों की हैरानी बढ़ गई है। दरअसल इस तस्वीर में लाल ग्रह के ब्लू डूम्स यानी नीले रंग के बफीर्ले टीले नजर आ रहे हैं। नासा ने इस तस्वीर को शेयर करते हुए इसके कैप्शन में लिखा, ब्लू डूनस ऑन द रेड प्लेनेट यानी लाल ग्रह पर नीले टीले। मंगल ग्रह की इस तस्वीर को सोशल मीडिया पर खासा पसंद किया जा रहा है। नासा ने बताया कि इस तस्वीर को मंगल के उत्तरी ध्रुव से लिया गया है, जिसे इस लाल ग्रह पर चलने वाली तेज हवाओं ने बनाया है। मंगल ग्रह पर यह इलाका करीब 30 किलोमीटर में फैला है।

इस विशेष तस्वीर को नासा के मार्स ओडिसी ऑर्बिटर के इंफ्रारेड कैमरे से खींचा गया है। ऑर्बिटर में तैनात इस कैमरे को थर्मल एमिशन इमेजिंग सिस्टम कहा जाता है। नासा के मुताबिक इस तस्वीर में दिख रहे अलग-अलग रंग दरअसल लाल ग्रह के सतह पर अलग-अलग तापमान को प्रदर्शित कर रहे हैं। इस तस्वीर में दिख रहा पीला या नारंगी रंग ज्यादा तापमान को दर्शा रहा है, जबकि नीला रंग ठंडे तापमान को बताता है।

नासा के बयान के मुताबिक, मार्स ओडिसी ऑर्बिटर का थर्मल एमिशन इमेजिंग सिस्टम दिन और रात दोनों समय मंगल के तापमान को मापता रहता है। इससे वैज्ञानिकों को यह निर्धारित करने में मदद मिलती है कि इस ग्रह पर चट्टान, रेत या धूल जैसी भौतिक सामग्री मौजूद हैं कि नहीं। इसका डेटा इन सामग्रियों के गर्म होने और उनके ठंडे होने के तरीकों का भी पता लगाता है।

ओडिसी को 7 अप्रैल, 2001 को फ्लोरिडा के केप कैनावेरल एयर फोर्स स्टेशन से लांच किया गया था। अंतरिक्ष के इतिहास में यह सबसे लंबे समय तक मंगल पर काम करने वाला अंतरिक्ष यान बनने का गौरव प्राप्त कर चुका है। नासा के वैज्ञानिकों की यह एक बड़ी उपल्बिध थी। इन तस्वीरों को मार्स ओडिसी ने नवंबर, 2002 और नवंबर, 2004 के दौरान ली थी। इसे नासा ने ओडिसी के 20 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में जारी किया है।

कोरोना टीके में मिलावट कर इसकी ताकत बढ़ाएगा चीन

बीझिंग, (एजेंसी)। चीन अब अपने बेअसर हो चुके कोरोना टीके में मिलावट के जरिए अपने इंजेक्शन की ताकत को बढ़ाने पर विचार कर रहा है। चीन के एक वैज्ञानिक का कहना है कि सिनोवैक वैक्सीन का परिणाम बेहतर नहीं दिख रहा है। ऐसे में चीन ने वैक्सीन में मिलावट करने का फैसला किया है। यह जानकारी चीनी नियंत्रण और रोकथाम केंद्र के निदेशक गाओ फू ने दी। गाओ फू ने कहा कि फाइजर और मोडरना के मुकाबले सिनोफॉर्म कंपनी की सिनोवैक टीका प्रभावी नहीं है। बता दें कि सिनोवेक बायोटक के मुकाबले फाइजर और मॉडर्ना की वैक्सीन ट्रायल में ही 90 फीसदी कारगर पाई गई थी।

केंद्र के निदेशक गाओ फू ने बताया कि मौजूदा दौर में उपलब्ध टीके सिनोवैक असरदार नहीं दिख रहा है। प्रभावकारी और नई वैक्सीन तैयार करने के लिए इसमें मिक्सिंग करने की तैयारी चल रही है। हालांकि उन्होंने इसका खुलासा नहीं किया कि नई वैक्सीन में क्या मिलाया जाएगा। वहीं एक अधिकारी ने बताया कि आम नागरिकों को टीकाकरण के लिए चार घरेलू वैक्सीन की मंजूरी दी गई है। जो इस साल के अंत तक आएगा।

ब्राजील ने सिनोवैक वैक्सीन को 50 फीसदी प्रभावी बताया

सिनोवैक वैक्सीन को लेकर ब्राजील ने पहले ही सवाल खड़े किए थे। ब्राजील ने वैक्सीन के क्लिनिकल ट्रायल का डेटा जारी करते हुए कहा था कि यह वैक्सीन 50 फीसदी प्रभावी है।

प्रिंस फिलिप के निधन के बाद शोक में डूबीं महारानी एलिजाबेथ

लंदन, (एजेंसी)। पति प्रिंस फिलिप के निधन के बाद ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ की जिंदगी में एक शून्यता छोड़ गए हैं। अभी महारानी के लिए एक उदासी भरा समय है। यह जानकारी उनके बेटे और प्रिंस एंड्रयू ने दी है। एंड्रयू ने कहा कि उनकी 94 साल की मां अविश्विसनीय रूप से बहुत साहसी महिला थीं। लेकिन ड्यूक ऑफ एडिनबर्ग के निधन ने उन्हें काफी प्रभावित किया है। शुक्रवार को ब्रिटेन की महारानी के पति प्रिंस फिलिप का 99 साल की उम्र में निधन हो गया था। पिछले साल इस रॉयल कपल ने अपनी शादी के 73 साल पूरे किए थे। हाल ही में फिलिप की हार्ट सर्जरी हुई थी। इन्फेक्शन के बाद उन्हें किंग एडवर्ड हॉस्पिटल में एडमिट कराया था। यहां 28 दिन रहने के बाद 16 मार्च 2021 को उन्हें डिस्चार्ज किया गया था। वहीं, दादा की अंतिम यात्रा में प्रिंस हैरी भी शामिल होंगे। पश्चिम लंदन स्थित विंडसर चर्च मे प्रार्थना सभा के बाद एंड्रयू ने बताया महारानी ने अपने संदेश में कहा कि फिलिप उनकी जिंदगी में एक विशाल शून्यता छोड़ गए हैं। एंड्रयू ने फिलिप को ग्रांड फादर ऑफ द नेशन कहकर संबोधित किया है। वहीं, परिवार के करीबी इस दुख की घड़ी में महारानी एलिजाबेथ के साथ हैं।

सेना ने कहा–तनाव खत्म करने के लिए बने सकारात्मक माहौल का लाभ उठाए भारत

बीजिंग।, (एजेंसी)। पूर्वी लद्दाख सीमा पर तनाव को खत्म करने को लेकर चीन सेना ने 11वें दौर की सैन्य स्तर की बातचीत के दूसरे दिन बयान जारी किया है। चीन सेना ने रविवार को कहा कि भारत को सीमा पर तनाव कम करने के लिए मौजूदा सकारात्मक माहौलइ का लाभ उठाना चाहिए। चीन सेना के वेस्टर्न थिएटर कमांड के प्रवक्ता ने कहा, हमें उम्मीद है कि भारतीय पक्ष दोनों देशों की सेनाओं के बीच पिछली वाताओं में बनी सहमतियों का पालन करते हुए सीमा क्षेत्र पर तनाव कम करने की दिशा में आगे बढ़ेगा, जिस दिशा में चीन आगे बढ़ा है।इ गौरतलब है कि दोनों देशों की सेनाओं के कोर कमांडर स्तर की 11वें दौर की बातचीत शुक्रवार को पूर्वी लद्दाख में भारत की ओर चुशूल में हुई थी। 13 घंटे चली बातचीत के एक दिन बाद शनिवार को भारतीय सेना ने बयान जारी किया। इसमें कहा था दोनों पक्षों ने पूर्वी लद्दाख में हॉट स्प्रिंग, गोगरा और देपसांग में गतिरोध वाले शेष हिस्सों से सैनिकों की वापसी को लेकर विस्तृत चर्चा की और जमीन पर शांति बनाए रखने, किसी भी नए टकराव से बचने और अन्य मुद्दों का हल जल्द से जल्द निकालने पर सहमति व्यक्त की।

जानकारों ने शनिवार को नई दिल्ली में कहा था कि दोनों देशों के बीच हुई सैन्य वार्ता में कोई ठोस प्रगति दिखाई नहीं दी, क्योंकि चीन का प्रतिनिधिमंडल पहले से तय सोचइ के साथ इसमें शामिल हुआ। चीनी सेना ने संघर्ष वाले शेष क्षेत्रों में सैनिकों को पीछे हटाने की प्रक्रिया पर आगे बढे में कोई रुचि नहीं दिखाई।

2022 में रिपब्लिकंस को दिलाएंगे जीत : ट्रंप

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने समर्थकों के बीच अपनी भूमिका को किंग मेकर के रूप में पेश किया। उन्होंने कहा- वह 2022 में सीनेट के होने वाले चुनावों में रिपब्लिकंस को जीत दिलाएंगे, जिससे सीनेट में पूरी तरह से हमारा बहुमत हो जाए। ट्रम्प ने यह बात अपने पाम बीच मार-ए-लागो में एक पार्टी में कही। इसमें रिपब्लिकन राष्ट्रीय समिति के दानदाताओं ने भाग लिया। यहां ट्रम्प ने कहा कि हम सभी यहां रिपब्लिकन पार्टी का भविष्य तय करने के लिए जुटे हैं। हमारा उद्देश्य 2022 के चुनाव में हर हाल में सीनेट की सीटों पर जीत हासिल करना है। इससे सीनेट में हमारा बहुमत हो सके। ट्रम्प ने यहां 2022 में सीनेट के चुनाव के संबंध में तो बात की, लेकिन 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के बारे में कुछ नहीं कहा। सिर्फ इतना बोले- 2024 में आपके बीच से ही कोई व्हाइट हाउस जाने वाला है। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के अधिकारियों पर ट्रम्प के प्रशासन द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों और वीसा प्रतिबंधों को हटा दिया है।

ब्राजील में जीसस क्राइस्ट की 30 मीटर ऊंची प्रतिमा

एनकांटाडो।, (एजेंसी)। ब्राजील दुनिया का पहला देश है, जो सात अजूबों में शामिल किसी प्रतिमा से भी ऊंची प्रतिमा बना रहा है। दरअसल, ब्राजील के एनकांटाडो जिले में जीसस क्राइस्ट की 43 मीटर ऊंची प्रतिमा बनाई जा रही है। यह रियो स्थित 30 मीटर ऊंची क्राइस्ट द रिडीमर स्टेच्यू से 13 मीटर ऊंची होगी। रविवार को इसके 28 मीटर चौड़ाई के दोनों हाथों का निर्माण पूरा हुआ। इस प्रतिमा का निर्माण 2019 में शुरू हुआ था, जिसे अक्टूबर में क्राइस्ट द रिडीमर स्टेच्यू के 90वें जन्मदिन से पहले पूरा कर लिया जाएगा। एसोसिएशन ऑफ फ्रेंड्स ऑफ क्राइस्ट ने बताया कि इसके निर्माण में 2.61 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। प्रोजेक्ट की पूरी राशि डोनेशन से मिली है। मालूम हो कि क्राइस्ट द रिडीमर की प्रतिमा को ईसाई धर्म का एक वैश्विक प्रतीक माना जाता है। इसे देखने के लिए दुनियाभर से लाखों लोग पहुंचते हैं। इससे रियो डी जेनेरियो शहर का पर्यटन भी चलता है।

इंग्लैंड में मंदिर बचाने की जंग लड़ रहे पिएरो

लंदन, (एजेंसी)। इंग्लैंड में इटैलियन मूल का एक व्यक्ति भारत भवन मंदिर को बचाने की जंग लड़ रहा है। मंदिर कैम्ब्रिज में रहने वाले पांच हजार हिंदुओं के लिए एकमात्र पूजा स्थल है। मंदिर के लिए लड़ रहे पिएरो डी एंगेलिको नाम के इस व्यक्ति का वहां एक सैलून है। फंड की कमी से रख-रखान न होने पर इसे गिराया जा रहा है। मंदिर के लिए लड़ रहे पिएरो डी एंगेलिको नाम के इस व्यक्ति का एक सैलून है।

मंदिर के लिए लड़ रहे पिएरो डी एंगेलिको नाम के इस व्यक्ति का एक सैलून है।

दरअसल, पिछले हफ्ते पिएरो कहीं जा रहे थे, तभी उन्होंने देखा कि एक पुरानी लाइब्रेरी को गिराया किया जा रहा है। यह देखकर उन्हें धक्का लगा। इसी में भारत भवन मंदिर भी था। इस मंदिर की वेदी के चारों ओर गुलाबी राजस्थानी बलुआ पत्थर से बने नक्काशीदार खंभे थे। इन्हें देखकर पिएरो को अपने दादा की याद आ गई। क्योंकि पिएरो के दादा चर्च के लिए लगने वाले पत्थरों पर ऐसी ही नक्काशी किया करते थे और पिएरो उनकी मदद किया करते थे।

कोलंबिया की 104 साल की कार्मन ने दूसरी बार कोरोना को हराया

तुंजा, (एजेंसी)। कोरोना काल में कई दुखद खबरों के बीच एक अच्छी खबर यह है कि कोलंबिया की 104 साल की महिला कार्मन हर्नांडेज ने दूसरी बार कोरोना को हरा दिया है। वे पिछले कुछ दिनों से कोलंबिया के तुंजा में सैन राफेल हॉस्पिटल में भर्ती थीं। जब वे कोरोना को हराकर अस्पताल से डिस्चार्ज हुईं तो मेडिकल स्टाफ ने खड़े होकर तालियों की गडगड़ाहट के साथ उन्हें घर के लिए विदा किया। इससे पहले पिछले साल जून में भी कार्मन को कोरोना संक्रमण हुआ था। इस साल मार्च में उन्हें दोबारा कोरोना हो गया। उनकी इच्छाशक्ति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इतनी अधिक उम्र होने के बाद भी वह दोबारा कोरोना वायरस को मात देकर पूरी तरह स्वस्थ्य हो गई हैं। दूसरी बात कोरोना संक्रमित होने पर कार्मन को 21 दिन अस्पताल में रहना पड़ा था। उनकी उम्र और कमजोरी को देखकर यह लग रहा था कि उनके ठीक होने की उम्मीद कम है। लेकिन उनके ठीक होने पर जहां वे खुश हैं, वही लोग हैरान हैं।

ब्राजील को पीछे छोड़कर भारत फिर बना दुनिया का दूसरा सबसे संक्रमित देश, तुर्की में भी केस बढ़े

नई दिल्ली, (संवाददाता)। दुनिया में कोरोना संक्रमण का खतरा लगातार बढ़ता ही जा रहा है। पिछले 24 घंटे में दुनिया में 6.31 लाख नए केस सामने आए। इस दौरान 7,991 लोगों की मौत भी हुई। मौजूदा समय में भारत में कोरोना की लहर सबसे तेज है। यहां रोजाना 1.5 लाख से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं।

भारत एक बार फिर ब्राजील को पीछे छोड़कर दुनिया का दूसरा सबसे संक्रमित देश बन गया है। भारत में 1.35 करोड़ लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। वहीं, ब्राजील में यह आंकड़ा 1.34 करोड़ है। अमेरिका 3.19 करोड़ संक्रमितों के साथ टॉप पर है। उधर, तुर्की में भी कोरोना अपना कहर बरपा रहा है। यहां पिछले 5 दिनों से 50 हजार से ज्यादा संक्रमित मिले हैं। रविवार को यहां 50,678 लोगों में कोरोना की पुष्टि हुई और 237 लोगों की मौत हुई। यहां अब तक 38.49 लाख लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं और 33,939 लोगों की मौत भी हुई है।

भारत में अब भी रोजाना दुनिया में सबसे ज्यादा संक्रमित मिल रहे हैं। बीते दिन यहां 1.69 लाख लोगों में कोरोना की पुष्टि हुई। वहीं, तुर्की में 50,678, अमेरिका में 47,864, ब्राजील में 37,537 और फ्रांस में 34,895 लोगों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई। बीते दिन 24 घंटों में दुनिया में हुई मौतों में सबसे ज्यादा मौतें ब्राजील में हुईं। यहां रविवार को 1,824 लोगों की जानें गईं। ब्राजील के बाद सबसे ज्यादा मौतें भारत (904), रूस (337) और इटली (331) में रिकॉर्ड की गईं।

बांग्लादेश के बाद ईरान ने भी लॉकडाउन का ऐलान कर दिया है। कोरोना की चौथी लहर की चपेट में आए तेहरान में 10 अप्रैल से 10 दिन का लॉकडाउन लगा दिया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता अलीरेजा रेसी ने कहा कि देश के 31 प्रांतों में से 23 में लॉकडाउन लगाया गया है। लॉकडाउन के दौरान ईरान में सभी स्कूल-कॉलेज, बिजनेस, कंपनियां और दफ्तर बंद रहेंगे। थिएटर्स, खेल परिसरों को भी बंद रखने का फैसला किया गया है। बुधवार से शुरू हो रहे रमजान को देखते हुए भीड़ के जुटने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है।

दुनिया में अब तक 13.66 करोड़ से ज्यादा लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 29.49 लाख मरीजों की मौत हो चुकी है, जबकि 10.98 करोड़ लोग ठीक हो गए। 2.38 करोड़ मरीजों का अभी इलाज चल रहा है। इनमें 2.37 करोड़ मरीजों में संक्रमण का हल्का लक्षण है, जबकि 1.03 लाख मरीजों की हालत गंभीर बनी हुई है।

शरारती लड़के नहीं माने, तो फिर हो सकती है कूच बिहार जैसी घटना, घोष के बयान पर भड़की टीएमसी

कोलकाता, (एजेंसी)। बंगाल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष के एक बयान पर विवाद शुरू हो गया है। उन्होंने यह बयान पश्चिम बंगाल में चौथे चरण के मतदान के दौरान कूच बिहार में हुई हिंसा को लेकर दिया। दिलीप घोष ने कहा कि अगर शरारती लड़के नहीं मानते हैं और कानून को अपने हाथ में लेने में संकोच नहीं करते हैं, तो अगले चरण में फिर कूच बिहार जैसी घटनाएं हो सकती हैं।

दरअसल, 10 अप्रैल को पश्चिम बंगाल की 44 सीटों के लिए मतदान हुआ था। उस दिन कूच बिहार के सितालकुची में हिंसा भड़क गई थी। इसके बाद केंद्रीय बलों को गोली चलानी पड़ी थी। इस घटना में चार लोगों की मौत हो गई थी। इसी घटना को लेकर दिलीप घोष का बयान सामने आया है।

उत्तर 24 परगना जिले के बारानगर में एक कार्यक्रम में दिलीप घोष ने कहा ये शरारती लड़के यहां कहां से आते हैं इन शरारती लड़कों को सितालकुची में गोलियां मारी गईं। ये लड़के ज्यादा समय तक बंगाल में नहीं रहेंगे। इन शरारती लड़कों को लगता था कि चुनाव ड्यूटी में लगे केंद्रीय बलों के जवानों ने हाथ में राइफल सिर्फ दिखाने के लिए हैं। सितालकुची की घटना देखने के बाद वे दोबारा ऐसी गलती करने की हिम्मत नहीं करेंगे। उन्होंने कहा जो कोई भी कानून को अपने हाथ में लेने की कोशिश करेगा, उसके साथ ऐसा ही व्यवहार किया जाएगा। उन्होंने कहा अगर शरारती लड़के नहीं माने तो 5वें चरण में भी ऐसी घटना हो सकती है। दिलीप घोष ने कहा ममता बनर्जी डर गई हैं। इसलिए वह चुनाव आयोग की नजर में आने के लिए कानून तोड़ने की कोशिश कर रही हैं। वे दिन गए, जब लोग उनसे डरते थे। अब लोग सुबह से लाइन में खड़े हो जाते हैं और अपना वोट डालते हैं। उन्होंने लोगों की तरफ इशारा करते हुए कहा मुझे उम्मीद है कि 17 तारीख को आप सुबह से लाइन में लगकर अपना वोट डालेंगे। वहां केंद्रीय बलों के जवान होंगे। कोई आपको नहीं डरा पाएगा। हम वहां रहेंगे। अगर कोई ऐसा करता है, तो आपने देखा कि सितालुकची में क्या हुआ। हर जगह सितालकुची बन जाएगी।

इस बयान पर तृणमूल कांग्रेस ने दिलीप घोष को गिरफ्तार करने की मांग की है। टीएमसी नेता सुखेंदु शेखर राय ने कहा ये पूरी तरह से भड़काऊ भाषण है। इस तरह के भड़काऊ भाषण और उकसावे वाले भाषण के लिए अधिकारियों को कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए और दिलीप घोष को गिरफ्तार करना चाहिए। वहीं, जादवपुर सीट से सीपीएम उम्मीदवार सुजान चक्रवर्ती ने इसे गैरजिम्मेदाराना बयान बताया है। उन्होंने कहा कि इस बयान से भाजपा का फासीवादी चेहरा सामने आया है।

एक नजर

शराब के नशे में बेटे ने पिता से मांगे रुपये, इनकार किया तो चाकू से गोदकर की हत्या

नई दिल्ली । दिल्ली में मामूली सी बात पर बेटे द्वारा अपने ही पिता की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है. घटना दक्षिली दिल्ली के जोनापुर इलाके की है. जहां रविवार को एक मामूली से झगड़े के कारण एक बेटे ने अपने ही पिता की हत्या कर दी. पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है. दक्षिणी दिल्ली के डीसीपी अतुल ठाकुर के बयान के मुताबिक 11 अप्रैल को फतेहपुर बेरी थाने में सूचना मिली कि जोनापुर में एक शख्स पर चाकू से हमला हुआ है, पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो पता चला कि घायल को एम्स ट्रामा सेंटर भेज दिया गया है, पुलिस एम्स ट्रामा सेंटर पहुंची तो 61 साल के घायल मनोहर बयान देने की स्थिति में नहीं थे.

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की तो पता चला कि मनोहर की पत्नी की काफी पहले मौत हो चुकी है, उनका 29 साल का बेटा बलवान है, जो मनोहर से छोटी छोटी बातों को लेकर झगड़ा करता था. पुलिस के मुताबिक 11 अप्रैल को बलवान शराब पीकर आया और पिता मनोहर से पैसे मांगने लगा. जब मनोहर ने पैसा नहीं दिया तो उसने चाकू से वार कर मनोहर को घायल कर दिया. 12 अप्रैल को मनोहर की अस्पताल में मौत हो गयी. पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर बलवान को गिरफ्तार कर लिया है.

बस एक कॉल कीजिए, घर तक आक्सीजन सिलेंडर पहुंचाने की जिम्मेदारी उठाएगा जमीयत उलेमा-ए-हिंद, 24 घंटे सेवा उपलब्ध

पूर्वी दिल्ली । कोरोना के कोहराम के बीच जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने खिदमत ए खल्क (मानव सेवा) शुरू कर दी है। जमीयत एक फोन काल पर दिन हो चाहे रात दिल्ली के हर एक कोने तक कोरोना संक्रमितों को आक्सीजन सिलेंडर पहुंचाएगी, चाहे वह जिस धर्म और जाति के हो।

इतना ही नहीं संक्रमितों को अस्पताल लाने ले जाने के लिए जमीयत ने एंबुलेंस की भी व्यवस्था की है, एक एंबुलेंस लोक नायक अस्पताल के बाहर खड़ी रहेगी। जमीयत की यह दोनों सेवाएं निश्शुल्क रहेंगी, इसके लिए 9654709192 और 9868586545 नंबर जारी किए हैं। जमीयत ने मौलाना जियाउल्लाह कासमी को इसका संयोजक बनाया है। मौलाना जियाउल्लाह ने कहा कि कोरोना ने बड़ी संख्या में फिर से लोगों को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। एक दिन में कई कई मौतें हो रही हैं। इस मुश्किल भरे दौर में जमीयत जरूरतमंद और कोरोना संक्रमित मरीजों की मदद के लिए आगे आया है। उन्होंने कहा कि जमीयत यूथ क्लब के दस नौजवान युवाओं की एक विशेष टीम बनाई बनाई है, इन्हें एक अस्पताल से प्रशिक्षण दिलाया गया है। किस तरह से संक्रमित मरीजों की मदद की जा सकती है। 11 अप्रैल से जमीयत ने अपनी आक्सीजन सिलेंडर और एंबुलेंस की सेवा शुरू की है। उन्होंने कहा कि कोरोना होने पर संक्रमित व्यक्ति के शरीर में आक्सीजन की मात्रा तेजी से घटती है, ऐसे में उसे आक्सीजन की सख्त जरूरत होती है। अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है, बहुत से लोग अपने घरों में क्वारंटाइन हैं और आक्सीजन की परेशानी से जूझ रहे है।ऐसे लोगों तक जमीयत की टीम सिलेंडर पहुंचाएगी, जितने बार मरीज को सिलेंडर की आवश्यता पड़ेगी उतनी बार उस तक सिलेंडर पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिस वक्त राजधानी में कोरोना फैला था, तब एंबुलेंस की भारी कमी देखी गई थी। फिर से वहीं परेशानी लोगों को न झेलनी पड़े, इसलिए जमीयत ने अपनी एंबुलेंस मरीजों की सेवा में लगा दी हैं।

दिल्ली: आईटीओ कब्रिस्तान में सिर्फ 100 शवों को दफनाने की बची जगह, अंतिम संस्कार के लिए करना पड़ा रहा घंटों इंतजार

नई दिल्ली । देश और राजधानी दिल्ली में कोरोना तेजी से फैल रहा है. हर दिन कोरोना के आंकड़े पिछले रिकॉर्ड को तोड़ रहे हैं. दिल्ली सरकार के मुताबिक, दिल्ली में पिछले 24 घंटों में 10732 नए मामले आए हैं, हालात ये हैं कि मरीजों को अस्पतालों में जगह नहीं मिल रही है, तो दूसरी तरफ श्मशान घाट और कब्रिस्तान में भी अंतिम संस्कार के लिए घंटों इंतजार करना पड़ रहा है. दिल्ली के आईटीओ स्थित कब्रिस्तान की तस्वीरें और आंकड़ा डराने वाला है. डरावनी तस्वीरें देखने को मिल रहीं. मुर्दों को सुपुर्द-ए-खाक करने कि जगह बनाने के लिए JCB मशीन की मदद लेनी पड़ रही है. कब्रिस्तान के केयरटेकर शमीम का कहना है कि अप्रैल से पहले के 55 दिनों में सिर्फ 5 कोरोना संक्रमितों की डेड बॉडी आई थी. लेकिन पिछले 3 दिन में ही 5 गुना यानि 25 डेड बॉडी आ चुकी है. एक अप्रैल से 11 अप्रैल तक 39 शवों को दफनाया जा चुका है, शमीम को कब्रिस्तान में शवों की बढ़ती तादाद और कम होती जगह की फिक्र सताने लगी है.

शमीम के मुताबिक अब सिर्फ 100 शवों को दफनाने की जगह बची है, जोकि अगर मौत का यही आंकड़ा रहा तो 10 से 12 दिनों में भर जाएगी. इसको लेकर कब्रिस्तान से जुड़ी कमेटी को जानकारी दे दी गई है. कब्रिस्तान में शवों को दफनाने का काम करने वाले वसीम की शिकायत है कि उन्हें इस काम के वक्त इस्तेमाल के लिए पीपीई नहीं दी जाती. इससे उनकी जिंदगी को भी खतरा रहता है.

निगमबोध घाट के श्मशान पर शवों के आने का सिलसिला जारी

कब्रिस्तान हो या श्मशान घाट हर जगह कोरोना के शिकार मृतकों की संख्या लगातार बढ़ती ही जा रही है. नॉर्थ एमसीडी के अंतर्गत आने वाला और दिल्ली के सबसे बड़े श्मशान निगमबोध घाट के हालात भी ऐसे ही हैं. श्मशान घाट के मैनेजर विशाल का कहना है कि एक अप्रैल तक तो स्थिति सामान्य थी, लेकिन 2 अप्रैल से मामले कई गुना बढ़ गए हैं. 2 से 9 अप्रैल के बीच कुल 40 कोरोना संक्रमितों के शव दाह संस्कार के लिए आए, तो पिछले दो दिन में ये आंकड़ा बढ़कर 70 को पार कर गया है. अकेले रविवार (आज) 23 कोरोना संक्रमितों के शवों का अंतिम संस्कार किया जा चुका है और अभी भी शवों के आने का सिलसिला जारी है.

दिल्ली में कोरोना के कैरीयर बन रहे हैं बच्चे, डॉक्टरों का दावा- यह म्यूटेटेड वायरस है, जो तेजी से फैलता है

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ल में फैल रहे कोरोना संक्रमण की चपेट में अब कम उम्र के लोग व बच्चे ज्यादा आ रहे हैं। इसके साथ ही बच्चे कोरोना के कैरीयर (संक्रमण के वाहक) बन रहे हैं। यह कहना है वसंत कुंज स्थित फोर्टिस अस्पताल में पीडियाट्रिक विभाग के प्रमुख डॉ. राहुल नागपाल का। डॉ. राहुल नागपाल ने बताया कि फोर्टिस अस्पताल में 26 मार्च से लेकर अभी तक (15 दिन में) कोरोना संक्रमित करीब 70 बच्चे आ चुके हैं। इनमें से तीन को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा था, जिन्हें अब छुट्टी दी जा चुकी है। बाकी बच्चों को होम आइसोलेशन में भेज दिया गया। फिलहाल, करीब 65 बच्चों का इलाज अस्पताल के डॉक्टरों की देखरेख में होम आइसोलेशन में चल रहा है। डॉक्टर रोज बच्चों को टेली कंसल्टेशन देते हैं। इन बच्चों में अधिकांश की उम्र पांच से नौ वर्ष के बीच है। वहीं, एक बच्चा डेढ़ माह का है। फिलहाल, अस्पताल में एक बच्चा भर्ती है।

डॉ. राहुल नागपाल ने बताया कि इस समय कोरोना संक्रमण की चपेट में आ रहे बच्चों में सामान्यतया चार से पांच दिन बुखार रहता है, साथ ही बहुत ज्यादा खांसी होती है। करीब एक सप्ताह बाद इनकी हालत में सुधार होने लगता है, इसलिए अधिकतर बच्चों को होम आइसोलेशन में ही भेजा जा रहा है। वहीं, गंभीर समस्या होने पर बच्चों को भर्ती भी किया जा रहा है। होम आइसोलेशन में माता-पिता बच्चों की देखभाल करते हैं, जिससे उनके माता-पिता व परिवार के अन्य सदस्य संक्रमित होते हैं। इस तरह बच्चे बड़ों को कोरोना फैलाने के कैरीयर बन रहे हैं, इसलिए बच्चों को वायरस से बचने के लिए विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। वहीं, लोकनायक अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ. सुरेश कुमार के मुताबिक उनके यहां भी 10 साल से कम उम्र के करीब 12 बच्चे भर्ती हो चुके हैं। डॉ. सुरेश कुमार का भी कहना है कि कोरोना की इस लहर में सबसे ज्यादा बच्चे या 30 साल से कम उम्र के लोग संक्रमित हो रहे हैं, जबकि पिछली लहर में 45 साल से ज्यादा उम्र के लोग संक्रमित हो रहे थे। इसलिए इन्हें ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत है। डॉक्टर का कहना है कि यह म्यूटेटेड वायरस है, जो तेजी से फैलता है।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन की लोगों से अपील, कहा- जब जरूरी हो तभी घर से बाहर निकलें

नई दिल्ली (आनंद राय) ।

देश की राजधानी दिल्ली में रविवार को कोरोना संक्रमण के रिकॉर्ड 10774 नए संक्रमित मिलने से कोहराम मच गया है. इसके बाद आज न सिर्फ दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने मीटिंग बुलाई है बल्कि इस बीच दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने भी बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि दिल्ली में नए लेवल पर कोरोना के मामले पहुंच गए हैं, सभी से अपील है कि जब जरूरी हो तभी घर से बाहर निकलें.

इसके साथ दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि हम बेड लगातार बढ़ा रहे हैं. पिछले एक हफ्ते में हमने 5000 बेड बढ़ाएं हैं, आज भी 50 फीसदी बेड उपलब्ध हैं. इसे हम और बढ़ा रहे हैं. वेंटिलेटर बेड पर मरीज हो सकते हैं लेकिन उनमें से

कुछ ही मरीज वेंटिलेटर पर हैं.

इससे पहले रविवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि दिल्ली में कोरोना की खतरनाक लहर चल रही है.घर से बाहर तभी निकले जब बहुत जरूरी हो. साथ ही कहा,'मैं दिल्ली में लॉकडाउन के पक्ष में नहीं हूं. किसी भी सरकार को लॉकडाउन तब लगाना चाहिए जब अस्पतालों की व्यवस्था कोलैप्स कर जाए. आपका सहयोग चाहिए. अगर दिल्ली में अस्पताल कम पड़ गए तो हो सकता है कि दिल्ली में लॉकडाउन न लगाना पड़ जाए. अगर आप बिना लक्षण वाले हैं और अस्पताल चले गए तो आपने एक बेड को घेर लिया. इसलिए होम आइसोलेशन का प्रोग्राम का फायदा उठाइये और अस्पताल के बेड्स सीरियस मरीजों के लिए रखिये.

दिल्ली में हैं ये पाबंदियां

दिल्ली में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर अरविंद केजरीवाल सरकार ने कई पाबंदियां लगा रखी हैं. नई गाइडलाइंस के मुताबिक, दिल्ली सरकार ने सभी तरह के सामाजिक, राजनीतिक, मनोरंजन, खेल, सांस्कृतिक और धार्मिक सभाओं पर रोक लगा दी है. इसके साथ ही मेट्रो, डीटीसी एवं क्लस्टर बसें 50 प्रतिशत क्षमता के साथ संचालित करने की अनुमति प्रदान की गई है. यही नहीं, अब शादी समारोह में सिर्फ 50 मेहमान ही शामिल हो सकेंगे. वहीं, दिल्ली में अंतिम संस्कार में 20 से अधिक लोग शामिल नहीं हो सकेंगे.जबकि 6 अप्रैल से दिल्ली में नाइट कर्फ्यू भी लगा हुआ है.

'बांग्लादेश से कथित तौर पर 'किडनैप' किए गए तीन लौटना चाहते हैं वतन', दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र और दिल्ली सरकार व पुलिस से उन तीन बांग्लादेशी युवकों के पिछले जीवन का पता लगाने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में पूछा है जिन्हें उनके देश से कथित तौर पर अगवा कर मार्च में यहां लाया गया.

जस्टिस प्रतिभा एम सिंह ने गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय, बांग्लादेश उच्चायोग, दिल्ली सरकार, सीमा सुरक्षा बल और पुलिस को तीनों युवकों की याचिका पर नोटिस जारी कर उनका जवाब मांगा है जो अपने देश लौटना चाहते हैं.

अदालत ने निर्देश दिया कि विदेशी नागरिक क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय को इस मामले में पक्षकार बनाया जाया और साथ ही उसे भी नोटिस जारी किया. तीनों युवकों की ओर से दायर याचिका के मुताबिक चार मार्च, 2021 को वे एक व्यक्ति के साथ भारत-बांग्लादेश सीमा देखने गए थे जिसने सीमा के पास पहुंचने के बाद उन्हें कुछ खाने को दिया था. अधिवक्ता कमलेश कुमार मिश्रा, ऋतु मैती और अभिषेक आनंद के माध्यम से दायर याचिका के मुताबिक खाना खाने के बाद, तीनों बेहोश हो गए और जब 10 मार्च को उनकी आंख नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर खुली.

याचिका के मुताबिक, इसके बाद वे तीनों पास के कमला मार्केट पुलिस थाना गए और अपनी कहानी सुनाई और पुलिसककर्मियों ने उन्हें खाने के लिए कुछ पैसे दिए. साथ ही कहा कि बाद में उन्हें बेघरों के रात्रि शिविर में भेज दिया गया. इसमें यह भी बताया गया कि सामाजिक कार्यकर्ता सुनील कुमार अलेडिया की मदद से उन्होंने बांग्लादेश उच्चायोग और भारत तथा बांग्लादेश की सरकारी एजेंसियों के समक्ष प्रतिवेदन दिया लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला.

सिविल डिफेंसकर्मी को ट्रक रोकना पड़ा भारी, 1500 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया ड्राइवर

नई दिल्ली । दिल्ली के बाबा हरिदास नगर इलाके में सिविल डिफेंसकर्मी को तेज रफ्तार ट्रक को रोकने का इशारा करना जानलेवा साबित हुआ. चालक ने पीड़ित पर ट्रक चढ़ा दिया. घटना के दौरान सिविल डिफेंसकर्मी ट्रक के अगले हिस्से में फंस गया और चालक उसे करीब पंद्रह सौ मीटर तक घसीटता ले गया. घटना के बाद पीसीआर वैन ने ट्रक का पीछा किया और ढिचाऊं गांव के पास चालक को दबोच लिया घायल सिविल डिफेंस कर्मी को पास के अस्पताल में पहुंचाया गया. जहां उसे मृत घोषित कर दिया है. पुलिस ने मामला दर्ज कर ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है.

दिल्ली के द्वारका डिस्ट्रिक्ट के डीसीपी संतोष कुमार मीणा ने बताया कि मृतक की शिनाख्त पुनीत गुप्ता (29) के रूप में हुई है. वह पूर्वी दिल्ली के गणेश नगर इलाके में रहता था और सिविल डिफेंस में कार्यरत था. फिलहाल उसकी तैनाती ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के कर्मचारियों के साथ थी. ट्रांसपोर्ट विभाग में तैनात एसआई रविंद्र शर्मा ने पुलिस को बताया कि वह अपने सहयोगी एएसआई अशोक कुमार, हवलदार प्रवीण, सिपाही अनिल राणा, महेंद्र और सिविल डिफेंसकर्मी पुनीत के साथ शनिवार रात आठ बजे से रविवार सुबह चार बजे तक नजफगढ-नांगलोई रोड पर तैनात था.

देर रात करीब साढ़े 12 बजे एक तेज रफ्तार ट्रक को पुनीत ने जांच के लिए रूकने का इशारा किया. मगर चालक ने रफ्तार बढ़ा दी और पुनीत को टक्कर मार दी. टक्कर लगने से पुनीत ट्रक के अगले हिस्से में फंस गया. वहां मौजूद लोगों ने चालक को ट्रक रोकने के लिए कहा लेकिन चालक तेज रफ्तार से ट्रक को भगाकर ले गया..वहां मौजूद पीसीआर की एक वैन ने ट्रक का पीछा किया. करीब 15 सौ मीटर दूर जाकर पुनीत ट्रक से गिर गया. सहयोगी उसे पास के अस्पताल ले गए.

वहीं पीसीआर वैन और ट्रांसपोर्ट विभाग के कर्मचारियों ने ट्रक का पीछा कर ढिचाऊं गांव के पास चालक को दबोच लिया. पुनीत को अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया है. ट्रक चालक की पहचान नजफगढ़ निवासी देवेंद्र सिंह(55) के रूप में हुई है. पुलिस उसके खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने से हुई मौत का मामला दर्ज कर जांच कर रही है.

नई दिल्ली में एलएनजेपी अस्पताल के सामने शहनाई बैंक्वेट हॉल में कोविड -19 रोगियों के लिए अस्थायी रूप से परिवर्तित आइसोलेशन वार्ड के अंदर बेड तैयार करते हुए।

दिल्ली में 17 लाख से ज्यादा लोगों को टीके की पहली, 3.5 लाख लोगों को मिली दूसरी खुराक

नई दिल्ली । दिल्ली में 17 लाख से ज्यादा लोगों को अब तक कोविड-19 रोधी टीके की पहली खुराक दी जा चुकी है. वहीं साढ़े तीन लाख से ज्यादा लोगों को दूसरी खुराक भी मिल चुकी है. स्वास्थ्य विभाग की ओर से रविवार को साझा किए गए आंकड़ों से यह जानकारी मिली. स्वास्थ्य विभाग के हालिया बुलेटिन में बताया गया कि अब तक 20,70,868 लोगों की टीके की खुराक दी जा चुकी है. इनमें से 17,12,109 लोगों की टीके की पहली खुराक जबकि 3,58,759 लोगों को दूसरी खुराक भी दी जा चुकी है. रविवार को शाम छह बजे तक 64,943 लाभार्थियों को कोविड-19 रोधी टीके लगाए गए हैं.

आंकड़ों के अनुसार टीके की पहली खुराक 59,518 लोगों को जबकि 5,425 लोगों को टीके की दूसरी खुराक दी गई है. यहां रविवार को 45-59 आयु वर्ग के 42,841 लोगों की टीके की खुराक दी गई. आंकड़ों में बताया गया कि इस दौरान आंशिक प्रतिकूल प्रभाव के भी पांच मामले सामने आए. राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में रविवार को कोविड-19 के रिकॉर्ड 10,774 नए मामले सामने आए हैं.

देश की राजधानी दिल्ली में ऐसा लग रहा है जैसे कोरोना के नए मामलों का नया रिकॉर्ड बन रहा है. पिछले 24 घंटे में राजधानी में कोरोना वायरस संक्रमण के 10774 नए मरीज सामने आए हैं जा कि इस महामारी की शुरुआत के बाद से सामने आए सबसे ज्यादा मामले हैं. वहीं इस दौरान 48 मरीजों की मौत भी हो गई जो कि 14 दिसंबर के बाद सबसे ज्यादा है. 14 दिसंबर को 1 दिन में 60 मरीजों की मौत हुई थी.

दिल्ली में कोरोना ने नया रिकॉर्ड बना लिया है. रविवार को समाप्त 24 घंटों में 10,774 नए मामले सामने आए जो कि अब तक के सबसे ज़्यादा केस हैं. दिल्ली का पिछला सबसे बड़ा रिकॉर्ड 11 नवंबर का था जब एक दिन में 8593 नए संक्रमण के मामले रिपोर्ट हुए थे. इन 24 घंटों में 48 मरीजों की मौत हुई जो कि 14 दिसंबर के बाद सबसे ज्यादा है. 14 दिसंबर को एक दिन में 60 मरीजों की मौत हुई थी. रविवार को समाप्त 24 घंटों में 1,14,000 से ज्यादा टेस्ट हुए जो कि अब तक के सबसे ज़्यादा हैं. एक्टिव मामलों की संख्या 29 नवंबर के बाद अब सबसे ज़्यादा है. रिकवरी रेट 93.70फीसदी है और एक्टिव मरीज़ 4.73फीसदी हैं. डेथ रेट 1.56त्न है और पॉजिटिविटी रेट 9.43फीसदी है.

रविवार को समाप्त 24 घंटों में नए मामले 10,774 आए और इसके साथ अब तक के कुल मामले 7,25,197 हो गए. इन 24 घंटों में 5158 मरीज ठीक हुए. अब तक कुल 6,79,573 मरीज ठीक हो चुके हैं. इन 24 घंटों में 48 मरीजों की मौत हो गई. अब तक कुल 11,283 मौतें हुई हैं. एक्टिव मामले 34,341 हैं. इन 24 घंटों में 1,14,288 टेस्ट हुए. अब तक कुल 1,55,58,243 टेस्ट हुए हैं.

सरकार आमंत्रित करती है तो किसान वार्ता के लिए तैयार, मांग में कोई बदलाव नहीं- राकेश टिकैत

गाजियाबाद । बीकेयू के नेता राकेश टिकैत ने रविवार को कहा कि यदि सरकार आमंत्रित करती है तो नये कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसान वार्ता के लिए तैयार हैं. बातचीत वहीं से शुरू होगी जहां 22 जनवरी को खत्म हुई थी और मांगों में कोई बदलाव नहीं है. उन्होंने कहा कि वार्ता बहाली के लिए सरकार को प्रदर्शनकारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले संयुक्त किसान मोर्चा को वार्ता का निमंत्रण देना चाहिए. बीकेयू मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र मलिक की ओर से जारी बयान में टिकैत ने कहा, '' सरकार के साथ वार्ता वहीं से बहाल होगी जहां 22 जनवरी को खत्म हुई थी. मांग भी वही हैं कि तीनों काले कानूनों को निरस्त किया जाए, न्यूनतम समर्थन मूल्य सुनिश्चित करने के लिए नया कानून बनाया जाए. '' टिकैत का बयान कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप के बीच हरियाणा के गृहमंत्री अनिल विज द्वारा केंद्रीय कृषि मंत्री से वार्ता बहाली के लिये की गयी अपील के बाद आया है.

वहीं, पिछले हफ्ते खबर सामने आई थी कि केंद्र सरकार के कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग को लेकर दिल्ली के तीन तरफ बॉर्डर पर बैठे किसान अब एक बार फिर दिल्ली कूच करने की तैयारी में हैं. किसान महासभा के रामपाल जाट ने गत गुरुवार को नई दिल्ली डीसीपी ऑफिस में दिल्ली के जंतर मंतर पर कृषि कानूनों की वापसी की मांग को लेकर प्रस्तावित अनिश्चितकालीन धरने की इजाजत लेने के लिए आवेदन किया है. रामपाल जाट ने कहा था कि हमारा उद्देश्य किसी से बैर लेना नहीं, बल्कि किसानों की भलाई के लिए इन कानूनों में बड़े संशोधन या इनकी वापसी की मांग के लिए सकारात्मक लड़ाई लड़ना है. हमें इजाजत मिल जाएगी

रामपाल जाट ने कहा था कि इसके लिए हमने 13 अप्रैल से दिल्ली के जंतर मंतर पर धरने क्रमिक अनशन उपवास को लेकर नई दिल्ली डीसीपी ऑफिस में अनुमति के लिए आवेदन किया है. इस संबंध में दिल्ली पुलिस की ओर से चाही गई सभी औपचारिकताएं पूरी कर दी गई है.

कोरोना से बचाव के लिए टीका लगाने के साथ-साथ मास्क का इस्तेमाल सबसे ज्यादा असरदार

नई दिल्ली । कोरोना का संक्रमण शुरू होने पर पिछले साल दुनिया भर के ज्यादातर देशों में बचाव के लिए लॉकडाउन जैसे सख्त कदम उठाए गए। उससे यह सीख मिली कि इस तरह के सख्त कदम से भी कोरोना के संक्रमण को कुछ समय के लिए ही टाला जा सकता है। लॉकडाउन से देश को इलाज और जांच सुविधाएं बढ़ाने में जरूरी समय मिल गया। हालांकि पूर्ण लॉकडाउन या कुछ दिनों के लिए अस्थायी तौर पर लॉकडाउन लगाकर संक्रमण से पूरी तरह बचाव संभव नहीं है।

दुनिया भर में लॉकडाउन की स्थिति का मूल्यांकन करने के बाद पता चलेगा कि जहां लॉकडाउन लगा और जहां लॉकडाउन नहीं लगा वहां कुछ समय के बाद कमोबेश स्थिति एक जैसी ही रही। इसलिए नाइट कफ्यरू संक्रमण से बचाव में कारगर होगा इसका कोई वैज्ञानिक साक्ष्य मौजूद नहीं है। स्वीडन में कभी लॉकडाउन नहीं हुआ। इसके लिए शुरुआत में स्वीडन की आलोचना भी बहुत हुई। क्योंकि शुरुआत में वहां मृत्यु दर अधिक थी। एक साल बाद यूरोप में जर्मनी को छोड़कर बाकी देशों में की तुलना में स्वीडन में संक्रमण दर सबसे कम रही। शुरुआत में वहां मास्क पहनना भी अनिवार्य नहीं किया गया था। इसका खामियाजा उन्हें उठाना पड़ा।

कोरोना का संक्रमण एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है। शादी समारोह सहित कई तरह के बड़े आयोजन भी रात्रि के समय होते हैं। नाइट कफ्यरू लगाने से रात के वक्त आयोजित होने वाले समारोहों पर रोक लगेगी। इसलिए लोगों का मिलना जुलना कम हो जाएगा। इससे संक्रमण की रफ्तार कम हो सकती है। लेकिन कोरोना इतना ज्यादा संक्रामक है कि कुछ समय बाद थोड़ी ढ़िलाई होने पर दोबारा फैलना लगता है। इसलिए सप्ताहांत के दिनों में भी कफ्यरू लगाने का खास फायदा नहीं है। अवकाश के दिन कफ्यरू से एक दिन तो संक्रमण के खतरे से हम बच सकते हैं लेकिन दूसरे दिन यह खतरा बरकरार रहेगा। पूर्ण लॉकडाउन के बाद भी संक्रमण को खत्म नहीं कर पाए तो नाइट कफ्यरू या एक दिन के कफ्यरू से फायदा नहीं होने वाला।कोरोना से सुरक्षित रहने का सबसे बेहतर उपाय बचाव के नियमों का पालन है। यदि हर जगह सभी लोग मास्क पहने, घर से बाहर तभी निकलें जब आवश्यक हो तो यह ज्यादा असरदार होगा। यह बात वैज्ञानिक शोधों में भी साबित हो चुकी है और यह देखा गया है कि जब सभी लोग मास्क का इस्तेमाल करने लगते हैं तो संक्रमण तेजी से कम होता है। उम्मीद है कि इस नियम का पालन करने से संक्रमण बहुत तेजी से कम भी होगा। इसमें कोई शक नहीं कि कोरोना के मामले बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं। इसलिए अनावश्यक रूप से बाहर सड़क व बाजारों में भीड़ लगाने से बचना होगा।

सामने आ रहा है किसान आंदोलन के फेल होने का सबसे बड़ा कारण, निकला विदेशी कनेक्शन

नई दिल्ली/सोनीपत/गाजियाबाद । फंडिंग की धार कुंद पड़ने से कृषि कानून विरोधी आंदोलन की नाव बीच मंझधार में फंस गई है। ऐसे में नेतृत्वकर्ताओं के हाथों से आंदोलन की नैया की पतवार भी अब छूटने लगी है। यही कारण है कि साढ़े चार माह से अधिक समय से सिंघु बॉर्डर पर चल रहे आंदोलन स्थल का नजारा अब बदल गया है। अब लंगरों के पिज्जा-बर्गर, खीर व जलेबी जैसे लजीज व्यंजनों की खुशबू यहां की फिजां में नहीं घुल रही है और न ही लंगरों में अब वैसी आग ही धधकती नजर आती है, जिसकी तपिश से तैयार पकवान आंदोलनकारियों को संघर्ष के लिए ऊर्जा देते थे।

ट्रैक्टर-ट्रालियों में ऊंघते बुजुर्ग-अधेड़, खाली पड़े हैं टेंट- सभा स्थल पर नेताओं के भाषण सुनने वाले चंद किसान प्रदर्शनकारी ही मौजूद रहते हैं। जो होते भी हैं वे ऊंघते नजर आते हैं। पंजाबी एक्टर दीप सिद्धू का नाम लाल किला हिंसा में सामने आने और फिर गिरफ्तारी के बाद युवाओं ने दूरी बना ली है। जो यहां पर बैठे हैं, वो बुजुर्ग हैं। माना जा रहा है कि सिंघु बॉर्डर पर घटनी बुजुर्गों की संख्या से यह बात साफ-साफ कही जा सकती है कि नेतृत्वकर्ता अब कृषि कानूनों को लेकर लोगों को ज्यादा दिनों तक गुमराह नहीं कर सकते हैं, जबकि पिछले साल दिसंबर से लेकर इस साल जनवरी के अंतिम सप्ताह तक सिंघु बॉर्डर पर पंजाब व हरियाणा आदि राज्यों से उमड़ते हुजुम व युवाओं में जोश-जज्बे से यही लग रहा था कि आंदोलन निर्णायक मुकाम को हासिल करेगा। फिलहाल, अब ऐसा कुछ नहीं है।

बेमियादी आंदोलन के लंबा खिंचने से आई निराशा

आलम यह है कि फंडिंग के अभाव में अब न तो प्रदर्शनकारियों को मसाज करने वाले लोग नजर आते हैं और न ही उनके जूते पालिश करने वाले ही दिखते हैं। कभी लंगरों में बारी के इंतजार में कतारबद्ध लोग दिखते थे तो अब टेबल पर रखीं थालियां उनका इंतजार करती रहती हैं। दरअसल, बेमियादी आंदोलन के लंबा खिंच जाने के कारण देश-विदेश के लोगों ने आंदोलन के लिए फंडिंग बंद कर दी है। पहले दूसरे देशों से आने वाले कई आप्रवासी लोग मंच से खुले आम आर्थिक सहायता का ऐलान करते थे। कई संगठन भी फंड मुहैया कराकर आंदोलन की आग को हवा दे रहे थे, लेकिन अब उनका स्वार्थ सिद्ध होता नहीं दिख रहा है तो ऐसे संगठनों ने भी अपने पैर पीछे खींच लिए हैं। यही कारण है कि नेतृत्वकर्ता अब मंच से लोगों से आर्थिक मदद की गुहार लगाते नजर आते हैं।

कारोबार में घाटा होने पर मासूम बच्ची को किया अगवा, मांगी 6 लाख की फिरौती, फाइनेंसर समेत 3 गिरफ्तार

नई दिल्ली । दिल्ली में फाइनेंस के कारोबार में घाटा होने पर एक फाइनेंसर ने अपने साथियों के साथ मिलकर 11 साल की बच्ची को अगवा कर लिया. आरोपियों ने बच्ची के पिता से छह लाख की फिरौती की मांग की, लेकिन पुलिस के बढ़ते दबाव को देखते हुए आरोपियों ने बच्ची को उसके घर के पास छोड़ दिया. आरोपियों की पहचान होने के बाद बवाना पुलिस ने उन पर निगरानी रखी और तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. दिल्ली के आउटर-नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट के डीसीपी राजीव रंजन ने बताया कि आरोपियों की पहचान मंगेशपुर गांव निवासी सुमित, गोपाल और किराड़ी निवासी संदीप कुमार के रूप में हुई है. शनिवार को बवाना पुलिस को गांव मुंगेशपुर से 11 साल की बच्ची के अगवा किए जाने की सूचना मिली. बच्ची के पिता सरकारी कर्मचारी हैं. बच्ची के पिता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की.

पुलिस ने जांच करते हुए घटनास्थल के आसपास के 70 से 100 सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की जांच की. करीब डेढ़ सौ लोगों से पूछताछ की. सीसीटीवी फुटेज में पुलिस को एक संदिग्ध कार दिखी. कार मालिक की जांच की गई. जिसने बताया कि उसने भतीजे को कार बेच दी है. उससे पूछताछ में पता चला कि उसका साला सुमित अपनी प्रेमिका से मिलने के लिए कार ले गया है. इस बीच पुलिस को पता चला कि किडनैपर्स ने छह लाख की रकम की मांग की है. सुमित की पहचान होने पर पुलिस ने उसके परिवार पर दवाब बनाया. पुलिस ने सुमित के घर के आस पास की सीसीटीवी फुटेज की जांच की. जिसमें पता चला कि उसने कार का नंबर प्लेट बदलकर वारदात को अंजाम दिया है. दबाव बढ़ने पर आरोपी ने रविवार सुबह बच्ची को उसके घर के पास छोड़कर चला गया. बच्ची से पूछताछ में पता चला कि दोपहर करीब दो बजे सुमित और उसके दोस्तों ने उसका अपहरण किया था. पुलिस को शाम साढ़े सात बजे आरोपियों के चार प्याऊ के पास मौजूद होने की जानकारी मिली.

संपादकीय

आयोग की साख पर गलत सवाल

मौजूदा विधानसभा चुनावों में इक्का-दुक्का ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनको लेकर चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। आलोचकों के तर्क कितने वाजिब हैं, उन पर बात करने से पहले उन दो प्रसंगों का जिक्र, जब मैं मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में अपनी सेवा दे रहा था। पहली घटना 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव की है। मेरी नियुक्ति ही हुई थी। मुझे बहुत ज्यादा इल्म नहीं था, फिर भी हमने खूब कड़ाई बरती। मतदान स्थलों पर पर्याप्त सुरक्षा बल लगाए गए। नतीजतन, नक्सल इलाकों तक में कोई हिंसा नहीं हुई। एक मतदान-केंद्र पर एक उम्मीदवार ने हंगामा मचाने की कोशिश की भी, तो उसको तत्काल हिरासत में ले लिया गया। बावजूद इसके, उस चुनाव में हमने अपने 17 कर्मियों को खो दिया। वे किसी गोलीबारी के शिकार नहीं हुए थे, बल्कि निष्पक्ष चुनाव कराने का तनाव उनकी जान ले बैठा था। दूसरा प्रसंग अगस्त, 2017 का है। गुजरात की तीन सीटों के लिए राज्यसभा चुनाव हो रहे थे। कांग्रेस की तरफ से अहमद पटेल मैदान में थे। तब विधानसभा में कांग्रेस के 57 विधायक हुआ करते थे, लेकिन उनमें से 12 विधायक टूटकर सत्ताधारी दल में चले गए थे। चूंकि एक सीट जीतने के लिए 44 वोटों की जरूरत थी, लिहाजा बाकी बचे 45 विधायकों को लेकर अहमद पटेल बेंगलुरु चले गए, और मतदान के एक दिन पूर्व उन सबको लेकर लौटे। फिर भी, वोट डालते-डालते दो और विधायकों ने कांग्रेस का साथ छोड़ दिया। इस तरह, कांग्रेस के पास 43 विधायक ही बच गए थे। मगर जब मतदान हो रहे थे, तब बाद में टूटे कांग्रेसी विधायकों ने अपना मतपत्र नियमत~ अपने दल के अधिकृत प्रतिनिधि को दिखाने के साथ-साथ अनधिकृत व्यक्तियों को भी दिखा दिया, जिससे उसकी गोपनीयता भंग हो गई। अहमद पटेल ने बहुत सही शब्दों में शिकायत की। उनका कहना था, मुझे चुनाव आयोग पर पूरा भरोसा है। कृपया, मतदान का वीडियो देखिए, और अगर आपको लगता है कि मतपत्र की गोपनीयता भंग नहीं हुई है, तो आप बेझिझक मेरी शिकायत खारिज कर दीजिए। इसके बाद मतगणना रोक दी गई। भाजपा की तरफ से अरुण जेटली के नेतृत्व में आठ कैबिनेट मंत्री, जबकि पी चिदंबरम के नेतृत्व में आठ वरिष्ठ कांग्रेस नेता हमारे पास आए। आयोग ने दोनों पक्षों को अपना-अपना तर्क रखने के लिए एक-एक घंटा का वक्त दिया। दोनों पक्षों को दोबारा समय भी दिया गया। मगर तीसरी बार उनकी मांग खारिज कर दी गई, क्योंकि मतगणना रुकने की वजह से हंगामे के आसार बन रहे थे। चुनाव आयोग ने दो-दो बार धैर्यपूर्वक उनकी बातों को सुना और फिर मतदान की वीडियो रिकॉर्डिंग मंगवाई। रिकॉर्डिंग अहमद पटेल के दावों की पुष्टि कर रही थी। लिहाजा फैसला कांग्रेस के हक में गया। मगर इस दरम्यान मीडिया में यही बहस चल रही थी कि मौजूदा दोनों चुनाव आयुक्त भाजपा सरकार के कार्यकाल में नियुक्त किए गए हैं, इसलिए भाजपा उम्मीदवार ही चुनाव जीतेगा। इन प्रसंगों की रोशनी में जब हम मौजूदा मामलों को देखते हैं, तो हमें यह एहसास होता है कि चुनाव आयोग अथवा मतदानकर्मी किस जवाबदेही से अपने दायित्व का निर्वहन करते हैं। यह सही है कि असम में पीठासीन अधिकारी ने भाजपा नेता की गाड़ी में लिफ्ट लेने के पीछे जो तर्क दिए हैं, उसमें संदेह की गुंजाइश है, लेकिन इसे महज एक घटना मानकर आगे बढ़ना चाहिए। यह उनका बचाव नहीं है, बल्कि इस तरह की छोटी-मोटी गड़बड़ियां इसलिए सामने आती हैं, क्योंकि हर इंसान में तनाव झेलने की अलग-अलग क्षमता होती है। पीठासीन अधिकारी प्राय~ या तो शिक्षक होते हैं अथवा क्लास-सी अफसर, जबकि चुनाव के दबाव में बड़े से बड़ा आदमी भी टूट जाता है। इसी तरह, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के नेता के घर से जो ईवीएम या वीवीपैट की बरामदगी हुई है, वे बतौर रिजर्व रखे गए थे। 2018 के मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में भी सागर के एक पुलिस थाने में 48 ईवीएम मिले थे। ये मामले दरअसल इसी का परिणाम हैं कि चुनाव ड्यूटी में लगे हरेक व्यक्ति का चरित्र अलग-अलग होता है। सभी समान शिद्दत से अपना दायित्व नहीं निभाते, जबकि चुनाव आयोग सभी को एक सांचे में ढालकर निष्पक्ष चुनाव कराने की कोशिश करता है। यही वजह है कि ताजा घटनाओं के सामने आने के बाद आयोग ने तुरंत कार्रवाई की। हालांकि, वह और सख्त रुख अपना सकता था, क्योंकि मतदानकर्मियों में यह संदेश जरूर जाना चाहिए कि प्रोटोकॉल का उल्लंघन दंडनीय अपराध है। फिर भी, इसमें चुनाव आयोग की नीयत पर शक की गुंजाइश नहीं है।

इन्हीं कारणों से भारतीय चुनाव आयोग और उसके द्वारा संचालित मतदान की विश्व भर में साख है। भारत सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां अब 90 करोड़ से अधिक मतदाता हैं। अमेरिका और यूरोप के सभी वोटरों को भी जोड़ दें, तो वे भारतीय संख्या के आगे उन्नीस साबित होंगे। इतनी बड़ी संख्या के साथ शांतिपूर्ण चुनाव कराना और सभी सियासी दलों द्वारा जनादेश को स्वीकार करना चुनाव आयोग पर उनके भरोसे का संकेत है। अमेरिका जैसे विकसित देश तक में सत्ता के हस्तांतरण में हिंसा हो गई। कई मुल्कों में तो गृह युद्ध की नौबत आ जाती है। मगर अपने यहां चुनाव में भले ही धींगामुश्ती चलती हो, एक-दूसरे पर आरोप उछाले जाते हैं, लेकिन जब नतीजा आता है, तो बिना ना-नुकुर के उसे मान लिया जाता है। यह बात हर किसी को समझनी चाहिए कि अपने यहां चुनाव आयोग एक तरह से 'पंचिंग बैग' है। सभी इसे अपनी ओर खींचना चाहते हैं। चुनाव के समय यह प्रयास बहुत ज्यादा होता है। फिर भी, चुनाव आयोग सभी को धैर्यपूर्वक सुनकर फैसला सुनाता है। सबका ध्यान रखना उसकी मजबूरी भी है, क्योंकि उसका हर फैसला सुप्रीम कोर्ट तक जाता है। अगर उसने अपने फैसले में एक भी कमजोर कड़ी रखी, तो अदालत में उसकी लानत-मलामत होगी। इसीलिए सभी तर्कों का आकलन करके ही चुनाव आयोग कानून सम्मत फैसला लेता है। इस हिसाब से ताजा मामलों से आयोग की साख पर सवाल उठाना गलत है। हां, आदर्श स्थिति तो यही होगी कि एक भी ऐसी घटना न घटे। मगर यह तब होगा, जब हमारे नीति-नियंता मानव संसाधन के विकास पर इतना ध्यान देंगे कि हर व्यक्ति शारीरिक व मानसिक तौर पर स्वस्थ और शिक्षित हो। इस दिशा में काम हो रहा है, लेकिन अभी इसमें वक्त लगेगा।

प्रवीण कुमार सिंह

मोदी सरकार की विदेश नीति व्यावहारिक मोर्चे पर दिखती है पूरी तरह पारंगत

> इससे भारत श्रीलंका को यह संदेश देने में सफल रहा है कि घरेलू राजनीति के जोखिमों की परवाह किए बिना भी वह मित्रों की मदद में पीछे नहीं रहता। वास्तव में राष्ट्रहित से जुड़े ऐसे मसलों पर राजनीतिक वर्ग में एक आमसहमति होनी चाहिए, लेकिन अफसोस कि ऐसा नहीं हो सका। श्रीलंका को लेकर तमिलों के मसले और प्रधानमंत्री की हालिया बांग्लादेश यात्रा को भी संकीर्ण राजनीतिक दृष्टि से देखने का प्रयास किया गया। इससे राष्ट्र के दीर्घकालिक हितों को ही आघात पहुंचता है। अच्छी बात यह रही कि मोदी सरकार ने ऐसे दबावों को दरकिनार करते हुए व्यावहारिक विदेश नीति की राह पर चलने को वरीयता दी। अफगानिस्तान और पाकिस्तान को लेकर उसके नजरिये में भी यह झलकता है।

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य बहुत तेजी से बदलता है। उसके अनुरूप अपनी नीतियों में फेरबदल करना भी आवश्यक हो जाता है। इसके लिए पर्याप्त लचीलेपन की आवश्यकता होती है। अतीत में भारतीय विदेश नीति में इसका एक प्रकार से अभाव दिखा, लेकिन मोदी सरकार की विदेश नीति व्यावहारिक मोर्चे पर पूरी तरह पारंगत दिखती है। इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत के आस-पड़ोस में अक्सर अस्थिरता हावी रही। इस कारण भारत का रवैया भी प्राय~ प्रतिक्रियात्मक रहा, परंतु मोदी सरकार में इस रीति-नीति में बदलाव आया है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति में पड़ोसियों को प्राथमिकता देने का जो सिलसिला शुरू हुआ, उसमें इन देशों को लेकर भारत की दृष्टि बदली है। विदेश नीति में आया यह बदलाव उपयुक्त एवं तार्किक है, क्योंकि सदा परिवर्तनशील विदेश नीति को किसी एक लकीर या सांचे के हिसाब से चलाया भी नहीं जा सकता। प्रत्येक मामले के हिसाब से अलग पत्ते चलने होंगे। तभी राष्ट्रीय हितों की पूर्ति संभव हो सकेगी। मोदी सरकार विदेश नीति की इसी व्यावहारिक राह पर चल रही है। हालिया कई मिसालें इसकी पुष्टि करती हैं।

कोरोना काल में अपने पहले विदेश दौरे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बीते दिनों बांग्लादेश गए। इस अवसर पर बांग्लादेश की मुक्ति के मसीहा शेख मुजीबुर्रहमान की जन्मशती से जुड़े कार्यक्रम पिछले वर्ष ही आयोजित होने थे, लेकिन कोरोना लहर एवं कहर के कारण रद हो गए थे। प्रधानमंत्री मोदी चाहते तो इस बार भी वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संबंधित आयोजन में सम्मिलित हो सकते थे, मगर उन्होंने प्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व का निर्णय किया। इस यात्रा के माध्यम से उन्होंने दर्शाया कि भारत के लिए उसके पड़ोसी कितने अहम हैं।

इससे पहले भी अपने प्रथम शपथ ग्रहण समारोह में मोदी ने पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज शरीफ सहित दक्षेस के सभी नेताओं को आमंत्रित किया था। इतना ही नहीं अपने पहले विदेश दौर के लिए उन्होंने भूटान को चुना तो दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद वह पहली विदेश यात्रा पर मालदीव गए।

हमारे पड़ोस में इन दिनों म्यांमार बहुत अशांत है। वहां लोकतांत्रिक सरकार को अपदस्थ कर सैन्य शासकों ने फिर से कमान संभाल ली है। देश में लोकतंत्र की पुनर्स्थापना के लिए विरोध-प्रदर्शन चल रहे हैं। सैन्य सत्ता प्रदर्शनकारियों से बहुत सख्ती से निपट रही है। एक आकलन के अनुसार इस विरोध के कारण अब तक म्यांमार के 500 से अधिक नागरिक मारे जा चुके हैं। पश्चिमी देश म्यांमार पर दबाव बना रहे हैं। उसे आर्थिक एवं अन्य किस्म के प्रतिबंधों का डर दिखाया जा रहा है। भारत पर भी उनके इस अभियान में शामिल होने का दबाव है, लेकिन भारत अभी तक न केवल उससे बचने में सफल रहा है, बल्कि अपने हितों को देखते हुए उसने व्यावहारिक रणनीति का परिचय भी दिया है। भारत ने स्पष्ट रूप से कहा है कि म्यांमार में नागरिकों की आकांक्षाओं का ख्याल रखा जाए। साथ ही भारत म्यांमार में स्थिरता कायम रखने और वहां के आंतरिक मामलों में दखल न देने का पक्षधर भी है। यह दोहरी रणनीति भारत के व्यापक हितों के अनुरूप ही है। दरअसल पश्चिम के जो देश लोकतंत्र की दुहाई देकर यह दबाव बढ़ा रहे हैं, उनकी भू-सामरिक स्थिति भारत से अलग है। उनमें से किसी की सीमा म्यांमार से नहीं लगती, परंतु भारत उससे सीमा रेखा साझा करता है, जो खासी संवेदनशील भी है। विशेषकर भारत के पूर्वोत्तर में अलगाववाद की चुनौती से निपटने में म्यांमार की सेना ने हमेशा भारत का सहयोग किया है। भारत ने भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के बावजूद म्यांमार के राजनीतिक नेतृत्व के अलावा सैन्य नेतृत्व के साथ भी अपने संवाद की धाराएं खुली रखीं।

चीन को लेकर भी म्यांमार को अपने पाले में रखना भारत के लिए आवश्यक है। इतना ही नहीं भारत की एक्ट ईस्ट नीति के लिए म्यांमार भारत का प्रवेश द्वार है। बिम्सटेक में भी म्यांमार की खासी महत्ता है। साथ ही म्यांमार से शरणार्थियों की समस्या को देखते हुए भारत को खासा सतर्क रहना है और इस मामले में वह एहतियात भी बरत रहा है। स्वाभाविक है कि अपने व्यापक हितों को देखते हुए भारत म्यांमार को कुपित करने की स्थिति में नहीं है। ऐसे में म्यांमार को लेकर उसकी यह संतुलित नीति न केवल उचित है, बल्कि उसे उन पश्चिमी देशों को भी समझाना होगा कि वे म्यांमार के खिलाफ कोई सख्त कदम उठाने से परहेज कर कोई मध्यमार्ग निकालने का प्रयत्न करें। म्यांमार पर पश्चिमी प्रतिबंधों का यही परिणाम होगा कि उस पर चीन का प्रभाव और बढ़ेगा।

देश के पूर्वी हिस्से से धुर दक्षिण का रुख करें तो श्रीलंका में इस समय स्थिरता तो कायम है, लेकिन उसका अतीत वर्तमान में भी पीछा नहीं छोड़ रहा। उसके छींटे भारत पर भी पड़ रहे हैं। बीते दिनों संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में युद्ध अपराधों को लेकर श्रीलंका पर आए एक प्रस्ताव से भारत ने अनुपस्थित रहना ही मुनासिब समझा। देश में एक वर्ग ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। सरकार पर तमिलों के साथ विश्वासघात के आरोप तक लगाए गए। ऐसे आरोप लगाने वाले भूल गए कि श्रीलंका के साथ भारत के द्विपक्षीय रिश्तों का एक अहम आधार इस पड़ोसी देश का वह अनुच्छेद 13 ही है, जिसमें श्रीलंका सरकार को तमिल सहित देश के अन्य अल्पसंख्यकों के व्यापक अधिकारों को सुरक्षित रखना सुनिश्चित करना है। ऐसे में हालिया मामले में श्रीलंका का परोक्ष समर्थन कर भारत सरकार ने राष्ट्रहित में ही कदम उठाया है, क्योंकि हिंद महासागर में श्रीलंका जैसा साथी हमारे लिए अत्यंत उपयोगी एवं अहम है। इससे भारत श्रीलंका को यह संदेश देने में सफल रहा है कि घरेलू राजनीति के जोखिमों की परवाह किए बिना भी वह मित्रों की मदद में पीछे नहीं रहता।

वास्तव में राष्ट्रहित से जुड़े ऐसे मसलों पर राजनीतिक वर्ग में एक आमसहमति होनी चाहिए, लेकिन अफसोस कि ऐसा नहीं हो सका। श्रीलंका को लेकर तमिलों के मसले और प्रधानमंत्री की हालिया बांग्लादेश यात्रा को भी संकीर्ण राजनीतिक दृष्टि से देखने का प्रयास किया गया। इससे राष्ट्र के दीर्घकालिक हितों को ही आघात पहुंचता है। अच्छी बात यह रही कि मोदी सरकार ने ऐसे दबावों को दरकिनार करते हुए व्यावहारिक विदेश नीति की राह पर चलने को वरीयता दी। अफगानिस्तान और पाकिस्तान को लेकर उसके नजरिये में भी यह झलकता है।

असम में नया क्या हुआ?

असम विधानसभा चुनाव का नतीजा 2 मई को आएगा। वहां पार्टियां अपने उम्मीदवारों की हिफाजत को लेकर अभी से चौकन्ना हो गई हैं। विपक्षी गठबंधन में शामिल एआईयूडीएफ के 19 में से 18 उम्मीदवारों को कांग्रेस जयपुर ले गई। वहां उन्हें एक होटल में ठहराया गया। गठबंधन के सहयोगी दल बोडोलैंड पीपल्स फ्रंट ने भी ऐसा ही किया। अपने 11 प्रत्याशियों को उसने कोकराझार के एक होटल में पहुंचा दिया। विपक्ष को डर है हॉर्स ट्रेडिंग का। अब तक भारतीय लोकतंत्र ने चुनाव परिणाम के बाद जन प्रतिनिधियों को लुभाने का खुला खेल देखा था। असम में जो कुछ हुआ है, वह इस लिहाज से चौंकाने वाली बात है। लेकिन यह कोई नई चीज नहीं है। यह पहले से चले आ रहे सिलसिले की एक कड़ी भर है। 1967 के आम चुनाव और 1969 में कई राज्यों में चुनाव के बाद 500 से ज्यादा निर्वाचित जन प्रतिनिधियों ने एक से दूसरे दल का दामन थामा।

उसी दौर में 15 दिनों के भीतर तीन बार इधर से उधर जाने वाले हरियाणा के विधायक गया लाल के नाम पर तो मुहावरा ही बन गया आया राम गया राम का। 1980 में हरियाणा के भजनलाल के साथ पूरी की पूरी सरकार के कांग्रेस में शामिल होने और 1984 में तमिलनाडु की एन टी रामाराव सरकार में भास्कर राव के जरिए कांग्रेस के सेंध लगाने से लेकर अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गोवा और पुडुचेरी जैसे राज्यों में हाल के वर्षों में जो कुछ देखा गया, असम की घटना उसी की एक कड़ी है। 52वें संविधान संशोधन के जरिए 1985 में बना दल-बदल विरोधी कानून भी हांफता दिखता है ऐसी कारगुजारियों के आगे। दरअसल लोकतंत्र से खिलवाड़ किसी कानून से शायद ही रुके। चुनावों में मनी और मसल पावर का दखल जिस तरह बढ़ा है, उसका नतीजा है असम की घटना। काले धन का सीधा संबंध चुनावों से है। छोटे स्तर की चालबाजियां करने वालों से लेकर कॉरपोरेट ग्रुप्स तक राजनीतिक दलों को अपनी ताकत के मुताबिक चंदा देते हैं। ऐसे चंदे का कोई हिसाब-किताब नहीं होता। इसकी कीमत वसूली जाती है बाद में। नीचे से ऊपर तक भ्रष्टाचार का नाला इसी चंदे से शुरू होता है। अकूत पैसा बहाया जाता है चुनावों में, लेकिन निर्वाचन आयोग के सामने तय सीमा में खर्च के आंकड़े रख दिए जाते हैं। राजनीतिक दलों को चंदे को लेकर पारदर्शिता बरतनी चाहिए, वहीं वोटरों को इसके लिए उन पर दबाव बनाना होगा। उन्हें बार-बार यह सवाल पूछना होगा कि राजनीतिक दल क्यों नहीं देते अपने चंदे का पूरा हिसाब? पूरी चुनाव प्रक्रिया को साफ-सुथरा बनाना स्वस्थ लोकतंत्र के लिए जरूरी है। ऐसा हो जाए तो असम में जो कुछ हुआ है, वैसी पेशबंदी की जरूरत भी नहीं रहेगी।

ग्रामीण व आदिवासी इलाकों में टीकाकरण की राह में बड़ी चुनौती हैं नक्सली

देश में ग्रामीण व कई आदिवासी इलाकों में टीकाकरण की राह में नक्सली चुनौती भी है, जिसकी गंभीरता को शायद कम करके आंका जा रहा है। कोरोना के खतरे के बीच नक्सली, वैक्सीन की लूट जैसी वारदात को भी अंजाम दे सकते हैं। वैक्सीन को सुरक्षित रूप से स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी सुरक्षा बलों की होगी। बस्तर समेत देश के कई नक्सल प्रभावित इलाकों में समय-समय पर नक्सलियों के कोरोना की चपेट में आने की खबरें भी आती रही हैं। ऐसे में इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि नक्सलियों द्वारा कई इलाकों में वैक्सीन लूट की आशंका भी बनी रहेगी।

इन सभी स्तरों पर चुनौतियों का सामना करने के लिए विशेष प्रयासों की जरूरत होगी। इसमें पहला स्तर, वहां के लोगों में जागरूकता और वैक्सीन के प्रति विश्वास पैदा करना है। हाल में छत्तीसगढ़ के कुछ समुदायों के प्रमुखों ने राज्य में कोरोना टीकाकरण के लिए अपना समर्थन दिया। इसी प्रकार, अन्य प्रदेशों में भी आदिवासी समुदायों के प्रमुखों द्वारा यह पहल करनी चाहिए, जिससे आदिवासी तथा पिछड़े वर्ग के लोगों में विश्वास और उचित जानकारी को बढ़ावा मिल सके। दूसरा स्तर, उनको इस समस्या से बाहर निकालना कि अगर उनके पास स्मार्टफोन आदि नहीं है तो वे अपना रजिस्ट्रेशन कैसे कराएंगे? वैक्सीन के लिए अगर आम नागरिकों को खुद ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना होगा तो ग्रामीण स्तर पर समस्याएं खड़ी होंगी और अगर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का काम आशा कार्यकर्ताओं और एएनएम को सौंपा जाता है तो भी समस्याएं खड़ी होंगी, क्योंकि उन पर पहले से ही स्वास्थ्य सेवाओं का बहुत बोझ है। एक हालिया सर्वे में यह तथ्य सामने आया है कि सिर्फ 37 फीसद ग्रामीणों के पास स्मार्टफोन हैं। ऐसे में बड़ा सवाल यह होगा कि टीका के लिए ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य होने पर वैक्सीन के लिए ग्रामीण पंजीकरण कैसे कर सकेंगे? ऐसे में जरूरी यह होगा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन सेंटर बनाए जाएं। भारत में पहले से ही ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के सेवा केंद्र हैं जिसका बहुत बड़ा और व्यापक नेटवर्क है। अगर सरकार इनका सहयोग ले तो यह ग्रामीणों को इस कार्य में आसानी होगी। यह भी उचित हो सकता है कि सरकारी या निजी अस्पतालों में ग्रामीणों का त्वरित रजिस्ट्रेशन हो और टीका भी लग जाए। अगर ऐसी सुविधा मिलती है तो ग्रामीण क्षेत्रों में टीकाकरण अभियान आसान हो जाएगा। यहां ग्राम प्रधान की भी भूमिका उभर कर सामने आती है।

प्रत्येक गांव के मुखिया को यह जिम्मेदारी लेनी चाहिए कि लोग अफवाहों से दूर रहें और उचित जानकारी पाकर टीकाकरण कार्यक्रम को सफल बनाएं। इसके लिए गांव के मुखिया को अपने गांव के लोगों की एक सूची तैयार करनी चाहिए और उनको टीकाकरण के लिए प्रेरित कर अपने गांव को कोरोना मुक्त घोषित करना चाहिए। अगर ऐसी जिम्मेदारी ग्राम प्रधान उठा लें तो सरकार के कार्य में बड़ी सहूलियत हो सकती है। साथ ही ग्रामीण लोगों को भी वैक्सीन के बारे में किसी हिचक की स्थिति से बाहर निकाल कर टीकाकरण में जन भागीदारी को बढ़ावा देना चाहिए, न कि अफवाहों की वजह से डर कर टीकाकरण के प्रति उदासीनता दिखानी चाहिए। यह कोरोना टीकाकरण उसी टीकाकरण की तरह है, जैसे अनेक टीकाकरण भारत में होते आ रहे हैं। बस फर्क इतना है कि कोरोना वायरस का भय लोगो में इतना ज्यादा बैठ गया है कि कोरोना रोधी टीकाकरण पर भी विश्वास नहीं बना पा रहे हैं। लेकिन इसका एकमात्र उपाय जन जागरूकता, विश्वास और अफवाहों से दूरी बनाना ही है।

अफगानिस्तान शांति प्रक्रिया और भारत की भूमिका, समझिए क्या हैं इसके मायने

> अफगानिस्तान भारत की मध्य एशिया की रणनीति का अहम हिस्सा है, क्योंकि भारत ईरान के चाबहार बंदरगाह के माध्यम से मध्य एशिया के देशों तक अपनी पहुंच बना सकता है। साथ ही, अफगानिस्तान जैसे लैंडलॉक्ड यानी चारों ओर से स्थलबद्ध अर्थात बंदरगाह विहीन देशों को संपर्क प्रदान करता है। यही कारण है कि वर्ष 2016 में ईरान-भारत-अफगानिस्तान ने परिवहन और ट्रांजिट कॉरिडोर नामक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। हाल ही में दोनों देश अधिक प्रभाव वाले 116 सामुदायिक विकास परियोजनाओं पर काम करने के लिए सहमत हुए हैं, जिन्हें अफगानिस्तान के 31 प्रांतों में क्रियान्वित किया जाएगा।

अफगानिस्तान को लेकर ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में आयोजित नौवें 'हार्ट ऑफ एशिया' के मंत्री स्तरीय सम्मेलन में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि अफगानिस्तान में स्थायी शांति के लिए भारत किसी भी सच्चे और विस्तृत प्रयास का समर्थन करेगा। हालांकि भारत ने यह साफ नहीं किया है कि वह संयुक्त राष्ट्र की अगुवाई में होने वाली शांति प्रक्रिया में सीधे तौर पर हिस्सा लेगा या नहीं, लेकिन अफगानिस्तान में स्थायी शांति में संयुक्त राष्ट्र की अग्रणी भूमिका की वकालत कर इस विकल्प को भी सुरक्षित रखा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर के अनुसार भारत संयुक्त राष्ट्र की अगुवाई में अफगानिस्तान में शांति बहाली के लिए क्षेत्रीय प्रक्रिया का समर्थन करता है। उल्लेखनीय है कि 'हार्ट ऑफ एशिया' के तहत सम्मेलन का आयोजन वर्ष 2011 से जारी है। इसके तहत आयोजित किए जाने वाले सम्मेलनों का उद्देश्य अफगानिस्तान में शांति की प्रक्रिया को लेकर प्रांतीय और अंतरराष्ट्रीय सहमति बनाना है।

अफगानिस्तान शांति प्रक्रिया से संबंधित बैठक में भारत का आधिकारिक रूप से शामिल होना, इस पूरी प्रक्रिया में एक दिलचस्प मोड़ है। यह देखना दिलचस्प होगा कि भारत के शामिल होने से शांति प्रक्रिया पर क्या असर पड़ेगा? अभी तक भारत इस प्रक्रिया में बाहर से शामिल था, लेकिन यह पहली बार है, जब भारतीय विदेश मंत्री इसमें आधिकारिक रूप से शामिल हो रहे हैं। ऐसे में यह कहा जा सकता है कि जैसे-जैसे अमेरिका के अफगानिस्तान से निकल जाने की समय सीमा करीब आ रही है, शांति वार्ता में शामिल देशों की सोच में भारत की भूमिका को लेकर बदलाव आ रहा है।

भारत के विदेश मंत्री ने दुशांबे में अफगान शांति प्रक्रिया में तीन बातों पर जोर दिया है। पहला, भारत अफगानिस्तान में दोहरी शांति चाहता है, यानी अफगानिस्तान के भीतर और उसके आसपास के सभी देशों में भी शांति कायम हो। दूसरा, शांति वार्ता के सफल होने के लिए जरूरी है कि सभी पक्षों को एक दूसरे पर भरोसा हो और सभी राजनीतिक समाधान खोजने के लिए प्रतिबद्ध हों और तीसरा, हार्ट ऑफ एशिया प्रक्रिया के सिद्धांतों का पालन हो। इसके अलावा, भारत ने अमेरिका के उस प्रस्ताव का भी समर्थन किया, जिसमें संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में एक ऐसी शांति प्रक्रिया की बात की गई है, जिसमें रूस, चीन, पाकिस्तान, ईरान, भारत और अमेरिका के विदेश मंत्री शामिल हों। एस जयशंकर का यह बयान अमेरिका, अफगानिस्तान और पाकिस्तान तीनों को कुछ संकेत देता है। भारत, अमेरिका को यह संकेत दे रहा है कि अमेरिकी सैनिकों को अफगानिस्तान से वापसी का समय अभी नहीं आया है। वहीं भारत, अफगानिस्तान को संकेत दे रहा है कि चाहे जो भी हो, भारत हमेशा वहां लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार के समर्थन में रहेगा और पाकिस्तान को यह संकेत दे रहा है कि उसे यह मानना पड़ेगा कि अफगानिस्तान में भारत के वैध हित हैं और इस शांति प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

अफगान शांति प्रक्रिया में भारत को स्टेकहोल्डर के तौर पर मान्यता मिलना, भारत के लिए बड़ी उपलब्धि है। ट्रंप के समय शुरू की गई अफगान शांति प्रक्रिया में भारत की भूमिका को ज्यादा तवज्जो नहीं दी गई। अब अमेरिका इस नीति से हट रहा है। अमेरिका की पहले की सरकार यानी ट्रंप प्रशासन अफगान शांति प्रक्रिया में पाकिस्तान को ही सबसे बड़ा स्टेकहोल्डर मानता था। लेकिन अब बाइडन प्रशासन ने इस शांति प्रक्रिया में भारत को महत्वपूर्ण भूमिका प्रदान की है। उल्लेखनीय है कि भारत लंबे समय से कह रहा है कि इस क्षेत्र के दूसरे देशों को भी इस प्रक्रिया में शामिल किया जाए। जहां तक राजनीतिक और सुरक्षा का सवाल है, तो भारत 'अफगान संचालित' और 'अफगान स्वामित्व वाली शांति और समाधान प्रक्रिया' के लिए अपने सहयोग को दोहराता रहा है। भारत रणनीतिक भागीदार के रूप में द्विपक्षीय विकास और सहयोग को मान्यता देते हुए सामाजिक, आर्थिक, बुनियादी ढांचा और मानव संसाधन विकास के लिए अफगानिस्तान की सहायता कर रहा है। भारत-अफगानिस्तान को एक सशक्त लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में देखते हुए उसके हिंसाग्रस्त क्षेत्रों में शांति स्थापित करने हेतु प्रतिबद्ध है। अफगानिस्तान में भारतीय प्रतिबद्धता द्विस्तरीय है। भारत अफगानिस्तान के सैनिकों को प्रशिक्षण सुविधा प्रदान करता है, लेकिन दूसरी ओर उससे बड़ी भूमिका भारत आधारभूत संरचना, शिक्षा और स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में सहयोग करके उपलब्ध कराता है। आधारभूत संरचना के सहयोग के रूप में सलमा डैम का पुनर्निर्माण, संसद भवन और जरांज डेलाराम मार्ग का निर्माण इत्यादि को देखा जा सकता है। सलमा बांध को अफगानिस्तान में भारत-अफगान मैत्री बांध के नाम से भी जाना जाता है। यह बांध चिश्ती शरीफ जिला में हरि रुद नदी पर 29 करोड़ डॉलर की लागत से बना है, जो ईरान सीमा के नजदीक है। मालूम हो कि सलमा डैम परियोजना एक बहुउद्देश्यीय परियोजना है। इससे करीब 42 मेगावॉट जलविद्युत उत्पादन के अलावा 75 हजार हेक्टेयर भूमि की सिंचाई भी की जा रही है। इससे यहां विद्युत संकट को दूर करने में सहायता मिली। कृषि अर्थव्यवस्था को भी सहयोग मिला है। अफगानिस्तान के संसद का निर्माण नौ करोड़ डॉलर की लागत से भारत द्वारा किया गया है। इस तरह भारत अफगानिस्तान में लोकतंत्र को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। जरांज डेलाराम मार्ग अफगानिस्तान के निमरोज प्रांत में पहली पक्की सड़क है, जिसका निर्माण भारत द्वारा किया गया है।

अफगानिस्तान भारत की मध्य एशिया की रणनीति का अहम हिस्सा है, क्योंकि भारत ईरान के चाबहार बंदरगाह के माध्यम से मध्य एशिया के देशों तक अपनी पहुंच बना सकता है। साथ ही, अफगानिस्तान जैसे लैंडलॉक्ड यानी चारों ओर से स्थलबद्ध अर्थात बंदरगाह विहीन देशों को संपर्क प्रदान करता है। यही कारण है कि वर्ष 2016 में ईरान-भारत-अफगानिस्तान ने परिवहन और ट्रांजिट कॉरिडोर नामक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। हाल ही में दोनों देश अधिक प्रभाव वाले 116 सामुदायिक विकास परियोजनाओं पर काम करने के लिए सहमत हुए हैं, जिन्हें अफगानिस्तान के 31 प्रांतों में क्रियान्वित किया जाएगा। इनमें शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, सिंचाई, पेयजल, नवीकरणीय ऊर्जा, खेल, बुनियादी ढांचा और प्रशासनिक अवसंरचना के क्षेत्र शामिल हैं। काबुल के लिए शहतूत बांध और पेयजल परियोजना पर काम शुरू किया गया है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

मुख्तार अंसारी की मोहाली व लखनऊ कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेशी, बांदा जेल में सख्त पहरा

बांदा। पंजाब के रूपनगर जेल से बीते बुधवार को बांदा जिला जेल में शिफ्ट होने वाले बहुजन समाज पार्टी के विधायक बाहुबली की सोमवार को दिन में पंजाब के मोहाली व लखनऊ की कोर्ट में पेशी होगी। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से होने वाली पेशी को लेकर भी बांदा जेल में सुरक्षा काफी सख्त है। करीब पांच दिन से बांदा जिला जेल की बैरक नम्बर पांच में बंद बाहुबली मुख्तार अंसारी की सारी मुख्तारी अब यहां पर खत्म हो चुकी है।

मुख्तार अंसारी की सोमवार को पंजाब की मोहाली कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेशी होगी। पंजाब में रंगदारी के एक मामले में बसपा नेता मुख्तार अंसारी की बांदा जेल से मोहाली कोर्ट में पेशी होनी है। लखनऊ में जेलर तथा डिप्टी जेलर के खिलाफ 21 वर्ष पुराने केस में मुख्तार की पेशी होगी। मोहाली की कोर्ट में जबरन वसूली के एक मामले की सुनवाई की जाएगी जबकि एक अन्य मामले में लखनऊ में जेलर और डिप्टी जेलर के साथ 21 साल पुराने मामले में आरोप तय होने हैं।

लखनऊ में तीन अप्रैल 2000 को जेलर एसएन द्विवेदी ने मुख्तार अंसारी के खिलाफ थाना आलमबाग में दर्ज कराई थी। इस रिपोर्ट के मुताबिक पेशी से वापस आए बंदियों को जेल में दाखिल कराया जा रहा था। इनमें से एक बंदी चांद को विधायक मुख्तार अंसारी के साथ के लोग बुरी तरीके से मारने लगे। वहां आवाज सुनकर जेलर एसएन द्विवेदी व डिप्टी जेलर बैजनाथ राम चौरसिया और कुछ अन्य बंदीरक्षक उसे बचाने का प्रयास करने लगे। इस पर उन्होंने इन दोनों जेल अधिकारियों व प्रधान बंदीरक्षक स्वामी दयाल अवस्थी पर हमला बोल दिया। वहां पर किसी तरह अलार्म बजाकर स्थिति को नियंत्रित किया गया। अलार्म बजने पर यह सभी भागने लगे। इसके साथ ही इन जेल अधिकारियों पर पथराव करते हुए जानमाल की धमकी भी देने लगे। इस मामले में युसुफ चिश्ती, आलम, कल्लू पंडित व लालजी यादव आदि के साथ ही मुख्तार अंसारी को भी नामजद किया गया था। विवेचना के बाद इन सबके खिलाफ धारा 147, 336, 353 व 508 में आरोप पत्र दाखिल किया गया। आज इन पर आरोप तय होना है। इस मामले में मुख्तार के अलावा युसुफ चिश्ती, आलम, कल्लू पंडित व लालजी यादव पर आरोप तय होना है। इनमें युसुफ चिश्ती व आलम न्यायिक हिरासत में जेल में हैं। कल्लू पंडित व लालजी यादव जमानत पर रिहा हैं। इस केस में मुख्तार अंसारी की अनुपस्थिति से आरोप तय नहीं हो पा रहा था।

विशेष जज पीके राय ने पिछली कई तारीखों पर मुख्तार अंसारी को पेश कराने के संदर्भ में यूपी पुलिस के संबंधित आला अफसरों व जिला कारागार रुपनगर, पंजाब के वरिष्ठ अधीक्षक को भी निर्देश दिया था, लेकिन मुख्तार पेश नहीं हुआ था।

बांदा पुलिस सात अप्रैल को तड़के मऊ से बहुजन समाज पार्टी के बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी को पंजाब की रूपनगर जेल से लाई थी। बांदा जेल में इससे पहले भी करीब दो वर्ष तक बंद रहने वाले मुख्तार ने करीब दो साल पंजाब की जेल में भी बिताए थे। मुख्तार अंसारी के खिलाफ उत्तर प्रदेश में करीब 52 मामले दर्ज हैं।

माफिया से मिलने आए वकील को लौटाया- मुख्तार अंसारी से मुलाकात करने के लिए रविवार को उसके वकील बांदा जेल पहुंचे। कोरोना गाइड लाइन का हवाला देकर उन्हें लौटा दिया गया। उनका लाया गया सामान नियमानुसार 36 घंटे बाद माफिया को सौंप दिया जाएगा। पांच दिन बाद उससे मिलने प्रयागराज के अधिवक्ता अनिमेष शुक्ला पहुंचे। अधिवक्ता अनिमेष ने मुलाकात का आवेदन लिखकर दिया। सुरक्षाकर्मी ने लौटकर बताया कि कोविड-19 की गाइड लाइन को लेकर मुलाकात नहीं कराई जा सकती है। काफी देर तक इंतजार के बाद वह लौट गए।

देशी घी, अचार, खजूर और बिस्कुट दे गए- अनिमेष अपने साथ कुछ सामान साथ लेकर आए थे। जेलर के अनुमित नहीं देने पर लाया गया सामान गेट पर ही उन्होंने सुरक्षा कर्मियों के हवाले कर दिया। पॉलीथिन के कैरीबैग में देशी घी, अचार, खजूर, बिस्कुट, रूहआफजा समेत खाने का सामान था।

दो दिन पहले गले में थी खराश, स्वास्थ्य मिला सामान्य- माफिया मुख्तार के स्वास्थ्य की जेल में प्रतिदिन जांच की जा रही है। रविवार को जिला अस्पताल के चिकित्सक सहयोगी के साथ जेल पहुंचे और जांच की। उनका स्वास्थ्य सामान्य पाया गया है। शुगर व ब्लडप्रेशर आदि की जांच हुई है। दो दिन पहले जांच में मुख्तार के गले में खराश की शिकायत मिली थी।

तब चलती थी मुख्तारी, अब शिकंजे में माफिया- कभी बांदा मंडल कारागार में माफिया मुख्तार अंसारी की मुख्तारी चलती थी। बैरक में ही सब सुविधाएं मिलती थीं। शिकायत पर इसकी उच्च स्तरीय जांच हुई तो घेरे में डिप्टी जेलर और बंदी रक्षक आए थे सुबूत नहीं होने से बच गए थे। इस बार उसके जलवे को ग्रहण लग चुका है। निगरानी इतनी कड़ी है कि वह पूरी तरह शिकंजे में है। पंजाब की रूपनगर जेल से बांदा लाया गया माफिया मुख्तार अंसारी 30 मार्च 2017 से जनवरी 2019 तक बांदा जेल में रह चुका है। तब जेल में उसका पता बैरक नंबर 15 ही था। उस समय उसकी बैरक में टीवी से लेकर मनोरंजन के साधन तो उपलब्ध रहते ही थे, उसके गुर्गे भी सेवा में लगे रहते थे। उसका अलग खाना भी बनता था। खाईपुर व स्वराज कालोनी में गुर्गों ने किराये पर मकान ले रखे थे। समय-समय पर वह जेल में व्यवस्थाएं दुरुस्त कराते थे। एक डिप्टी जेलर व कुछ बंदी रक्षक खाने के सामान से लेकर बाकी व्यवस्थाएं कराते थे। जांच में दोनों घेरे में आए थे। प्रभारी जेलर पीके त्रिपाठी का कहना है कि जेल में किसी को अलग से कोई व्यवस्था किए जाने की इजाजत नहीं है। कैमरे लगे होने से सबकुछ पारदर्शी है। उच्चाधिकारी खुद मानिटरिंग कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबर

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की कुरान की 26 आयतों को हटाने की मांग वाली याचिका, वसीम रिजवी पर लगा जुर्माना

लखनऊ । देश की शीर्ष अदालत ने किसी भी धार्मिक ग्रंथ में दखल देने से साफ इन्कार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने लखनऊ के वसीम रिजवी की कुरान शरीफ से 26 आयतों को हटाने वाली याचिका खारिज करने के साथ ही याची पर 50 हजार रुपया का जुर्माना भी लगाया है। उत्तर प्रदेश शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष वसीम रिजवी ने कुरान की 26 आयतों को हटाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इस याचिका पर आज सुनवाई की गई। सुप्रीम कोर्ट ने कुरान की आयतों के खिलाफ दाखिल याचिका को खारिज कर दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने पचास हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। इस याचिका को शिया वक्फ बोर्ड के पूर्व चेयरमैन वजीम रिजवीने दाखिल किया था। उनका कहना था कि इन आयतों को पढ़ाकर बहुत से छात्रों को इससे मिसगाइड किया जाता है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस आरएफ नरीमन की अगुवाई वाली बेंच ने इस याचिका पर सोमवार को सुनवाई की। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि मुझे इस एसएलपी के बारे में सारे तथ्य पता हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह एसएलपी नहीं रिट है और आप अपनी याचिका को लेकर कितने गंभीर हैं। इस पर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि मदरसों में यह आयतें पढ़ाई जाती हैं, छात्रों को इससे मिसगाइड किया जाता है, यही आयतें पढ़ाकर और समझा कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवादी तैयार किए जाते हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह निराधार याचिका है। कोर्ट ने इसके साथ ही पचास हजार रुपए जुर्माना लगाकर याचिका खारिज कर दी।

भाजपा सांसद रविकिशन ने कहा, गोरखपुर में नहीं होने देंगे कोरोना वैक्सीन की कमी

गोरखपुर । फिल्म अभिनेता व गोरखपुर से भाजपा सांसद रवि किशन ने कोरोना संक्रमण के बचाव के लिए चलाए जा रहे टीकाकरण उत्सव में भागीदारी की। उन्होंने टीकाकरण वाले कई सेंटरों पर जाकर लोगों को पहले डोज का टीका लगवाने के लिए तो प्रेरित किया ही, दूसरे डोज के लिए हौसलाफजाई की। जिला अस्पताल के टीकाकरण केंद्र पर जाकर सांसद ने लोगों ने अपील की कि वह संक्रमण के इस दौर में खुद को संभालें। मास्क और दो गज की दूरी का पालन हर हाल में करें।

नाइट कर्फ्यू को सफल बनाने की अपील- उन्होंने कहा कि संक्रमण की जांच पूरी मुस्तैदी से की जा रही है, साथ ही टीकाकरण उत्सव को सफल बनाने के लिए अभियान छेड़ दिया गया है। उन्होंने बताया कि गोरखपुर में वैक्सीन का 50 हजार का स्टाक आ चुका है। आगे भी जिले में वैक्सीन की कमी नहीं होने दी जाएगी। सांसद ने लोगों से सामूहिक आयोजन में हिस्सा न लेने और रात के कर्फ्यू को सफल बनाने की भी अपील की।

96 बूथों पर 6489 लोगों ने लगवाया कोरोना का टीका- कोविड टीकाकरण के तीसरे चरण में महात्मा ज्योतिबा राव फुले जयंती पर रविवार को टीकाकरण उत्सव आयोजित किया गया। 96 बूथों पर 9600 लोगों को टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया था। 6489 लोगों को टीका लगाया गया। इसमें 6068 को पहली व 441 को दूसरी डोज दी गई। सदर सांसद रवि किशन ने जिला अस्पताल के बूथ पर उत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि हमें चार बातें याद रखनी हैं। तभी टीकाकरण उत्सव को सफल बनाया जा सकता है। जो लोग कम पढ़े-लिखे हैं या नहीं पढ़े हैं, जो स्वयं टीका नहीं लगवा सकते हैं, उनकी मदद करें। खुद मास्क पहनें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। जिन लोगों के पास साधन नहीं हैं, उन्हें जानकारी दें और कोरोना का टीका लगवाएं। यह उत्सव बाबा साहब भीमराव आंबेडकर जयंती के दिन 14 अप्रैल तक चलेगा। इसके बाद भी टीकाकरण जारी रहेगा। इस अवसर पर सीएमओ डा. सुधाकर पांडेय भी उपस्थित थे।

अधिकारियों ने किया निरीक्षण- सीएमओ डा. सुधाकर पांडेय व जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. एनके पांडेय ने जिला अस्पताल, प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डा. माला कुमारी सिन्हा ने जिला महिला अस्पताल व मेडिकल कालेज के बूथ का प्राचार्य डा. गणेश कुमार ने निरीक्षण किया। उन्होंने वैक्सीनेटर को मानक के अनुसार टीका लगाने का निर्देश दिया। कहा कि 47 वर्ष से ऊपर के सभी लोगों को टीका लगाया जाए। जिनका पंजीकरण नहीं है, मौके पर उनका पंजीकरण कर लिया जाए। जो लोग भी बूथ पर पहुंचे, सभी का टीकाकरण किया जाए।

आम लोगों को कोरोना का टीका लगवाने के लिए जागरूक करेगी भाजपा, पटना से शुरू किया अभियान

पटना । बिहार के भाजपा कार्यकर्ता अब कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में मददगार बनेंगे। भाजपा आम लोगों को कोरोना का टीका लगवाने के लिए आम लोगों को जागरूक कर रही है। इसकी शुरुआत हो गई है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल ने कहा कि कोरोना काल में हम सभी को सावधानी बरतते हुए टीकाकरण करवाना है। अभी 11 से 14 फरवरी तक टीका उत्सव मनाया जा रहा है। 46 लाख तक टीकाकरण हुआ है। सभी भाजपा कार्यकर्ता सावधानी के साथ घर-घर जाकर आह्वान करेंगे कि लोग ज्यादा से ज्यादा टीकाकरण करवाएं, क्योंकि इस बार का करोना पहले से ज्यादा खतरनाक है पूरे विश्व में दोनों टीका लेने के बाद रिस्क कम हुआ है।

सदस्यता अभियान के साथ कोरोना टीकाकरण की भी बात

डॉ. जायसवाल ने रविवार को महिला मोर्चा की तरफ से महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर टीकाकरण सह सदस्यता अभियान के तहत पार्टी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कोरोना टीकाकरण पर काफी जोर दिया। कार्यक्रम में दीघा विधायक संजीव चौरसिया विधान पार्षद निवेदिता सिंह, मंत्री सजल झा ने महिला मोर्चा की सदस्यता ग्रहण करने वालों को बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन विनीता मिश्रा और सरोज जायसवाल ने किया। कार्यक्रम में ललिता कुशवाहा, नीलम चंद्रवंशी, पूनम सिंह, शोभा सिंह समेत अन्य महिला नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शास्त्रीनगर से शुरू किया वैक्सीनेशन जागरुकता अभियान-भाजपा के प्रदेश वैक्सीनेशन प्रभारी सह प्रदेश महामंत्री व दीघा विधायक डॉ. संजीव चौरसिया ने शास्त्रीनगर प्राथमिक स्वास्थ केंद्र में वैक्सीनेशन जागरुकता अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रदेश वैक्सीनेशन प्रभारी ने सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से अपील की कि खुद टीका लगवाएं और आमजन को भी प्रेरित करें। प्रदेश प्रभारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 11 से 14 अप्रैल तक टीका उत्सव मनाया जाएगा।

टीका उत्सव के दौरान लखनऊ के कई अस्पतालों में कोवैक्सीन खत्म होने से लौट रहे लाभार्थी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के बीच में सरकार में चार दिवसीय टीका उत्सव शुरू किया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लखनऊ के कई केंद्र पर इसका निरीक्षण भी किया, लेकिन सोमवार को लखनऊ के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) अस्पताल व रानी लक्ष्मीबाई अस्पताल में को-वैक्सीन उपलब्ध न होने से सैकड़ों लोग वापस हो गए।

प्रदेश में एक तरफ कोरोना के कहर से बचाने के लिए टीका उत्सव मनाया जा रहा है और लोगों को अधिक से अधिक संख्या में टीकाकरण कराने को प्रेरित किया जा रहा है, लेकिन दूसरी तरफ अव्यवस्था का आलम यह है कि लखनऊ में ही को-वैक्सीन की डोज ही खत्म हो चुकी है। यहां के सिविल अस्पताल में अब तक लाभार्थियों को को-वैक्सीन लगाई जा रही थी। इसी तरीके से रानी लक्ष्मीबाई अस्पताल में भी को-वैक्सीन दी जा रही थी। मगर दो दिनों से यहां पर को-वैक्सीन खत्म हो चुकी है। लिहाजा सैकड़ों मरीज वापस हो रहे हैं।

सोमवार सुबह भी सिविल अस्पताल व आरएलबी अस्पताल से 100 से ज्यादा लोग कोवैक्सीन नहीं होने से वापस चले गए। सबसे ज्यादा दिक्कत उन लोगों को हो रही है जो को- वैक्सीन की पहली डोज ले चुके हैं। लिहाजा उन्हें दूसरी डोज के लिए बुलाया गया था। वह को-वैक्सीन के अलावा दूसरी वैक्सीन की डोज भी नहीं ले सकते। इसी कारण अब उनके पास वापस लौटने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है।

टीकाकरण उत्सव के पहले दिन भी सिविल अस्पताल से सबसे ज्यादा लोग को वैक्सीन नहीं होने से लौट गए थे। वहीं रानी लक्ष्मीबाई अस्पताल में भी काफी संख्या में लोग वापस हुए थे। डॉक्टरों ने कहा था कि सोमवार को कोवैक्सीन आ जाएगी। लिहाजा भारी तादाद में दूसरी डोज लेने के लिए फिर सिविल अस्पताल और आरएलबी अस्पताल में सुबह लोग पहुंचे, लेकिन उन्हें जानकारी हुई कि को-वैक्सीन नहीं है। इसलिए को-वैक्सीन की पहली डोज ले चुके सभी लोग वापस हो गए। हालांकि करीब 11ः00 बजे सिविल अस्पताल में स्वास्थ्य विभाग ने को-वैक्सीन की डोज भेज दी। इसके बाद लोगों को फिर से वैक्सीन लगना शुरू हो गई है।

गोमती नगर निवासी भरत सिंह ने बताया कि वह आरएलबी में आज टीका लगवाने गए थे। मगर वैक्सीन नहीं होने से लौट गए। उन्हें दूसरी डोज के लिए दो दिन पहले ही बुलाया गया था। लगातार तीन दिनों से अस्पताल जा रहे हैं। उनके साथ के कई अन्य लोग भी जो को-वैक्सीन की डोज ले चुके थे, दूसरी डोज नहीं मिलने से वापस आ गए। वहीं सिविल अस्पताल के डॉक्टर एनबी सिंह ने बताया कि सुबह तक वैक्सीन नहीं थी, लेकिन 11ः00 बजे को-वैक्सीन की डोज आ चुकी है। अब मरीजों को दी जा रही है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ एमके सिंह ने बताया कि को-वैक्सीन की कमी अब नहीं होगी।

बरेली में बेटी के अपहरण की एफआईआर नहीं लिखने पर पिता ने की खुदकुशी, दारोगा के सुसाइड नोट फाड़ने पर गांव में बवाल

बरेली । आंवला के एक गांव में रहने वाली युवती आठ अप्रैल को लापता हुई तो पिता अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंचे। आरोप है कि रामनगर चौकी इंचार्ज ने रिपोर्ट दर्ज करने की जगह, पिता को ही अपमानित कर भगा दिया। जिस खाकी से मदद की आस थी, जब उसी ने अपमानित कर भगा दिया तो मायूस पिता ने तनाव में आ गए। इसी वजह से सोमवार सुबह उन्होंने फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। उनकी जेब से एक सुसाइड नोट भी मिला था, जिसमें चौकी इंचार्ज पर अभद्रता की बात लिखी थी।

आरोप है कि सुबह नौ बजे मौके पर पहुंचे चौकी इंचार्ज ने सुसाइड में खुद पर लगे संगीन आरोप देखने के बाद उसे फाड़ दिया। इस पर ग्रामीण आक्रोशित हो गए। गुस्साए ग्रामीणों ने चौकी प्रभारी को बंधक बना लिया। उसे छुड़ाने पहुंची पुलिस टीम का ग्रामीणों ने घेराव कर दिया। तनाव बढ़ने पर ग्रामीणों ने दरोगा और सिपाहियों को पीटना शुरू कर दिया। इस दौरान कुछ लोगों ने पुलिस पर पथराव भी किया, जिसमें कुछ पुलिसकर्मी चोटिल हुए हैं। पुलिसकर्मियों ने वहां से भागकर जान बचाई। फिलहाल गांव में तनाव बना हुआ है। गांव के एक किसान की बेटी चार दिन पहले अचानक गायब हो गई थी। गांव से एक युवक भी गायब था। बेटी भगाने के संदेह के साथ किसान ने आंवला थाने की चौकी रामनगर में तहरीर दी, लेकिन एफआइआर नहीं लिखी गई। आरोप है कि उन्हें अपमानित करके भगा दिया गया। सोमवार को उनका शव रस्सी के सहारे लटका हुआ मिला। गांव के लोगों ने शव को नीचे उतारा। कपड़ों की जेब से एक सुसाइड नोट भी मिला।

सुसाइड नोट में रामनगर के दारोगा पर रिश्वत मांगने का आरोप लगाया गया था। पता चलने पर दारोगा मौके पर पहुंचा और सुसाइड नोट को फाड़ दिया। इस पर ग्रामीणों ने उसे घेर कर बंधक बना लिया। दरोगा को छुड़ाने पहुंची पुलिस पर भी ग्रामीणों ने पथराव किया। पथराव में कुछ पुलिस कर्मी घायल हुए हैं।

पथराव व हंगामे की सूचना पाकर एसपी देहात व सीओ कई थानों की पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे। एसपी देहात राजकुमार अग्रवाल ने आक्रोशित ग्रामीणों को चौकी इंचार्ज पर कार्रवाई का आश्वासन दिया। आंवला विधायक धर्मपाल सिंह ने भी मौके पर पहुंचकर लोगों को शांत कराया। तब जाकर ग्रामीण शांत हुए लेकिन गांव में तनाव बना हुआ है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसपी देहात राजकुमार अग्रवाल का कहना है कि ग्रामीण अब शांत हैं। पूरे मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं।

राष्ट्रीय डाक कर्मचारी संघ के सहायक सेक्रेटरी बोले, डाकिया से डाक विभाग की पहचान

मुजफ्फरपुर । राष्ट्रीय डाक कर्मचारी संघ डाकिया एवं एमटीएस के चौथे द्विवार्षिक प्रमंडलीय अधिवेशन में सहायक सेक्रेटरी जनरल अर्वा?नाश कुमार ने कहा कि चाहे डाक विभाग का स्वरूप कैसा भी हो इसकी पहचान डाकिया ही रहेंगे। उन बदलते समय में डाक विभाग के कामकाज का तरीका एवं कार्यप्रणाली में बदलाव के बावजूद भी डाकिया ही इसकी मूल सेवाओं का आधार है।

मौलिक सुविधा का आभाव, हक मांगने पर कर रहे निलंबितप्रेरित

राष्ट्रीय डाक कर्मचारी संघ वर्ग 3 के क्षेत्रिय सचिव प्रेरित कुमार ने कहा कि वर्तमान कि केंद्र सरकार कर्मचारियों के सुविधाओं एवं संघ के मौलिक अधिकारों में दिन-प्रतिदिन कटौती करता जा रहा है7 नए कार्यो को लादकर कर्मचारियों के काम को बढ़ाकर उन पर दबाव दिया जा रहा है तो दूसरी ओर कोरोनावायरस के रूप में लड़ाई लड़ने के बाद भी सरकार ने कर्मचारियों को प्रोत्साहन भत्ता देने के बजाय उनका महंगाई भत्ता को रोकते हुए हतोत्साहित करने का कार्य किया है7 इसपर सरकार को विचार करनी चाहिए।

कर्मचारी नेता कुमार ने याद दिलाया लॉक डाउन की अवधि में जहां देश में संचार के सभी माध्यम बंद हो चुके थे तथा बैंकों का भी लगभग परिचालन बंद हो चुका था ऐसे समय में डाक कर्मी और खासकर डाकिया ही लोगों तक घर-घर जाकर पत्र के साथ ही जरूरी दवाइयों की आपूर्ति कर रहे थे। आधार आधारित सेवाओं के माध्यम से समाज के हर तबके तक और खासकर गरीबों के घर तक जाकर उनके खाते से राशि निकाल कर देने का काम किया है7

इसके बावजूद भी राष्ट्रीय स्थानीय स्तर पर भी कर्मचारी की समस्याओं को की अनदेखी की जा रही है7 वर्तमान में प्रधान डाकघर में फंड के रहने के बावजूद भी कर्मचारियों का मेडिकल एवं एलटीसी बिल का समय पर भुगतान नहीं करके उन्हें अनावश्यक रूप से निलंबित किया जा रहा है कार्य स्थलों पर मौलिक सुविधाओं का भी अभाव है तथा ऐसे कार्यालयों जहां महिला कर्मी काम कर रही हैं उनके लिए भी मूल सुविधाएं डाक प्रशासन उपलब्ध नहीं करा रहा है7 आने वाले दिनों में इसके लिए संघर्ष करने की जरूरत है और संघ संघर्ष भी होगा।

सबके मेहनत से विभाग बढ रहा आगे : सत्येंद्र लाल

अनुसूचित जाति एवं जनजाति डाक कल्याण संघ के प्रमंडलीय अध्यक्ष कुमार सत्येंद्र लाल ने कहा कि मुजफ्फरपुर प्रमंडल में राष्ट्रीय डाक कर्मचारी संघ विशेष रूप से अनुसूचित जाति एवं जनजाति समाज के लोगों को अत्यंत आधार एवं सम्मान देने का काम करता है7 तथा इस समाज से जुड़े डाक कर्मियों का यह संघ विशेष रुप से ध्यान देता है जो दूसरे जगहों पर नहीं मिलता है। राष्ट्रीय ग्रामीण डाक सेवक संघ के प्रांतीय सचिव शिव शक्ति ने कहा कि मुजफ्फरपुर में राष्ट्रीय ग्रामीण डाक सेवक संघ एक अत्यंत मजबूत संगठन हो चुका है जो हमेशा ग्रामीण डाक सेवकों की लड़ाई को मंडल से लेकर बिहार परिमंडल तक लड़ने का काम करता है।

इसके साथ विभाग के हर योजनाओं एवं हर अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते है। विभाग के प्रतिनिधि एवं बेसन के पर्यवेक्षक सहायक डाक अधीक्षक मुख्यालय सूबेदार एन के साहू ने कहां की राष्ट्रीय डाकिया सेवक संघ मुजफ्फरपुर में एक अत्यंत ही जुझारू संगठन है जो दिन रात डाकिया संवर्ग के कर्मचारियों के लिए संघर्षशील रहता है। इनकी जो समस्या है उसके निदान की पहल होगी। इससे पहले नेशनल फेडरेशन ऑफ पोस्टल एम्पलाइज के सहायक सेक्रेटरी जनरल श्विनाश कुमार एवं राष्ट्रीय डाक कर्मचारी संघ पोस्टमैन एवं एमटीएस के सरजू सेक्रेटरी अजय कुमार एवं राष्ट्रीय डाक कर्मचारी संघ वर्ग 3 क्षेत्रीय सचिव प्रदीप कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम को राष्ट्रीय डाक कर्मचारी संघ वर्ग 3 के प्रमंडलीय अध्यक्ष साकेत कुमार, प्रमंडलीय उप सचिव रंजन कुमार, प्रमंडलीय कोषाध्यक्ष कुंदन कुमार, दिनेश कुमार, श्री मनोज कुमार, चुन्नू कुमार, अजय सिंह, चंचल के साथ ही अभिकर्ता संघ के जिलाध्यक्ष शिशु रंजन कुमार ने संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री दिनेश कुमार ने एवं संचालन मनोज कुमार ने किया।

नई कार्यकारिणी में प्रमोद कुमार को अध्यक्ष, रामनरेश प्रसाद सिंह, नवीन कुमार शर्मा, दिनेश कुमार एवं सतीश कुमार को उपाध्यक्ष, प्रधान डाकघर के डाकिया संजीव कुमार को प्रमंडलीय सचिव बसंत कुमार को उप सचिव व चंचल कुमार, संजय कुमार, सुधीर कुमार को सहायक सचिव तथा मनोज कुमार को कोषाध्यक्ष चुना गया। इसके साथा पवन कुमार को सहायक कोषाध्यक्ष रामप्रकाश कुमार, शशि शेखर कुमार एवं श इंद्रदेव पासवान को संगठन सचिव एवं उमेश राय को सर्वसम्मति से अंकेक्षक चुना गया।

भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ की नई कार्यकारिणी का गठन

भागलपुर । भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष के निर्देश पर जिलाध्यक्ष दीपक शर्मा ने अपनी नई टीम की घोषणा की रविवार को कर दी। नई टीम में महामंत्री आशीष सर्राफ, महेश शर्मा उपाध्यक्ष मनीष बड़बडिया, अमित शाह, अविनाश शाह, स्वरूप पांडे, मंत्री पीयूष जैन, ठाकुर अभिषेक सिंह, राज कुमार गुप्ता, कृष्ण मोहन मुरारी, अर्पित जालान, मीडिया प्रभारी दीपक राय, सोशल मीडिया प्रभारी यशराज, आइटी सेल प्रीतम खेमका, कोषाध्यक्ष रेवन सर्राफ, कार्यालय मंत्री हर्षप्रीत सिंह को मनोनीत किया गया है। नए सदस्यों के मनोनयन पर भाजपा जिलाध्यक्ष रोहित पांडे सहित पार्टी पदाधिकारियों व सदस्यों ने बधाई दी है।

गौतम बुधिया बने नाथनगर मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष- नाथनगर मारवाड़ी युवा मंच की बैठक रविवार को चंपानगर के कौशकीनाथ झा लेन स्थित एक निजी स्कूल में आयोजित की गई। बैठक में नाथनगर शाखा के नए नेतृत्व का चुनाव हुआ। जिसमें सर्वसम्मति से गौतम बुधिया को अध्यक्ष, मनोज चौधरी को सचिव और पंकज जैन को कोषाध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया गया। अध्यक्षता कर रहे संरक्षक संजय अग्रवाल ने बताया कि यह कमेटी पूरे वर्ष सेवा कार्यो को जारी रखेगी। साथ ही आज बिहार प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच की प्रांतीय सभा जूम मोबाइल एप के माध्यम से आयोजित की गई। जिसमें प्रान्त के नए नेतृत्व द्वारा शपथग्रहण किया गया। नाथनगर शाखा के पूर्व अध्यक्ष अश्विनी खटोड़ बिहार प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच में प्रांतीय उपाध्यक्ष निर्वाचित किए गए। प्रांतीय कार्यक्रम में शाखा द्वारा किए गए सेवा कार्यों हेतु वार्षिक पुरस्कार प्रदान किए गए। पटना के चाणक्या होटल में आयोजित 25 वें त्रिवार्षिक अधिवेशन में कहलगांव बिजलीघर के सुरेश कुमार को भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है।

लालू को बेल पर सीबीआइ के जवाब से लगा ग्रहण! बिहार में मायूस हुए राजद कार्यकर्ता और समर्थक

पटना । राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव को जमानत की आस लगाए बिहार में उनके समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं को सीबीआइ के जवाब से गहरा धक्का लगा है। दरअसल राजद सुप्रीमो ने अपनी जमानत के लिए रांची के न्यायालय से गुहार लगाई है। इस याचिका पर कई बार सुनवाई हुई है, लेकिन नतीजा कुछ नहीं निकला है। अब सीबीआइ ने कोर्ट को ऐसा जवाब दिया है, जिससे बेल मंजूर होने पर सवाल खड़ा हो गया है। लालू यादव का स्वास्थ्य आजकल काफी खराब चल रहा है, जिसकी वजह से उन्हें इलाज के लिए दिल्ली के एम्स ले जाया गया है। उनके बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने अपने पिता की रिहाई के लिए आजादी अभियान भी शुरू किया था।

लालू के चाहने वालों ने 9 अप्रैल को लालू की रिहाई की मांग को लेकर ट्वटिर पर अभियान छेड़ा था। महर्षि नाम के एक ट्वटिर यूजर ने लिखा था कि न हौसला टूटा है और न हिम्मत हारी है, मैं लालू हूं, मेरा लहू बिहारी है। एक समर्थ ने लिखा था कि लालू को सामाजिक न्याय की लड़ाई छेड़ने की सजा मिल रही है। कुछ लोगों ने इसे लालू के गलत कर्मों का नतीजा भी कहा। एक ट्वटिर यूजर ने लालू की सजा को पश्चमि बंगाल से जोड़ते हुए कहा कि ममता दीदी का भी यही हश्र होने वाला है। लालू की बेटी रोहिणी आचार्य ने कहा है कि उनके पिता गरीबों के अभिमान हैं।

जानिए क्या कहा है सीबीआइ ने

लालू यादव की जमानत याचिका का सबसे अहम तथ्य यह है कि उनकी आधी सजा पूरी हो गई है। आधी सजा पूरी होने के बाद अपील में जा चुके मामलों में बेल दिया जा सकता है। उनके वकील ने लालू के खराब स्वास्थ्य का हवाला भी कोर्ट में दिया है। इधर, सीबीआइ ने अपने जवाब में कहा है कि उन्हें जमानत नहीं दी जा सकती, क्योंकि उनकी आधी सजा अभी पूरी ही नहीं हुई है।

सीबीआइ के गणित से लालू के वकील हैरान- सीबीआइ ने कोर्ट को बताया कि लालू प्रसाद यादव को अलग-अलग धाराओं में 7-7 साल की दो सजाएं हुई हैं और कोर्ट के आदेश के मुताबिक दोनों सजाएं अलग-अलग काटनी हैं। इस तरह लालू को कुल 14 साल जेल में रहना है। इस तरह से लालू की आधी सजा तो तब पूरी होगी जब वे सात साल जेल में रह लेंगे। इसके लिए लालू को कम से कम तीन साल और जेल में गुजारनें होंगे। लालू के वकील कोर्ट में इसका विरोध करने की योजना बना रहे हैं, पर यह इतना आसान नहीं होगा।

लालच में लिंक पर क्लिक किया और बैंक खाते से रकम साफ, प्रयागराज में बढ़ गई ऐसी साइबर ठगी

प्रयागराज । साइबर शातिरों ने ऐसा मकडज़ाल फैला रखा है कि पुलिस भी हांफने लगी है। पुलिस साइबर क्राइम को रोकने के लिए एक रास्ता बंद करती है तो वह दूसरा और तीसरा रास्ता निकाल लेते हैं। आजकल लोगों के मोबाइल पर रुपये जीतने का संदेश आ रहा है। किसी को 199 तो किसी को 799 रुपये तक जितवाए जा रहे हैं।

इन रुपये को सीधे बैंक खाते में जमा करने के लिए क्लिक करने की बात भी कही जाती है। किसी ने क्लिक किया तो उसका बैंक खाता खाली होना तय है। कुछ ऐसे मामले भी प्रकाश में आए हैं, जो इन साइबर शातिरों के जाल में फंसकर अपनी पूंजी गवां बैठे हैं।

मैसेज पर क्लिक करने पर गंवा दी जमा पूंजी- कौड़िहार क्षेत्र के रहने वाले मुलायम यादव के मोबाइल पर संदेश आया। उसमें कहा गया था कि बधाई हो आपने जीता है 199 रुपये। अभी वह कुछ समझ पाते इसके पहले फिर संदेश आया कि आपने 549 रुपये जीता है। चंद सेकेंड बाद फिर संदेश आया कि आपने 799 रुपये जीत लिया है। रुपये सीधे बैंक खाते में जमा करने के लिए नीचे क्लिक करें। मुलायम ने जैसे ही क्लिक किया एक लिंक आया और उसे भी क्लिक करने को कहा गया। मुलायम ने बिना जांचे परखे उसे भी क्लिक कर दिया, बस इसके बाद उसके खाते से करीब चार हजार रुपये निकल गए। यह भी शुक्र था कि खाते में इतने ही रुपये थे। इसी प्रकार शहर के धूमनगंज के प्रीतम नगर के रहने वाले रामअधार के साथ भी यही हुआ। इन्होंने भी इस आफर को कबूल किया और खाते से आठ हजार रुपये निकल गए। इसी प्रकार अन्य भी कई घटनाएं इस प्रकार की हो चुकी हैं।

लगातार साइबर सेल कर रहा लोगों को जागरुक

साइबर सेल द्वारा लोगों को लगातार साइबर क्राइम से बचाने के लिए जागरुक कर रहा है। फेसबुक समेत तमाम माध्यम से लोगों को सचेत किया जा रहा है कि वह किसी को बैंक खाता के बारे में जानकारी न दें। किसी को ओटीपी न बताएं। किसी भी अपरिचित लिंक को क्लिक न करें। कोई बैंक अधिकारी बनकर अगर फोन करें तो फोन काट दें और बैंक जाकर संपर्क करें।

मुंबई के धारावी के एक अस्पताल में कोविशिड वैक्सीन प्राप्त करने के लिए लोग कतार में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते हुए।

नदिया में राज्य विधानसभा चुनाव के लिए चल रहे चुनाव प्रचार रैली के दौरान तृणमूल कांग्रेस के समर्थक।

कोझीकोड के वेंगेरी में एक मेगा टीकाकरण शिविर में कोविड-19 वैक्सीन की खुराक प्राप्त करने के लिए अपनी बारी का इंतजार करने के लिए एक लंबी कतार में लोग।

एक नजर

गुजरात में कोरोना के 5469 नए मामले, 30 अप्रैल तक सरकारी और निजी कॉलेजों में ऑफलाइन कक्षाएं बंद

अहमदाबाद । गुजरात में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 5469 नए मामले सामने आए और 54 मौतें हुईं। राज्य में 27,568 सक्रिय मामलों सहित कुल 3,47,495 हैं। राज्य में कुल टीकाकरण 91,23,719 हुआ है। इधर, गुजरात सरकार ने कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए रविवार को राज्य के सभी सरकारी और निजी कॉलेजों में 30 अप्रैल तक के लिए ऑफलाइन कक्षाएं बंद कर दी हैं। शनिवार को प्रदेश में कोरोना के पांच हजार से अधिक मामले सामने आए और 49 लोगों की कोरोना से जान गई। प्रदेश के कई जिलों में कोरोना के मामले बढ़ते जा रहे हैं।

लॉकडाउन लगाने के पक्ष में नहीं गुजरात सरकार- इधर, गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने शनिवार को कहा कि सरकार राज्य में लॉकडाउन लगाने के पक्ष में नहीं है। हालांकि, उन्होंने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बाजार संगठनों द्वारा अपनी तरफ से लॉकडाउन लगाने के फैसले का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीबों की परेशानियों को देखते हुए सरकार लॉकडाउन नहीं लगाना चाहती है। लोगों की अनावश्यक आवाजाही रोकने के लिए पहले से ही 24 में से 10 घंटे का कर्फ्यू लगाया गया है। उन्होंने उन खबरों को भी गलत बताया, जिसमें कहा गया कि सरकार कोरोना संक्रमितों और मृतकों के वास्तविक आंकड़े छिपा रही है। कोरोना के इलाज में कारगर साबित हुई दवा रेमडेसिविर को लेकर गुजरात में राजनीति गरमा गई है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सीआर पाटिल ने सूरत भाजपा की ओर से पांच हजार इंजेक्शन मुफ्त वितरण का एलान किया। इस पर कांग्रेस ने सवाल उठाया कि मरीजों को इंजेक्शन नहीं मिल रहे तो भाजपा के पास कैसे आए। इस पर मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने इस पर कहा कि इसका जवाब पाटिल ही देंगे। गुजरात में लगातार बढ़ रहे संक्रमण के साथ अहमदाबाद व सूरत में कोरोना के इलाज में रेमडेसिविर की कमी भी देखने को मिल रही है। राज्य सरकार का कहना है कि इसकी कमी दूर करने के लिए 10 हजार इंजेक्शन गुवाहाटी से सूरत एयरलिफ्ट कर पहुंचाए गए हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने सूरत में कहा था कि पार्टी की ओर से पांच हजार इंजेक्शन मुफ्त में वितरित होंगे। शनिवार को सूरत में 700, नवसारी में 100 तथा सूरत ग्रामीण में 200 इंजेक्शन का वितरण किया गया।

गुजरात में कोरोना संक्रमण को लेकर हुई हाईकोर्ट में सुनवाई, चीफ जस्टिस ने बतायी कमियां, दिए सुझाव

अहमदाबाद । राज्य में कोरोना संक्रमण को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि आम आदमी को कोरोना संक्रमण की जांच रिपोर्ट मिलने में 4-5 दिन का समय लगता है जबकि अधिकारी RT-PCR टेस्ट के जरिये मात्र कुछ घंटों में ही रिपोर्ट प्राप्त कर लेते हैं। महामारी के प्रकोप को देखते हुए नमूना संग्रह और परीक्षण और तेज गति से होना चाहिए। महामारी इतनी तेजी से फैल रही और अभी तक नमूना संग्रह और परीक्षण आरटी-पीसीआर परीक्षण केंद्र तक मौजूद नहीं है। मुख्य न्यायाधीश ने ये भी कहा कि कोरोना संक्रमण के इलाज के लिए प्रयोग होने वाले रेमिडिसिविर इंजेक्शन इतनी अधिक कीमत पर क्यों बेचे जा रहे हैं। जब आप कहते हैं कि मरीजों के लिए पर्याप्त बेड और ऑक्सीजन मौजूद है तो लोग लाइनों में क्यों लगे हुए हैं। वहीं हाईकोर्ट के महाधिवक्ता कमल त्रिवेदी का कहना है कि सब कुछ नियंत्रण में है, सरकार अपना काम कर रही है, अब लोगों को और सतर्क रहना होगा, लॉकडाउन कोई समाधान नहीं है, इसका असर दैनिक ग्रामीणों पर पड़ेगा। बता दें कि गुजरात हाई कोर्ट ने रविवार को कोरोना वायरस की स्थिति पर स्वतः संज्ञान लेते हुए एक जनहित याचिका दायर करने का निर्देश दिया था। अदालत ने कहा था कि महामारी पर मीडिया रिपोर्टें बताती है कि राज्य एक प्रकार के स्वास्थ्य आपातकाल की ओर बढ़ रहा है। मुख्य न्यायाधीश विक्रम नाथ ने मौखिक आदेश के जरिये उक्त निर्देश दिया। कोरोना वायरस के हालात पर राज्य हाई कोर्ट द्वारा इस तरह की यह दूसरी जनहित याचिका है। पहली याचिका पिछले सालदायर की गई थी और उस पर अभी भी निश्चित अंतराल पर सुनवाई चल रही है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि नई जनहित याचिका में गुजरात सरकार और उसके स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ केंद्र सरकार को भी पक्षकार बनाया जाए। जनहित याचिका पर सोमवार को मुख्य न्यायाधीश और जस्टिस भार्गव डी. करिया की खंडपीठ आनलाइन मोड में सुनवाई करेगी। मुख्य न्यायाधीश ने मीडिया रिपोर्टो के हवाले से कहा कि राज्य में न सिर्फ टेस्टिंग सुविधाओं, बेड्स और आइसीयू की कमी है बल्कि आक्सीजन आपूर्ति और रेमडेसिविर जैसी बुनियादी दवाओं की भी कमी है। गुजरात में रविवार को कोरोना संक्रमण के 5469 नए मरीजों की पुष्टि हुई और 54 संक्रमितों की मौत दर्ज की गई। 27,568 मरीज सक्रिय बताये गए हैं। बता दें कि राज्य में अब तक कुल 91,23,719 लोगों का टीकाकरण हो चुका है। कोरोना महामारी की दूसरी लहर को देखते हुए राज्य के सभी सरकारी और निजी कॉलेजों में 30 अप्रैल तक के लिए ऑफलाइन कक्षाएं बंद कर दी गई हैं। शनिवार को राज्य में कोरोना संक्रमण के 5 हजार से अधिक मामले पाए गए थे।

पचास फीसद ऑक्सीजन सप्लाई सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों के लिए रखने के निर्देश

जम्मू । जम्मू के डिवीजनल कमिश्नर डा. राघव लंगर ने सभी निजी मेडिकल ऑक्सीजन सप्लायर को पचास फीसद ऑक्सीजन सप्लाई सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों के लिए रखने के निर्देश दिए हैं। रविवार को स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ हुई बैठक में डिवीजनल कमिश्नर ने इस बारे में एक कमेटी का भी गठन किया। कमेटी में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के डायरेक्टर को अध्यक्ष बनाया गया है। कमेटी में कंट्रोलर लीगल मिट्रोलोजी विभाग, कंट्रोलर स्टोर स्वास्थ्य निदेशालय जम्मू और असिटेंट कंट्रोलर ड्रग्स को शामिल किया गया है। यह कमेटी हर सप्ताह आठ निजी आक्सीजन सप्लायर के यहां आक्सीजन उत्पादन की समीक्षा करेगी। यह आक्सीजन जेनरेयान प्लांट जम्मू, सांबा, कठुआ और ऊधमपुर में चल रहे हैं। वह सरकारी अस्पतालों से आने वाली मांग और उन्हें सप्लाई की जाने वाली आक्सीजन पर पूरी नजर रखेंगे। कमेटी हर सप्ताह अपनी रिपोर्ट स्वास्थ्यएवं चिकित्सा शिक्षा विभाग को सौंपने के अलावा डिवीजनल कमिश्नर को भी देंगी। डिवीजनल कमिश्नर ने सभी जिला मजिस्ट्रेट से भी कोविड 19 के बढ़ रहे मामलों को देखते हुए लगातार इसकी समीक्षा करने को कहा। उन्होंने कहा कि अगर कहीं पर भी आक्सीजन सप्लाई की कमी आती है तो आपदा प्रबंण्धन अधिनियम के तहत मामला दर्ज हो। डिवीजनल कमिश्नर ने जम्मू संभाग के 17 अस्पतालों में स्थापित होने वाले आक्सीजन जनरेशन प्लांट भी समय पर स्थापित करने के सख्त निर्देश दिए।

मुंबई में काम-धंधा मंदा, घर लौट रहे आप्रवासी श्रमिकों से भरी ट्रेनें, बसों में दो से ढाई गुना किराया

भोपाल । मुंबई से उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड जाने वाली ट्रेनों से एक बार फिर आप्रवासी श्रमिकों और अन्य छोटे-मोटे कामकाज करने वालों का घर लौटना जारी है। इनमें भीड़ उमड़ रही है। इनमें ज्यादातर वही लोग हैं, जो कोरोना की वजह से काम-धंधा नहीं मिलने के कारण वापस घर जा रहे हैं। वहीं, कई लोग परिवार में शादी के चलते भी घर लौट रहे हैं। हालांकि लौटने की सबसे बड़ी वजह काम न मिलना है। ज्यादातर का कहना है कि यदि मुंबई में ठीक-ठाक काम मिल रहा होता तो शायद वापस नहीं जाते।

रविवार दोपहर तीन बजे भोपाल स्टेशन से गुजरी लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर ट्रेन खचाखच भरी थी। गोरखपुर जा रहे 50 वर्षीय फयाजुद्दीन ने बताया कि अभी वे जमीन की नपती करवाने जा रहे हैं। मुंबई में कोरोना संक्रमण के बाद से काम मंदा ही चल रहा है। उन्होंने बताया कि कोरोना की वजह से जिस तरह का माहौल बना है, उस कारण गांव की जमीन को वे जीवनयापन के विकल्प के रूप में देख रहे हैं।

मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की सीमा पर स्थित है बड़वानी जिले का सेंधवा। यहां पिछले कई दिनों से आप्रवासी श्रमिकों की संख्या बढ़ी हुई है। सभी मप्र होते हुए उत्तर प्रदेश या बिहार जा रहे हैं। पिछले लॉकडाउन में शहर की समाजसेवी संस्थाओं ने आप्रवासी श्रमिकों के लिए भोजन, पानी सहित अन्य व्यवस्थाएं की थीं, लेकिन इस बार ऐसा कुछ नहीं दिख रहा। श्रमिकों ने बताया कि पिछले लॉकडाउन में फंस गए थे। भूखे मरने से घर जाना ही बेहतर समझा। ऐसी आपदा में इनसे बस वाले दो से ढाई गुना अधिक किराया ले रहे हैं।

रविवार सुबह करीब 11 बजे सेंधवा बायपास पर सड़क किनारे भूखे-प्यासे और परेशान मजदूर बस का इंतजार करते नजर आए। पुणे में गैरेज पर काम करने वाले विजय मौर्य ने बताया कि लॉकडाउन के कारण दिक्कतें बढ़ने लगी तो पत्नी को लेकर उप्र के सिद्धार्थनगर स्थित अपने घर जा रहे हैं। सुभाष यादव पुणे में काम करते थे। गुजर-बसर में मुश्किल होने लगी तो उप्र के बस्ती जिला स्थित घर जा रहे हैं।

उधर, गुजरात से लगे मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले के पिटोल से होकर अन्य राज्यों में जाने वाले यात्रियों का सफर बेरोकटोक जारी है। सैकड़ों लोग गुजरात से आकर मध्य प्रदेश के अन्य जिलों व उत्तर प्रदेश, बिहार जा रहे हैं। इनकी वापसी की वजह कोरोना नहीं है। पिटोल सीमा पर न तो कोई जांच चल रही है, न ही किसी को क्वारंटाइन करने के सरकारी प्रबंध हैं। रविवार दोपहर पिटोल से होकर जा रही बस में सफर कर रहे 24 परिवारों में से एक परिवार के मुकेश यादव निवासी गोरखपुर ने बताया कि बस में उप्र के कई जिलों के लोग हैं। ये गुजरात के सूरत से प्रयागराज, बस्ती व अन्य जिलों के गांवों व शहरों को जा रहे हैं। कोई खेती के काम से तो तो कोई परिवार में शादी-ब्याह के कारण जा रहा है।

यूपी के बलरामपुर निवासी लालबाबू ने बताया, मुंबई में मजदूरी करता हूं। वहां आंशिक लॉकडॉउन है, काम भी कुछ खास नहीं चल रहा है। घर में शादी है, तो सोचा शादी में ही चला जाऊं। यूपी के सुल्तानपुर निवासी ओमकार प्रसाद ने कहा, मुंबई में पान का ठेला लगाता था। पिछले साल हुए लॉकडाउन के बाद एक माह पहले ही मुंबई लौटा था। व्यवसाय में कोई खास तेजी नहीं थी, बीमारी की चिंता अलग है इसलिए वापस जा रहा हूं।

सुशील चंद्रा होंगे देश के अगले मुख्य चुनाव आयुक्त, 13 अप्रैल को पदभार करेंगे ग्रहण

नई दिल्ली । चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा देश के अगले मुख्य चुनाव आयुक्त होंगे। यह जानकारी रविवार को सूत्रों ने दी। वरिष्ठतम चुनाव आयुक्त को मुख्य चुनाव आयुक्त नियुक्त करने की परंपरा का निर्वहन करते हुए सरकार ने निर्वाचन सदन में शीर्ष पद के लिए उनके नाम पर अपनी मुहर लगा दी है। उनकी नियुक्ति का आदेश किसी भी समय जारी किया जा सकता है।

सुनील अरोड़ा के पद से हटने के एक दिन बाद 13 अप्रैल को चंद्रा पदभार ग्रहण करेंगे। उन्हें 14 फरवरी 2019 को लोकसभा चुनाव से पहले चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया था। वे 14 मई, 2022 तक इस पद पर रहेंगे।

सुशील चंद्रा के कार्यकाल में होंगे इन पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव- उनके कार्यकाल में गोवा, मणिपुर, उत्तराखंड, पंजाब और उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव संपन्न होंगे। गोवा, मणिपुर, उत्तराखंड और पंजाब की विधानसभाओं का कार्यकाल अगले साल मार्च में विभिन्न तारीखों पर समाप्त हो रहा है। वहीं उत्तर प्रदेश विधानसभा का कार्यकाल अगले साल 14 मई को समाप्त होगा। चंद्रा पोल पैनल में शामिल होने से पहले केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के अध्यक्ष थे।

महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख के इर्दगिर्द और कसा सीबीआइ का घेरा, निजी सहायकों से पूछताछ

नई दिल्ली। पुलिस अफसरों के जरिये हर महीने 100 करोड़ रुपये की वसूली कराने के आरोपों के मामले में महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख के इर्दगिर्द सीबीआइ का घेरा लगातार कसता जा रहा है। रविवार को केंद्रीय जांच एजेंसी ने देशमुख के दो निजी सहायकों को तलब कर उनसे घंटों पूछताछ की। बताया जा रहा है इन दो सहायकों के सामने ही वाझे और अन्य अधिकारियों को 100 करोड़ की वसूली का लक्ष्य दिया गया था।

बांबे हाई कोर्ट के आदेश पर वसूली के आरोपों की प्रारंभिक जांच कर रही सीबीआइ ने देशमुख के निजी सहायक कुंदन शिंदे और निजी सचिव संजीव पालंदे को तलब किया था। सांताक्रूज स्थित डीआरडीओ के गेस्टहाउस में दोनों से लंबी पूछताछ की गई। वसूली प्रकरण में सीबीआइ अब तक डीजीपी होमगार्ड्स परमबीर सिंह, निलंबित एपीआइ सचिन वाझे, डीसीपी राजू भुजबल, एसीपी संजय पाटिल, याचिकाकर्ता वकील जयश्री पाटिल और बार मालिक महेश शेट्टी से पूछताछ कर चुकी है।

सीबीआई ने रविवार को मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह द्वारा लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों के संबंध में महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के दो निजी कर्मचारियों से पूछताछ की।

नई दिल्ली, पीटीआइ। पुलिस अफसरों के जरिये हर महीने 100 करोड़ रुपये की वसूली कराने के आरोपों के मामले में महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख के इर्दगिर्द सीबीआइ का घेरा लगातार कसता जा रहा है। रविवार को केंद्रीय जांच एजेंसी ने देशमुख के दो निजी सहायकों को तलब कर उनसे घंटों पूछताछ की। बताया जा रहा है इन दो सहायकों के सामने ही वाझे और अन्य अधिकारियों को 100 करोड़ की वसूली का लक्ष्य दिया गया था। बांबे हाई कोर्ट के आदेश पर वसूली के आरोपों की प्रारंभिक जांच कर रही सीबीआइ ने देशमुख के निजी सहायक कुंदन शिंदे और निजी सचिव संजीव पालंदे को तलब किया था। सांताक्रूज स्थित डीआरडीओ के गेस्टहाउस में दोनों से लंबी पूछताछ की गई।

वसूली प्रकरण में सीबीआइ अब तक डीजीपी होमगार्ड्स परमबीर सिंह, निलंबित एपीआइ सचिन वाझे, डीसीपी राजू भुजबल, एसीपी संजय पाटिल, याचिकाकर्ता वकील जयश्री पाटिल और बार मालिक महेश शेट्टी से पूछताछ कर चुकी है।

उल्लेखनीय है अंटीलिया कांड और मनसुख हिरेन हत्याकांड में कथित रूप से गलतियों के कारण मुंबई पुलिस कमिश्नर के पद से स्थानांतरित किए गए आइपीएस अधिकारी परमबीर सिंह ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को आठ पेज का पत्र लिखकर तत्कालीन गृहमंत्री अनिल देशमुख पर पुलिस वालों के जरिये मुंबई के बार व रेस्टोरेंट से हर महीने 100 करोड़ की वसूली कराने का आरोप लगाया था।

इस मामले की सीबीआइ से जांच के लिए उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की शरण ली। सुप्रीम कोर्ट ने मामले को गंभीर बताते हुए उन्हें हाई कोर्ट जाने को कहा। बाद में परमबीर सिंह, एडवोकेट जयश्री पाटिल व दो अन्य लोगों ने वसूली के आरोपों की सीबीआइ जांच के लिए बांबे हाई कोर्ट में याचिकाएं दाखिल कीं।

बॉम्?बे हाई कोर्ट ने पांच अप्रैल को जयश्री पाटिल की आपराधिक याचिका पर सीबीआइ को इस मामले में प्रारंभिक जांच का आदेश दिया। कोर्ट का आदेश आने के बाद देशमुख ने गृहमंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया और सुप्रीम कोर्ट में हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दे दी। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज करते हुए मामले में हस्तक्षेप से इन्कार कर दिया।

इस मामले को लेकर सियासत भी तेज हो गई है। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा है कि देशमुख पर पैसों की वसूली कराने के जो आरोप लगे थे। उसमे बहुत से लोगों को अभी नोटिस मिलेगा। आठवले ने कहा कि मुझे ऐसा लग रहा है कि उद्धव ठाकरे के एक-एक मंत्री को इस्तीफा देना पड़ेगा। अंत में उद्धव ठाकरे भी इस्तीफा दे देंगे। इस मामले की प्रारंभिक छानबीन कर रही सीबीआइ की टीम ने लव बर्ड आर्केस्ट्रा बार के मालिक महेश शेट्टी का बयान भी दर्ज किया है। शेट्टी ने तीन मार्च को सचिन वाझे से मुलाकात की थी।

मुंबई के स्टेशनों में भीड़भाड़ के फर्जी वीडियो पर सेंट्रल रेलवे ने की शिकायत

मुंबई । सेंट्रल रेलवे ने जीआरपी के समक्ष मुंबई के सीएसएमटी स्टेशन पर अत्यधिक भीड़ वाला संपादित वीडियो जारी करके आम जनता में भय फैलाने का आरोप लगाया है। साथ ही अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ आइपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। उल्लेखनीय है कि विगत सात अप्रैल को सीएसएमटी रेलवे स्टेशन पर अत्यधिक भीड़भाड़ वाले फेक वीडियो सोशल मीडिया पर डाले गए थे। सेंट्रल रेलवे के पीआरओ आफिस ने वह मोबाइल नंबर भी मुहैया करा दिया है, जहां से यह फर्जी वीडियो अपलोड किए गए थे। सेंट्रल रेलवे ने अपने आदेश में कहा कि सीएसएमटी रेलवे स्टेशन पर एक यात्री ने एक फर्जी वीडियो जारी किया था जिसमें बेतहाशा भीड़भाड़ दिखाई गई थी। यह वीडियो वायरल हो गया था। साइबर सेल इस वीडियो को डालने वाले के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी।

सेंट्रल रेलवे के जन संपर्क अधिकारी ने कहा कि विभिन्न स्टेशनों पर भीड़ दिखाने वाले कुछ पुराने/फेक वीडियो जारी किए जा रहे हैं। लोगों को ऐसी किसी भी अफवाह पर विश्वास नहीं करना चाहिए।

बंगाल में भी कोरोना ने पकड़ी रफ्तार, कोलकाता में सर्वाधिक संक्रमित; मौत का आंकड़ा भी बढ़ा

कोलकाता । बंगाल में भी कोरोना वायरस का संक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है। राज्य में रविवार को संक्रमण के 4,398 नए मामले सामने आने के बाद अब तक कोविड-19 रोगियों की कुल संख्या बढ़कर 6,14,896 हो गई। साथ ही 10 और मरीजों की मौत के साथ ही इस महामारी से जान गंवाने वालों का आंकड़ा बढ़कर 10,400 हो गया। हालांकि अब तक 5,80,515 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। राज्य स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी मेडिकल बुलेटिन में यह जानकारी दी गई है। उसमें कहा गया कि बीते 24 घंटे में कोलकाता में सबसे ज्यादा 1109 नए मामले सामने आए उसके बाद उत्तर 24 परगना में 1047 नए मरीज मिले।

बुलेटिन के मुताबिक, उत्तर 24 परगना में रविवार को महामारी से प्रदेश में सबसे ज्यादा पांच लोगों की जान गई। कोलकाता में संक्रमण से तीन लोगों ने दम तोड़ा तो दक्षिण 24 परगना और बीरभूम जिले में एक-एक मरीज की मौत हुई। उसमें बताया गया कि बीते 24 घंटों के दौरान राज्य में 1773 लोग संक्रमण मुक्त हुए हैं। अबतक 5,80,515 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। प्रदेश में फिलहाल 23981 मरीजों का इलाज चल रहा है।

इधर, बंगाल के कई अस्पतालों में कोविड-19 रोधी टीके की कमी की वजह से टीकाकरण अभियान प्रभावित है। राज्य स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार को इस स्थिति की जानकारी दी गई है और सोमवार तक टीके की खेप मिलने की उम्मीद है। अधिकारी ने बताया, ''बंगाल में कई अस्पतालों में टीकाकरण अभियान या तो रोक दिया गया है या फिर मौजूद सीमित खेप से काम चलाया जा रहा है।''

उन्होंने बताया कि हमने केंद्र सरकार को इसकी जानकारी दी है और उम्मीद है कि सोमवार तक करीब चार लाख खुराक मिल जाएंगी। सीएमआरआइ अस्पताल के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार ने टीकों की मौजूदा कमी के मद्देनजर अस्पतालों से टीकाकरण प्रक्रिया की गति धीमी रखने को कहा है। स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों ने बताया कि राज्य में शनिवार तक 78.02 लाख से ज्यादा लोगों को टीके की खुराक दी गई है

राजस्थान के बारां में साम्प्रदायिक तनाव के बाद कर्फ्यू, धारा-144 लागू ; इंटरनेट सेवा बंद

जयपुर। राजस्थान में बारां जिले के छबड़ा में दो समुदाय आपस में भिड़ गए। यहां साम्प्रदायिक तनाव के बाद कर्फ्यू लगाने के बाद ही इंटरनेट सेवा बंद कर दी है। शनिवार को हुई मामूली कहासुनी के दौरान चाकूबाजी की घटना रविवार को बड़े उपद्रव में बदल गई। दोनों तरफ से जमकर पत्थरबाजी हुई। कई दुकानों को आग के हवाले कर दिया, वाहनों में तोड़फोड़ और आगजनी हुई। एक समुदाय विशेष के लोगों ने दूसरे समुदाय के घरों व दुकानों में लूटपाट की। उपद्रवियों को काबू करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। बिजली बंद कर दी गई। प्रशासन ने शहर में धारा-144 लागू कर दी । इसके तहत चार या इससे अधिक लोग एकसाथ एकत्रित नहीं हो सकते, लेकिन उपद्रवी इसकी पालना नहीं कर रहे। पुलिस के अनुसार विवाद की शुरूआत शनिवार शाम को हुई । यहां एक दुकान से कमल सिंह नाम का व्यक्ति फल खरीद रहा था। कमला सिंह का किसी बात को लेकर आबिद व समीर से विवाद हो गया। इस दौरान दोनों ने कमल सिंह पर चाकू से हमला कर दिया । कमल को बचाने के लिए मौके पर मौजूद राकेश नागर सहित अन्य लोग दौड़े। आबिद व समीर ने उन पर भी हमला कर दिया। कमल सिंह और राकेश नागर को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया।

घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने आरोपितों को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर पुलिस थाने पर धरना शुरू कर दिया । इसके बाद पुलिस ने आबिद,समीर व उनके साथी फरीद को गिरफ्तार कर लिया। इसी बात को लेकर दो समुदायों में कस्बे के धरनावाद चौराहे पर विवाद हो गया। एक-दूसरे पर पत्थरबाजी हुई। बेकाबू भीड़ ने आगजनी कर दी, दुकानें और वाहन आग के हवाले कर दिए। मोबाइल की दुकान में लूटपाट की। आग बुझाने आई दमकल पर भी तोड़फोड़ की गई। इसके बाद आसपास के पुलिस थानों से फोर्स पहुंची। फिलहाल तनावपूर्ण शांति है।

कुख्यात गैंगस्टर शेख हैदर फरार, छह पुलिस कर्मचारी निलंबित

संबलपुर/भुवनेश्वर । ओडिशा में कुख्यात गैंगस्टर शेख हैदर के फरार होने का मामला सामने आया है। हैदर शनिवार को कटक स्थित श्रीरामचंद्र भंज मेडिकल हॉस्पिटल के सर्जरी वार्ड से फरार हो गया। वह संबलपुर पुलिस पार्टी को चकमा देकर फरार हो गया। इस मामले में संबलपुर पुलिस पार्टी के एक हवलदार और पांच कांस्टेबल को रविवार को संबलपुर जिला पुलिस अधीक्षक बाटुला गंगाधर ने लापरवाही के आरोप में निलंबित कर दिया। गैंगस्टर शेख हैदर को वर्ष 2017 में भुबनेश्वर के झारपाड़ा जेल से संबलपुर मंडल जेल स्थानांतरित किया गया था। उम्रकैद की सजा भुगत रहे शेख हैदर और धलसामंत भाइयों के साथ झारपाड़ा जेल में तनातनी के बाद सुरक्षा की दृष्टि से शेख हैदर को संबलपुर जेल स्थानांतरित किया गया था।

यहां के जेल में रहने के दौरान हैदर अपनी इलाज के लिए कई बार बुर्ला स्थित मेडिकल हॉस्पिटल भी गया था, लेकिन इस बार उसे इलाज के लिए 28 मार्च को कटक मेडिकल हॉस्पिटल ले जाया गया था। उसे हॉस्पिटल के सर्जरी वार्ड के केबिन नंबर-पांत में रखा गया था। उसकी निगरानी में एक सुरक्षा कर्मचारी को लगाया गया था। बताते हैं कि हॉस्पिटल से फरार होने की योजना बनाकर कटक मेडिकल हॉस्पिटल में भर्ती हैदर ने एक सुरक्षा कर्मचारी को कुछ नशीली पदार्थ देने के बाद फरार हो गया। हैदर के फरार होने की जानकारी मिलने के बाद कटक डीसीपी प्रतीक सिंह और अन्य अधिकारी एससीबी मेडिकल पुलिस चौकी पहुंचे और घटना की जांच पड़ताल शुरु कर दिया। इसी के साथ इस घटना की सूचना संबलपुर पुलिस को भी दी गई। तब संबलपुर जिला पुलिस अधीक्षक गंगाधर ने विभागीय जांच शुरू करते हुए इस मामले में हैदर को साथ लेकर कटक गई पुलिस पार्टी के हवलदार रमेश चंद्र देहुरी समेत कांस्टेबल बुलबुल साहू, दीपक साहू, मोहम्मद मौसिम, उमाकांत बेहेरा और सुधांशु माझी को निलंबित किया है। हैदर के फरार हो जाने की इस घटना के बाद रविवार के दिन संबलपुर पुलिस, संबलपुर मंडल जेल और बुर्ला मेडिकल हॉस्पिटल में बैठक पर बैठक हो रही है और सुरक्षा व्यवस्था में हुई गड़बड़ी का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

शेख हैदर की पहचान ओडिशा के कुख्यात गैंगस्टर के रूप में की जाती है। उसके खिलाफ विभिन्न पुलिस थानों में दर्जनों संगीन मामले दर्ज हैं। केंदूझर जिला के खदान व्यवसायी रश्मिरंजन महापात्र की हत्या मामले में अदालत ने उसे और उसके साथियों को दोषी करार दिया है। भुवनेश्वर स्थित अतिरिक्त जिला अदालत ने 2015 में हैदर को उम्रकैद की सज़ा सुनाया था। बीते 27 मई, 2007 को रश्मिरंजन की हत्या की गई थी। खदान व्यवसायी महापात्र भुवनेश्वर शहीद नगर आ रहे थे, तभी हैदर गैंग ने उनका अपहरण कर लिए था। कुख्यात गैंगस्टर हैदर के एससीबी मेडिकल से फरार हो जाने के बाद से ओडिशा में हाई अलर्ट जारी किया गया गया है, खुद पुलिस डीजी वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे हैं। इस मामले में रविवार को एक हवलदार सहित पांच पुलिस कर्मचारी को नौकरी से निलंबित कर दिया गया है।

शाहिद कपूर की बीवी मीरा राजपूत

ने बयां किया मां होने का दर्द, लोगों से पूछा- क्या ये सिर्फ मेरे साथ होता है?

शाहिद कपूर (Shahid Kapoor) अगर लाखों दिलों की धड़कन हैं तो उनकी बीवी मीरा कपूर (Mira Kapoor) भी किसी से कम नहीं है. मीरा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपने जीवन के बारे में कई जानकारियां फैंस से साझा करती रहती हैं. हाल ही में मीरा ने अपनी मां होने का दर्द बयां किया है.

मीरा ने शेयर किया वीडियो

मीरा कपूर (Mira Kapoor) अपने सोशल मीडिया के जरिए फैंस से कनेक्ट रहती हैं. हाल ही में मीरा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर बताया कि एक मां होने के नाते उन्हें कितनी परेशानी का सामना करना पड़ता है. दरअसल मीरा तैयार होने के लिए मेकअप करने वाली थीं लेकिन उनका मेकअप स्पंज गायब था. जब वह उसे खोजने लगीं तो उनके बेटे जैन कपूर के स्विमिंग पूल में पड़ा हुआ मिला. मीरा दिखाती हैं कि मेकअप स्पंज को काट दिया गया है.

मीरा की परेशानी

वीडियो में मीरा (Mira Kapoor) कहती हैं कि आज मैं अपने लाइव के लिए तैयार होने वाली थी लेकिन मुझे मेरा मेकअप स्पंज नहीं मिल रहा था. अंदाजा लगाइए कि मुझे वह कहां मिला ? इसके बाद वह बेटे के स्विमिंग पूल के पास जाती हैं और मेकअप स्पंज उठाती हैं. मीरा कहती हैं कि यह मुझे इस हालत में मिला. यह मेरा बेटा है.

शाहिद और मीरा की शादीशुदा जिंदगी शाहिद कपूर (Shahid Kapoor) और मीरा राजपूत (Mira Rajput) की जोड़ी बॉलीवुड के परफेक्ट कपल्स में से एक है. सात जुलाई 2015 को शाहिद ने मीरा से अरेंज मैरिज की थी. आपको बता दें, शाहिद और मीरा की उम्र के बीच 13 साल का फासला है. शाहिद और मीरा के दो बच्चे मीशा कपूर (Meesha Kapoor) और जैन कपूर (Zain Kapoor) हैं. साल 2016 में दोनों की एक बेटी मीशा हुई थी और 2018 में जैन का जन्म हुआ.

साधारण कपड़ों में डांस करने स्टेज पर पहुंचीं

सारा अली खान

देखते ही बनता है जबरदस्त स्टेप्स

सारा अली खान का जिम लुक काफी मशहूर है। अब इसी जिम लुक में सारा बिंदास तरीके से स्टेज पर पहुंचीं और डांस करने लगीं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें वह डांस करती दिख रही हैं।

सारा ने दिखाए जबरदस्त डांस स्टेप्स

दरअसल सारा की ये तैयारी एक अवॉर्ड शो के लिए है। ऐसे में वो इस फंक्शन से पहले स्टेज पर प्रैक्टिस कर रही थीं। सारा का यह वीडियो देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह सबकुछ बिल्कुल परफेक्ट करना चाहती हैं और खूब मेहनत कर रही हैं।

क्लासिकल डांस भी करती दिखीं

वीडियो में सारा के डांस स्टेप्स देखते ही बनते हैं। कई जगह वे क्लासिकल डांस के स्टेप्स भी कर रही हैं। इस दौरान सारा ने ब्लैक कलर के क्रॉप टॉप के साथ ग्रे-ब्लैक शॉर्ट्स पहने हैं। डांस प्रैक्टिस के दौरान वह कई बार बूट्स पहने भी दिख रही हैं।

कई गानों पर देंगी परफॉर्मेंस

सारा ने एक वीडियो पोस्ट किया था जिसमें वह अवॉर्ड शो के लिए तैयार होते हुई दिखीं। वीडियो देखकर पता चलता है कि सारा कई गानों पर डांस करेंगी। उन्होंने अलग अलग लुक की तस्वीरें दिखाई थीं। किसी में वह इंडियन ड्रेस में हैं तो कुछ तस्वीरों में उनका वेस्टर्न लुक दिखा।

अपकमिंग प्रोजक्ट्स

बात सारा के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की करें तो वो जल्दी ही अक्षय कुमार और धनुष के साथ फिल्म 'अतरंगी रे' में नजर आएंगी। इसका निर्देशन आनंद एल राय कर रहे हैं। फिल्म की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आ चुकी हैं।

'केदारनाथ' से किया था डेब्यू

सारा अली खान ने दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के साथ फिल्म 'केदारनाथ' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। 'केदारनाथ' के बाद सारा एनर्जी किंग रणवीर सिंह के साथ रोहित शेट्टी निर्देशित फिल्म 'सिम्बा' में नजर आईं। फिल्म सुपरहिट साबित हुई। वहीं आखिरी बार सारा फिल्म 'कुली नंबर 1' में वरुण धवन के साथ रोमांस करती दिखीं।

Shah शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान यशराज स्टूडियो के बाहर हुए स्पॉट, डेब्यू की अटकलें तेज

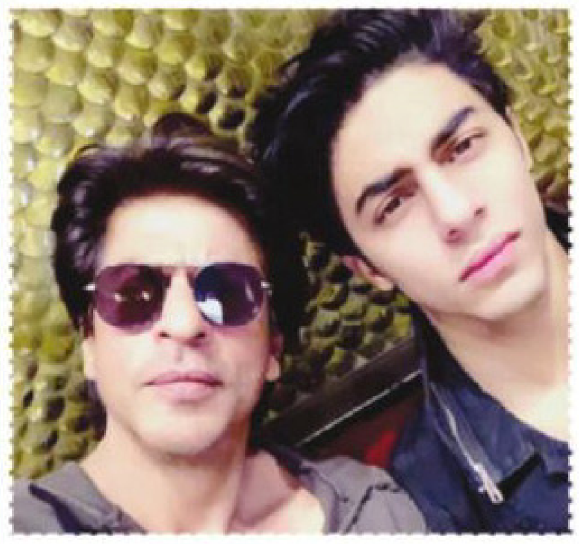

बॉलीवुड में स्टार किड्स के डेब्यू को लेकर हमेशा से फैंस में काफी एक्साइटमेंट रहता है. ऐसे में अब लंबे इंतजार के बाद शाहरुख खान (Shah Rukh Khan) के बेटे आर्यन खान (Aryan Khan) के डेब्यू को लेकर अटकलें तेज हो रही हैं. क्योंकि बीती रात आर्यन को यशराज स्टूडियोज के बाहर स्पॉट किया गया है. इस वीडियो के सामने आने के बाद से ही सोशल मीडिया पर इसे लेकर धूम मची हुई है.

जमकर वायरल हो रही हैं तस्वीरें

सोशल मीडिया पर यह तस्वीर कार्तिक के फैंस पेज और बॉलीवुड लवर्स की वॉल पर छा गई है. न्यूज पोर्टल Spotboye ने इस वीडियो को शेयर किया है, जिसके बाद अब इस वीडियो के स्क्रीनग्रैब वायरल हो रहे हैं. जिसमें आर्यन की गाड़ी को स्टूडियो की गाड़ी से बाहर जाते हुए देखा गया था. आर्यन कार में बैठे हुए थे और कोरोना से बचाव के लिए मास्क पहना हुआ था.

क्या है अब डेब्यू की तैयारी

आर्यन को लेकर वैसे भी कई साल से डेब्यू की खबरें आ रही हैं, कुछ समय पहले वह हॉलीवुड एनिमेशन फिल्म %लायन किंग% में बतौर वॉइस आर्टिस्ट डेब्यू कर चुके हैं. लेकिन अब उनके बॉलीवुड करियर को लेकर लोगों की उत्सुकता बढ़ गई है. इस वीडियो के सामने आने के बाद से चर्चा है कि शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को यशराज प्रोडक्शन बॉलीवुड में लॉन्च कर सकता है. सोशल मीडिया पर है तगड़ी फॉलोइंग भले ही आर्यन ने अब तक फिल्मों में डेब्यू नहीं किया लेकिन सोशल मीडिया पर उनके चाहने वालों की लिस्ट किसी स्टार से कम नहीं है. उनकी कोई भी तस्वीर सामने आते ही वायरल हो जाती है. कुछ ही समय में उनके इंस्टग्राम पर 1 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हो चुके हैं.

बहन सुहाना भी हैं फेमस

आपको बता दें कि शाहरुख खान और गौरी खान के तीन बच्चे हैं जिनके नाम- आर्यन खान, सुहाना खान और अबराम खान हैं. सुहाना भी हमेशा ही अपनी तस्वीरों के जरिए खबरों में बनी रहती हैं. वह इन दिनों न्यूयॉर्क में पढ़ाई कर रही हैं इससे पहले वह लंदन से ग्रेजुएशन कर चुकी हैं. वहीं आर्यन भी सिनेमा की पढ़ाई कर रहे हैं.

15 साल की उम्र में आयशा टाकिया बन गई थीं Brand Ambassador, लैदर जैकेट से करती हैं तौबा

कभी बॉलीवुड में अपनी क्यूट सी मुस्कान से तहलका मचाने वाली एक्ट्रेस आयशा टाकिया (Ayesha Takia) आज 35 साल की हो गई हैं. आयशा आज फिल्मों से भले ही दूर हो चुकी हों लेकिन सोशल मीडिया पर वो आज भी अपने फैंस का मनोरंजन करती हैं.

15 साल की उम्र में शुरू किया था करियर

अपने छोटे से फिल्मी करियर में बड़ी पहचान बनाने वाली आयशा (Ayesha Takia) का जन्म 10 अप्रैल 1986 को हुआ था. आयशा ने सिर्फ 15 साल की उम्र में ही मॉडलिंग शुरू कर दी थी और कुछ ही दिन में आयशा को एक मिल्क ब्रांड ने अपना ब्रांड अंबेसडर बना लिया. 15 साल की उम्र में ही आयशा को बॉलीवुड से पहली फिल्म का ऑफर मिल गया. यह फिल्म थी सोचा ना था.

पहली फिल्म को बनने में लगे तीन साल

एक्ट्रेस (Ayesha Takia Lesser known facts) इस फिल्म में अभय देओल (Abhay Deol) के अपोजिट थीं लेकिन इस फिल्म को बनाने में तीन साल लग गए, इससे पहले आयशा को दूसरी फिल्म टार्जन मिल गई और वह पहली फिल्म से पहले ही सिनेमाघरों में रिलीज हो गई.

बेस्ट डेब्यू एक्ट्रेस का मिला था अवॉर्ड

आयशा (Ayesha Takia Photo) की इस फिल्म में उनके साथ अजय देवगन और वत्सल सेठ नजर आए थे लेकिन एक्ट्रेस ने अपने अभिनय से सबका दिल जीत लिया और अपनी पहली ही फिल्म के लिए आयशा को बेस्ट डेब्यू एक्ट्रेस से नवाजा गया. उसके बाद आयशा को लगातार कई फिल्में मिलती चली गईं.

शादी के लिए बदला धर्म

आयशा (Ayesha Takia Biography) ने टार्जन के बाद पाठशाला, डोर, दिल मांगे मोर, फूल एन फाइनल, शादी नंबर 1, शादी से पहले, सलाम ए इश्क जैसी कई फिल्में दीं. लेकिन महज 23 साल की उम्र में आयशा ने 1 मार्च 2009 को मुंबई में अपने ब्वॉयफ्रेंड फरहान आजमी (Farhan Azmi) के साथ शादी रचाई. फरहान की हमसफर बनने के लिए आयशा ने अपना धर्म बदल लिया था.

हैदराबाद नहीं बना पाया सही बैटिंग ऑर्डर, आंद्रे रसेल बॉलिंग में बने ट्रम्प कार्ड

चेन्नई, (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग में रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 10 रन से हरा दिया। चेन्नई की धीमी पिच पर भी ङङ्फ ने कप्तान ओएन मोर्गन की नेशनल टीम इंग्लैंड की तरह आक्रामक खेल दिखाया। दूसरी तरफ सनराइजर्स की टीम को बैटिंग ऑर्डर में कई बड़ी चूक का खामियाजा भुगतना पड़ा। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी कोलकाता की टीम को अच्छी शुरूआत मिली। ओपनर नीतीश राणा (56 गेंदों पर 80 रन) और नंबर तीन पर बैटिंग करने आए राहुल त्रिपाठी (29 गेंद पर 53 रन) की उम्दा पारियों के दम पर कोलकाता ने 15.1 ओवर में एक विकेट पर 145 रन बना लिए थे। आखिरी ओवरों में दिनेश कार्तिक ने 9 गेंदों पर 22 रन बनाकर टीम को 187 रनों तक पहुंचा दिया। चेन्नई की धीमी पिच पर यह विनिंग टोटल साबित हुआ। नीतीश राणा ने 142, त्रिपाठी ने 182 और कार्तिक ने 244 के स्ट्राइक रेट के साथ बल्लेबाजी की।

सनराइजर्स ने इस मुकाबले में भुवनेश्वर कुमार और संदीप शर्मा के साथ गेंदबाजी की शुरूआत कराई। दोनों ही काफी महंगे साबित हुए। भुवनेश्वर ने 11.25 रन प्रति ओवर की हिसाब से 4 ओवर में 45 रन दे दिए। वहीं, संदीप ने 11.66 रन प्रति ओवर की दर से 3 ओवर में 35 रन दिए। टी. नटराजन भी किफायती नहीं रहे और 4 ओवर में 37 रन दे दिए। धीमी पर 188 रन के टारगेट के जवाब में सनराइजर्स को अच्छी शुरूआत की दरकार थी। लेकिन, रिद्धिमान साहा और डेविड वार्नर की ओपनिंग जोड़ी फेल रही। साहा 7 और वार्नर 3 रन बनाकर आउट हो गए। 10 रन के स्कोर तक सनराइजर्स के दोनों ओपनर पवेलियन लौट चुके थे। मनीष पांडे और जॉनी बेयरस्टो ने पारी संभालने की कोशिश की लेकिन उनका प्रयास नाकाफी साबित हुआ।

सनराइजर्स की टीम 12 ओवर में दो विकेट पर 100 रन बना चुकी थी। 8 ओवर में 11 के रनरेट से 88 रनों की जरूरत थी। लेकिन, 13वें ओवर में जॉनी बेयरस्टो के आउट होने के बाद टीम की पारी पटरी से उतर गई। मनीष पांडे डेथ ओवर में अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पाए। वे अपनी पारी की आखिरी 12 गेंदों पर सिर्फ एक छक्का जमा पाए। वहीं, क्ढछ में 170 से ऊपर के स्ट्राइक रेट वाले अब्दुल समद 17.5 ओवर तक डगआउट में ही बैठे रह गए। उनसे ऊपर भेजे गए मोहम्मद नबी (11 गेंद पर 14 रन) और विजय शंकर (7 गेंद पर 11 रन) उम्मीद के मुताबिक परफॉर्म नहीं कर सके।

आंद्रे रसेल आम तौर पर बल्ले के साथ मैच विनर होते हैं। लेकिन, इस मुकाबले में वे गेंद के साथ उपयोगी साबित हुए। रसेल ने 18वां और 20वां ओवर किया। 18वें ओवर में उन्होंने सिर्फ 6 रन दिए। 20वें ओवर में उन्होंने 11 रन दिए। राउंड द विकेट गेंदबाजी करते हुए ऑफ स्टंप के काफी बाहर गेंदबाजी करने की उनकी रणनीति सफल रही और कोलकाता ने रोमांचक जीत हासिल कर ली।

केकेआर भज्जी की तीसरी टीम

चेन्नई, (एजेंसी)। 1998 में महज 18 साल की उम्र में टीम इंडिया के लिए डेब्यू करने वाले हरभजन सिंह का क्रिकेट सफर बदस्तूर जारी है। आईपीएल के 14वें सीजन में उन्होंने कोलकाता नाइटराइडर्स की ओर से डेब्यू किया। यह उनकी तीसरी फ्रैंचाइजी है। इससे पहले टर्बनेटर मुंबई इंडियंस के लिए 10 साल (2008-2017) फिर चेन्नई सुपरकिंग्स के साथ तीन सीजन (2018-2020) का हिस्सा थे। इस साल नीलामी से पहले उन्हे सीएसके ने रीलिज किया तो कोलकाता नाइटराइडर्स ने इस अनुभवी ऑफ स्पिनर को अपने साथ जोड़ा। यूएई में खेले गए 13वें सीजन में कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के चलते भज्जी ने नाम वापस ले लिया था। 40 वर्षीय इस अनुभवी खिलाड़ी को अपने परिवार की चिंता थी क्योंकि भारत लौटने पर उन्हें पृथकवास में रहना होता, जो उन्हें मंजूर नहीं था। इस बार नीलामी में भज्जी ने अपनी बेस प्राइस 2 करोड़ रुपये रखी थी। इसी कीमत पर शाहरुख खान की मालिकाना हक वाली फ्रैंचाइजी ने उन्हें खरीद लिया। बेहद कम लोगों को उम्मीद थी कि भज्जी केकेआर की प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होंगे। विशेषज्ञों का मानना था कि टीम मैनेजमेंट उनके अनुभव का इस्तेमाल करेगा। वह कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती जैसे युवा स्पिनर्स को मार्गदर्शन देंगे, लेकिन सभी को चौंकाते हुए 699 दिन बाद हरभजन आईपीएल का कोई मैच खेलते हैं। हालांकि उन्हें केवल एक ही ओवर गेंदबाजी कराई गई। मैच जीतने के बाद कप्तान मॉर्गन ने कहा, भज्जी ने पहले ओवर में अच्छी शुरूआत की और बाद में हम उन्हें गेंदबाजी नहीं करा सके, लेकिन उनके अनुभव का इस्तेमाल अन्य को सलाह देने में किया। बताते चले कि यह दूसरी पारी का पहला ओवर था। इस ओवर में उन्होंने आठ रन दिए जिसमें एक छक्का भी शामिल था। इसी ओवर में उनके पास डेविड वार्नर को आउट करने का मौका था, लेकिन फिल्डर का साथ नहीं मिल पाया। मुकाबले में टॉस जीतकर सनराइजर्स हैदराबाद ने केकेआर को बल्ला थमाया। ओपनर नीतिश राणा के 56 गेंद में 80 रन और राहुल त्रिपाठी के 29 बॉल में 53 रन के बूते केकेआर ने निर्धारित 20 ओवर में 187/6 रन बनाए। जवाब में सनराइजर्स हैदराबाद ने शुरूआती दो विकेट गंवाने के बाद वापसी की। जॉनी बेयरस्टो और मनीष पांडेय ने अच्छी बल्लेबाजी का मुजायरा किया। दोनों ने अर्धशतक लगाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला पाए।

महेंद्र सिंह धोनी को बल्लेबाजी ऑर्डर में ऊपर आकर बैटिंग करना चाहिए : गावस्कर

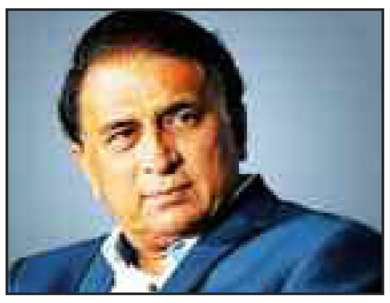

चेन्नई, (एजेंसी)। 14वें सीजन के दूसरे मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को 7 विकेटों से हराया। सीएसके के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी जीरो पर आउट हो गए। उनका विकेट आवेश खान ने लिया। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने धोनी को सलाह दी है कि आगे के मैचों में उन्हें टॉप ऑर्डर में बल्लेबाजी करना चाहिए। ताकि वे पारी को कंट्रोल कर सकें और टीम के युवा खिलाड़ियों को प्रेरित कर सकें। गावस्कर ने कहा है, मेरे हिसाब से एमएस धोनी को अपने बैटिंग ऑर्डर को लेकर निर्णय लेने होंगे। वे निचले क्रम में बल्लेबाजी करने आते हैं और उन्हें लगता है कि उन्हें सिर्फ चार से पांच ओवर बल्लेबाजी करना चाहिए। लेकिन मेरे अनुसार उन्हें बैटिंग ऑर्डर में ऊपर आकर बल्लेबाजी करना चाहिए और टीम को गाइड करना चाहिए। टीम में कई युवा खिलाड़ी हैं, यहां तक कि सैम करन भी इंटरनेशनल क्रिकेट में ज्यादा पुराने नहीं हैं। उन्होंने काफी बेहतरीन बल्लेबाजी की है, इसलिए शायद धोनी सैम करन को 3 या 4 पर बैटिंग कराने के बारे में सोच रहे हों जैसा यूएई में हुआ था।

उन्होंने कहा कि धोनी बल्लेबाजी क्रम में ऊपर आकर पारी को कंट्रोल कर सकते हैं। वे दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ दूसरी ही गेंद पर आउट हो गए और ऐसा किसी के साथ भी हो सकता है। लेकिन जैसे-जैसे टूनार्मेंट आगे बढ़ता जाएगा उन्हें पांचवें-छठे नंबर पर आकर बल्लेबाजी करना होगा। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई टीम ने 7 विकेट गंवाकर 188 रन बनाए। जवाब में दिल्ली कैपिटल्स ने 3 विकेट गंवाकर 190 रन बनाते हुए मैच अपने नाम कर लिया। ओपनर शिखर धवन ने 54 बॉल पर 85 और पृथ्वी शॉ ने 38 बॉल पर 72 रन की पारी खेली। चेन्नई के तेज गेंदबाज शार्दूल ठाकुर ने 2 और ड्वेन ब्रावो ने 1 विकेट लिया।

वॉर्नर बोले- हमने काफी रन दिए और जल्दी विकेट खोए

चेन्नई, (एजेंसी)। कोलकाता नाइटराइडर्स ने तीसरे मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को 10 रन से हरा दिया। कोलकाता की यह 100 वीं जीत है। वह सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली तीसरी टीम बन गई है। मुंबई इंडियंस 204 मैच में 120 जीत के साथ टॉप पर है, जबकि महेंद्र सिंह धोनी की चेन्नई सुपर किंग्स 180 मैच में 106 जीत के साथ दूसरे नंबर पर है। कोलकाता की जीत के बाद कप्तान ओएन मोर्गन ने कहा कि सीजन में जीत के साथ शुरूआत अच्छी है। टूनार्मेंट से पहले जो कैंप आयोजित कराया गया उससे खिलाड़ियों को एक-दूसरे को जानने का मौका मिला। उन्होंने आगे कहा, आज टॉप ऑर्डर के बल्लेबाज नीतीश राणा और राहुल त्रिपाठी का प्रदर्शन शानदार रहा। वहीं गेंदबाजों ने जिस तरह की शुरूआत थी, उससे बेहतर नहीं हो सकता है।

नीतीश राणा ने 56 गेंद पर 80 रन और राहुल त्रिपाठी ने 29 गेंद पर 53 रन बनाए। वहीं तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने 35 रन देकर दो विकेट विकेट, जबकि शाकिब अल हसन, पैट कमिंस और आंद्रे रसेल को एक-एक विकेट मिले। मोर्गन ने इस मैच में अनुभवी ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह के एक ओवर गेंदबाजी करने पर कहा कि क्ढछ में परिणाम ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। हरभजन ने पहले ओवर में अच्छी गेंदबाजी की और उसके बाद उन्होंने गेंदबाजी नहीं की, लेकिन उनका अनुभव युवा गेंदबाजों को काम आया और उन्होंने युवा गेंदबाजों की मदद की।

दूसरी ओर, हार के बाद हैदराबाद के कप्तान डेविड वॉर्नर ने कहा कि मुझे लगा कि इस विकेट पर ज्यादा रन नहीं बनेंगे, लेकिन उन्होंने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की। वहीं हमने अंत में काफी रन दिए। हमने शुरूआत में विकेट खो दिए, लेकिन जॉनी बेयरस्टो और मनीष पांडे ने शानदार बल्लेबाजी की। जिसकी वजह से हम हार के अंतर को कम कर पाए। हमें इस मैदान पर चार और मुकाबले खेलने हैं।

बार्सिलोना को 2-1 से हराया, करीम बेंजेमा ने लगातार सातवें लीग मैच में गोल किया

मैड्रिड, (एजेंसी)। रियाल मैड्रिड की टीम अल क्लासिको मुकाबला जीत कर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा में पहले स्थान पर आ गई है। करीम बेंजेमा (13वें मिनट) और क्रूस (28वें मिनट) के गोल की बदौलत रियाल ने लियोनेल मेसी जैसे स्टार खिलाड़ी वाली टीम बार्सिलोना को 2-1 से हरा दिया। बार्सिलोना की ओर से ऑस्कर मिंगुएजा ने एक गोल किया। बेंजेमा ने लगातार सात लीग मैचों में कम से कम एक गोल जरूर किया है। वे ऐसा करने वाले रियाल के चौथे खिलाड़ी बन गए हैं। स्पेनिश लीग की दिग्गज टीमों रियाल मैड्रिड और बार्सिलोना की भिड़ंत को अल क्लासिको कहा जाता है।

इस जीत के बाद अब रियाल मैड्रिड के 30 मैचों से 66 अंक हो गए हैं। दूसरे स्थान पर मौजूद एटलेटिको मैड्रिड के 29 मैचों से 66 अंक हैं। एटलेटिको का गोल डिफरेंस रियाल से बेहतर है लेकिन स्पेनिश लीग के नियमों के अनुसार अगर दो या दो से अधिक टीमें एक समान स्कोर पर होती हैं और उनके बीच सीजन के दोनों मैच हो चुके होते हैं तो टाईब्रेकर के लिए हेड टू हेड पॉइंट की मदद ली जाती है। रियाल और एटलेटिको के बीच सीजन के दोनों मैच हो चुके हैं। इसमें एक में रियाल को जीत मिली जबकि दूसरा मैच ड्रॉ रहा था। इस तरह गोल डिफरेंस में पिछड़ने के बावजूद रियाल की टीम पहले स्थान पर आ गई है। 30 मैचों में 65 अंकों के साथ बार्सिलोना की टीम तीसरे स्थान पर है।

रियाल मैड्रिड के परफॉर्मेंस को बेहतर करने के लिए कोच जिनेदिन जिदान ने मंत्र दिया है कि हर मैच को फाइनल की तरह खेलो। इसके बाद से रियाल के प्रदर्शन में काफी निखार आया है। पिछले 9 ला लीगा मुकाबलों में रियाल ने सिर्फ 4 पॉइंट गंवाए हैं। वहीं, इस मुकाबले से पहले पिछले 19 मैचों में 16 जीत और 3 ड्रॉ खेलने वाली बार्सिलोना की टीम बेरंग नजर आई। हालांकि, पॉइंट टेबल में टॉप तीन टीमें एक-दूसरे के काफी करीब है और आगे बाजी फिर पलट सकती है। बार्सिलोना के 30 मैचों से 65 अंक हैं। रियाल और बार्सिलोना दोनों को अभी 8-8 मैच और खेलने हैं। वहीं एटलेटिको के पास 9 मैच बचे हैं।

बीवी से खौफ खाते हैं रिकी पोंटिंग, कहा-वो मुझे तलाक दे देगी

चेन्नई, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के महानतम कप्तान रिकी पोंटिंग आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के कोच हैं। तीन साल पहले टीम की बागडोर संभालने के साथ ही दल के प्रदर्शन में भी जबरदस्त सुधार देखने को मिला। 2020 में तो दिल्ली पहली बार टूनार्मेंट के फाइनल तक पहुंचने में कामयाब रही थी। 14वें सीजन की शुरूआत भी धमाकेदार ही रही। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में तीन बार की चैंपियन टीम चेन्नई सुपरकिंग्स को मात देकर अभियान का आगाज किया। अब उनका एक वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल, 2007 में आई फिल्म चक दे! इंडिया में शाहरुख खान कोच कबीर खान की भूमिका में नजर आए थे। खिलाड़ी से कोच बने कबीर खान दाढ़ी रखते थे और अपने जोशीले अंदाज में टीम का मनोबल बढ़ाते थे। कुछ ऐसे ही वीडियोज पोंटिंग के भी वायरल हुए, तब से उन्हें सोशल मीडिया पर आईपीएल का कबीर खान कहा जाने लगा। ऐसा ही वीडियो दिल्ली कैपिटल्स के ट्विटर हैंडल से पोस्ट किया गया है, जिसमें हेड कोच खुलकर अपने दिल की बात रख रहे हैं। वीडियो में जब पोटिंग से पूछा गया कि क्या वह भी कबीर खान की तरह दाढ़ी रखने वाले हैं तो पोटिंग ने साफ इनकार कर दिया। उनका कहना था कि यह एक रस्म है, जिसे वह हर खेल से पहले कड़ाई से निभाते हैं। हर मैच से पहले वह क्लीन शेव होते हैं। मजाक-मजाक में पंटर यह तक कह गए कि अगर उनकी पत्नी उन्हें इस तरह देख लेगी तो शायद तलाक दे देंगी। मैं अगले दो दिनों में शेव कर लूंगा। मुझे नहीं पता कि आप लोगों ने इस पर ध्यान दिया है कि नहीं, लेकिन मैं हर खेल से पहले रात क्लीव शेव होता हूं। रिकी पोंटिंग के कोच बनने के अगले ही साल दिल्ली प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया था और तीसरे स्थान पर रही। अगले सीजन में यानी 2020 में अपने पहला पहला फाइनल खेला। इस बार टीम टीम के नियमित कप्तान श्रेयस अय्यर की गैरमौजूदगी में युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को कमान सौंपी गई है। अय्यर कंधे में फ्रैक्चर की वजह से दो-तीन माह मैदान से बाहर ही रहेंगे, हाल ही में उनकी सर्जरी भी हुई।

कोलकाता-हैदराबाद के मैच में बिना मास्क के दिखी मिस्ट्री फैनगर्ल

चेन्नई, (एजेंसी)। रविवार के दिन कोलकाता नाइटराइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेले गए मैच में हैदराबाद की एक फैन ने जमकर सुर्खियां बटोरी। यह लड़की अपनी दोस्तों के साथ हैदराबाद की टीम को सपोर्ट करने पहुंची थी। हालांकि, इन सभी लड़कियों ने जमकर लापरवाही दिखाई और कोरोनाकाल में भी मास्क नहीं लगाया। सोशल मीडिया पर इस फैन का वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाड़ी आंद्रे रसेल के आउट होने के बाद हैदराबाद के सभी समर्थकों ने जश्न मनाया। इसी दौरान इस वायरल फैनगर्ल ने भी खुशी मनाते हुए अपनी टीम को सपोर्ट किया था। इन पलों को कैमरामैन ने कैमरे में कैद कर लिया। इसी समय का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

विलियमसन मैच के लिए फिट नहीं थे : हैदराबाद के कोच ट्रेवर बेलिस

चेन्नई, (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के हेड कोच ट्रेवर बेलिस ने केन विलियमसन को पहले मैच में कोलकाता के खिलाफ नहीं खिलाए जाने पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि विलियमसन मैच के लिए फिट नहीं थे। अभी उन्हें फिट होने के लिए समय चाहिए। इसलिए कोलकाता के खिलाफ सीजन के पहले मैच में विलियमसन को नहीं खिलाया गया। कोलकाता ने सनराइजर्स को 10 रन हराया। उन्होंने कहा, हमने महसूस किया कि विलियमसन को फिट होने में कुछ समय लगेगा और उन्हें नेट्स पर अभ्यास के लिए कुछ समय चाहिए। पिछले सीजन में केन विलियमसन ने नंबर चार पर बल्लेबाजी करते हुए हैदराबाद के लिए 11 पारियों में 317 रन बनाए थे। जबकि जॉनी बेयरस्टो ने पारी की ओपनिंग करते हुए 345 रन बनाए थे। बेयरस्टो ने रविवार को कोलकाता के खिलाफ पहले मैच में नंबर चार पर बल्लेबाजी करते हुए 55 रन बनाए। वहीं ऋद्धिमान साहा ने पारी की शुरूआत की। वे केवल 7 रन ही बना सके थे। हालांकि पिछले सीजन में जब टीम में संतुलन को बनाने के लिए क्ढछ के बीच में जेसन होल्डर को प्लेइंग इलेवन में जगह दी गई और बेयरस्टो को आराम दिया गया तो, साहा ने ही पारी की ओपनिंग की थी और टीम को इसका फायदा मिला था। टीम प्ले ऑफ में पहुंचने में सफल हुई थी। हालांकि क्वॉलिफायर-2 में उसे दिल्ली कैपिटल्स से हार का सामना करना पड़ा था। बेलिस ने कहा कि बेयरस्टो टी-20 में नंबर चार पर ही बल्लेबाजी करते हैं। जबकि वनडे में वह नेशनल टीम इंग्लैंड के लिए ओपनिंग करते हैं। उन्होंने कहा कि विजय शंकर को प्रमोट कर अब्दुल समद के ऊपर बल्लेबाजी करने के लिए भेजा गया था, जब टीम को 24 गेंदों पर 57 रन की जरूरत थी, लेकिन ये रणनीति सफल नहीं हुई। शंकर 7 गेंदों पर 11 रन ही बना सके, जबकि समद ने पैट कमिंस की गेंद पर दो सिक्स जड़े। टीम को 10 रन से हार का सामना करना पड़ा। शंकर ने प्रैक्टिस मैच में बेहतर बल्लेबाजी की थी इसलिए उन्हें बल्लेबाजी के लिए समद से पहले भेजा गया था। उन्होंने एक मैच में 95 रन बनाए और काफी अच्छे शॉट खेले थे। वहीं समद को पिछले साल कम मौके मिले थे, लेकिन उनमें काफी टैलंट है। वे अच्छे स्ट्राइकर हैं। उन्हें ज्यादा मौके की जरूरत है। सनराइजर्स हैदराबाद का अगला मैच बुधवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुर के साथ है।

भोपाल साई सेंटर में 24 एथलीट सहित 36 कोविड-19 पॉजिटिव, मचा हंगामा

भोपाल, (एजेंसी)। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के भोपाल केंद्र में 24 खिलाड़ी और 12 सहयोगी स्टाफ सदस्य कोविड-19 जांच में पॉजिटिव पाए गए हैं लेकिन इनमें से कोई भी ओलिंपिक के लिए क्वॉलिफाइ करने वाला एथलीट नहीं है। साई के अनुसार तीन और छह अप्रैल को एहतियात के तौर पर दो दौर में जांच करवायी गयी थी जिसके बाद ये मामले सामने आए। साई भोपाल केंद्र में ओलिंपिक के लिए क्वॉलिफाइ करने की की कोशिश में जुटा संभावित खिलाड़ी नहीं रहता है। साई के एक अधिकारी ने कहा, दो दौर की जांच करायी गयी जिसमें कुल 36 मामले कोविड-19 पॉजिटिव निकले, इनमें से 24 एथलीट हैं और अन्य 12 राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के स्टाफ हैं। उन्होंने कहा, कोविड-19 पॉजिटिव खिलाड़ियों में कोई भी ओलिंपिक के लिए क्वॉलिफाइ करने वाला एथलीट नहीं हैं। पॉजिटिव पाए गए कुछ एथलीट वुशु और कुछ जूडो प्रतियोगिता से लौटे हैं। वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए पॉजिटिव आने वाले खिलाड़ियों को एहतियात के तौर पर अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया है। सूत्र ने कहा, कोई भी खिलाड़ी गंभीर नहीं है।साई ने सभी केंद्रों को मौजूदा मानक परिचालन प्रक्रिया का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया है जिसमें नियमित रूप से एहतियाती परीक्षण कराने पर जोर दिया गया है। वहीं 31 मार्च को पटियाला और बेंगलुरु में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों में कराए गए 741 एहतियाती टेस्ट में 30 खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ कोविड-19 पॉजिटिव आए थे। हालांकि दोनों केंद्रों में कोई भी खिलाड़ी ओलिंपिक जाने वाले दल का हिस्सा नहीं था।

एएफसी चैम्पियंस लीग से विश्व को भारतीय फुटबॉल शैली दिखाएंगे एफसी गोवा के खिलाड़ी

नई दिल्ली, (संवाददाता)। एफसी गोवा के खिलाड़ियों ने एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) चैम्पियंस लीग के ग्रुप चरण में टीम के पदार्पण को बड़ा मौका करार देते हुए कहा कि इससे उन्हेंदुनिया को भारतीय फुटबॉल की शैली को दिखाने का मौका मिलेगा। एफसी गोवा इस 14 अप्रैल को महाद्वीपीय क्लब प्रतियोगिता में खेलने वाला देश का पहला क्लब बन जाएगा। एफसी चैम्पियंस लीग (एसीएल) के ग्रुप चरण में पहले मैच में उनका सामना कतर के अल-रयान से होगा। इससे पहले भारत कोएएफसी चैंपियंस लीग ग्रुप चरण में सीधा प्रवेश दिया गया था और2019-20 सत्र में इंडियन सुपर लीग तालिका में शीर्ष पर रहने वाले एफसी गोवा ने एसीएल के लिए क्वालीफाई किया था।

एफसी गोवा के मिडफील्डर ब्रेंडन फर्नांडिज ने कहा, यह राज्य और देश के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। यह क्लब या राज्य के बजाय एक राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व की तरह है। उन्होंने कहा, पूरा देश हमें एक के रूप में देख रहा होगा और इसलिए हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करना होगा। कोरोना वायरस महामारी के कारण ग्रुप ई के सभी मैचों को गोवा में खेला जाएगा। गोवा घरेलू टीम एफसी गोवा के अलावा की यहां पसेपोलिस (ईरान), अल-रेयान (कतर) और अल-वहद जैसी टीमों की मेजबानी करेगा। हाल ही में राष्ट्रीय टीम के लिए पदार्पण करने वाले इस फ्रेंचाइजी के खिलाड़ी इशान पंडिता ने कहा कि उनकी टीम के लिए यह देश को गौरवान्वित करने का मौका है। उन्होंने कहा, जाहिर है यह एक बहुत ही खास एहसास है। यह शानदार मौका है जहां हमें एशिया और दुनिया को दिखाना होगा कि भारत अच्छा फुटबॉल खेल सकता है।

फीफा अंडर-17 विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके गोलकीपर धीरज सिंह मोरांगथेम ने कहा, हमारे लिये यह इतना आसान नहीं होगा क्योंकि हम सिर्फ गोवा का नहीं कर रहे बल्कि पूरे देश का प्रतिनिधित्व कर रहें होंगे। गोवा के स्थानीय खिलाड़ी और भारतीय डिफेंडर आदिल खान ने कहा कि ऐसे मुश्किल समय में इन प्रतिष्ठित मैचों की मेजबानी करना राज्य के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा, यह बेहद खास है कि पहली बार भारत को एशिया के सबसे बड़े फुटबॉल टूनार्मेंटों में से एक मेंप्रतिनिधित्व का मौका मिल रहा है। यह भारत के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है, और चैम्पियंस लीग में देश का प्रतिनिधित्व करना गोवा के लिए गर्व और सम्मान की बात है।

फीफा अंडर-17 महिला वर्ल्ड कप टूनार्मेंट की निदेशक रोमा खन्ना ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, (संवाददाता)। रोमा खन्ना निजी कारणों का हवाला देते हुए भारत में होने वाले फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप और एएफसी महिला एशिया कप के टूनार्मेंट निदेशक पद से हट गयीं। रोमा ने 2019 में अंडर-17 विश्व कप की बोली लगाने की प्रक्रिया की अगुआई की थी और बाद में उन्हें स्थानीय आयोजन समिति का टूनार्मेंट निदेशक नियुक्त किया गया था। उन्होंने अगले साल जनवरी में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप की बोली लगाने की प्रक्रिया में भी सफल अगुआई की थी। रोमा ने शनिवार को जारी बयान में कहा, मैं एआईएफएफ (अखिल भारतीय फुटबॉल संघ) और फीफा (अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल संस्था) का मुझ पर भरोसा दिखाने के लिये शुक्रिया करना चाहूंगी। उन्होंने कहा, भारत में टूनार्मेंट की अगुआई करना सम्मानजनक रहा। मुझे स्थानीय आयोजन समिति द्वारा किये गये काम पर गर्व है और मैं टीम की शुक्रगुजार हूं, जो भारत में महिला फुटबॉल को बढ़ाने के प्रति समान दृष्टिकोण रखती है। उन्होंने कहा, भारत में 2022 फुटबॉल और महिला खेलों के लिये बड़ा वर्ष होगा और मैं भारतीय महिला टीमों की चीयर करने के लिये बेकरार हूं।

एआईएफएफ के महासचिव कुशल दास ने कहा कि रोमा ने भारतीय फुटबॉल की प्रगति के लिये काफी योगदान किया है। उन्होंने कहा, रोमा अब करीब 10 वर्षों से एआईएफएफ से जुड़ी हुई हैं और उन्होंने देश में फुटबॉल की प्रगति की ओर काफी काम किया है। भारत को फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप की मेजबानी 2020 में दो से 21 नवंबर तक करनी थी लेकिन इसे कोविड-19 महामारी के कारण रद्द कर दिया गया जिससे फीफा ने 2022 में अगले चरण की मेजबानी की जिम्मेदारी सौंपने की घोषणा की। एआईएफएफ फीफा के साथ मिलकर नया टूनार्मेंट निदेशक नियुक्त करेगा।